राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया.......

नायब सैनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी, किस 12

वर्ष : 16 | अंक : 57 | नई दिल्ली, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

बिहार में 2003 की मतदाता सूची के 4.96 करोड़ मतदाताओं को सबूत देने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा के लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची को आधार बनाया है और उसमें शामिल 4.96 करोड़ मतदाताओं को समीक्षा के दौरान अपनी पहचान के सबूत के तौर पर कोई दस्तावेज जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी। चुनाव आयोग ने सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची उसकी वेबसाइट पर अपलोड की गयी है जिसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं के विवरण शामिल हैं। आयोग ने कहा कि इस सूची के मतदाताओं को समीक्षा के दौरान कोई दस्तावेज नहीं देना होगा तथा इनके बच्चों को अपने माता-पिता से संबंधित कोई दस्तावेज जमा कराने की भी जरूरत नहीं है। आयोग ने वहां इस वर्ष होने जा रहे राज्य विधान सभा चुनावों से पहले बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर भेज कर सूचियों की विशेष गहन समीक्षा कराने का अभियान शुरू किया है। आयोग ने गत सप्ताह मंगलवार 24 जून के आयोग के निदेशों के पैरा 5 में उल्लेख किया गया था कि सीईओ/डीईओ/ईआरओ 01.01.2003 की अर्हता तिथि वाली मतदाता सूची को सभी बीएलओ को हार्ड कॉपी में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराएंगे, साथ ही अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध कराएंगे, ताकि कोई भी व्यक्ति इसे डाउनलोड कर सके और

अपना गणना फॉर्म जमा करते समय दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में उपयोग कर सके। आयोग का कहना है, वर्ष 2003 की मतदाता सूची सामने होने से विशेष गहन पुनरीक्षण में काफी सुविधा होगी क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत को कोई दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। उन्हें केवल नामावली में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से अपने विवरण को सत्यापित करना होगा और भरा हुआ गणना फॉर्म जमा करना होगा। मतदाता और बीएलओ दोनों ही इन विवरणों तक आसानी से पहुँच सकेंगे। आयोग के निर्देशों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जिसका नाम वर्ष 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वह अभी भी अपने माता या पिता के लिए कोई अन्य दस्तावेज प्रदान करने के बजाय वर्ष 2003 की मतदाता सूची के संबंधित हिस्से (अंश) का उपयोग कर सकता है। ऐसे मामलों में, उसके माता या पिता के लिए किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे मामलों में केवल 2003 ईआर का प्रासंगिक हिस्सा/विवरण ही पर्याप्त होगा। आयोग ने कहा है कि ऐसे मतदाताओं को भरे हुए गणना फॉर्म के साथ केवल अपने लिए दस्तावेज जमा करने होंगे। आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा है कि केवल 18 वर्ष से अधिक आयु के भारतीय नागरिक और उस निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य निवासी ही मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना	80,405
चांदी	1,1000
सेंसेक्स	80,220
निफ्टी	24,472

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी वीरों की शौर्यगाथा मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी: मोदी

नई दिल्ली। हूल दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संथाल क्रांति के वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। ऐतिहासिक संथाल विद्रोह को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो, के साथ-साथ अन्य बहादुर आदिवासी शहीदों की चिरस्थायी विरासत को नमन किया, जिन्होंने औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ अपने प्राणों की आहुति दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, ''हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता है।

हमारी संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है : मुर्मू

बरेली/नई दिल्ली, एजेंसी

बरेली/नई दिल्ली। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि मैं जिस परिवेश से आती हूं, वह सहज रूप से प्रकृति के निकट है.उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि चिकित्सक या शोधकर्ता के रूप में कार्य करें तो मन में बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना हो. पशु व मानव का रिश्ता परिवार का है. अभी हम आधुनिक जीवनशैली की जिंदगी जी रहे हैं, लेकिन जब छोटे थे तो टेक्नोलॉजी का साधन नहीं था तब पशु ही हमारे साधन थे। पशु के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकते थे. पशु हमारे जीवन का धन हैं. उनके बिना हम जिंदगी के बारे में सोच नहीं सकते थे. यह धरती व मानव जाति इससे खुशहाल होती थी. हमारी संस्कृति सभी जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है. राष्ट्रपति ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया.उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधि व मेडल भी प्रदान किया।

संस्थान ने हासिल कीं कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां

राष्ट्रपति ने कहा कि 1889 में स्थापित इस संस्थान ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं.राष्ट्रपति ने वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों और इस संस्थान के नाम दर्ज अनेक पेटेंट्स, डिजाइन, कॉपीराइट्स की भी चर्चा की.उन्होंने कहा कि ह्यप्रिवेंशन इज बेटर देन क्योरह्ण कहावत पशुओं के स्वास्थ्य के लिए भी पूरी तरह से लागू होती है.बीमारियों के रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है.इस संस्थान के लिए गर्व का विष है कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में अनेक टीके यहीं पर विकसित किए गए।

आदर्श प्रस्तुत करें संस्थान

राष्ट्रपति ने कहा कि गिद्धों के विलुप्त प्राय होने के पीछे पशु चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक दवाओं की भी भूमिका है. ऐसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाना गिद्धों के संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम है.वैज्ञानिकों के इस दिशा में कदम उठाने पर राष्ट्रपति ने बधाई दी.कई प्रजातियां या तो विलुप्त हो गईं या विलुप्त होने के कगार पर हैं. इन प्रजातियों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत आवश्यक हैं.भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान जैसे संस्थान जैव विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाते हुए आदर्श प्रस्तुत करें।

पशु चिकित्सा के क्षेत्र में भी आगे आ रहीं बेटियां

राष्ट्रपति ने उपाधि व पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी.उन्होंने कहा कि पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की बड़ी संख्या देखकर गर्व हो रहा है कि बेटियां अन्य क्षेत्र की तरह पशु चिकित्सा के क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं, यह शुभ संकेत है.राष्ट्रपति ने कैटल शेड की चर्चा करते हुए कहा कि मां, बहन गायों की सेवा करती थीं.गायों व पशुओं से माता-बहनों का जुड़ाव अधिक है.इस क्षेत्र में बेटियों का जुड़ाव देखकर बहुत अच्छा लगा।

सत्य गुण से होती है ज्ञान की प्राप्ति

राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से कहा कि करियर के रूप में आपने निरीह व बेजुबान पशुओं की चिकित्सा व कल्याण के क्षेत्र को चुना है.इसमें सर्वे भवन्तु सुखिनःड्ढ की भारतीय सोच का भी योगदान रहा है.राष्ट्रपति ने संस्थान का ध्येय वाक्य सुनाकर उसके भावार्थ की चर्चा की कि सत्य गुण से ज्ञान की प्राप्ति होती है. विश्वास है कि इसी भावना के साथ आपने शिक्षा प्राप्त की होगी और भविष्य में भी इसी मूल भावना के साथ कार्य करते होंगे.जब भी आपके सामने दुविधा का क्षण हो तब उन बेजुबान पशुओं के बारे में सोचिए, जिनके कल्याण के लिए आपने शिक्षा ग्रहण की है.आपको सही मार्ग जरूर दिखाई देगा। राष्ट्रपति ने कहा कि पशु विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमिता व स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए इस संस्थान में पशु विज्ञान इनक्यूबेटर कार्यरत है.इस सुविधा का लाभ लेते हुए उद्यम स्थापित करने चाहिए.इससे न केवल जरूरतमंदों को रोजगार दे पाएंगे, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान कर पाएंगे.विश्व भर के प्रतिष्ठित संस्थानों, उद्यमों, सेवारत पूर्व विद्यार्थी भी इसमें मार्गदर्शन कर सकते हैं।

मानव, जानवर, वनस्पति व पर्यावरण एक-दूसरे पर हैं आश्रित

राष्ट्रपति ने कहा कि वन हेल्थ की अवधारणा महत्व प्राप्त कर रही है.माना जाता है कि मानव, घरेलू तथा जंगली जानवर, वनस्पति व व्यापक पर्यावरण एक-दूसरे पर आश्रित हैं.हमें अपनी परंपरा व इस अवधारणा का अनुसरण करते हुए पशु कल्याण के लिए प्रयास करना चााहिए.प्रमुख पशु संस्थान के रूप में इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट जेनेटिक बीमारियों के नियंत्रण व रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने-समझने की शक्ति दी है. उसका उपयोग जीव-जंतुओं के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

कोरोना ने किया आगाह, उपभोग आधारित संस्कृति पहुंचा सकती है अकल्पनीय क्षति

राष्ट्रपति ने कहाकि कोरोना महामारी ने आगाह किया है कि उपभोग आधारित संस्कृति मानव, जीव-जंतुओं व पर्यावरण को अकल्पनीय क्षति पहुंचा सकती है. उन्होंने पशु कल्याण के लिए पशु आरोग्य मेलों के आयोजन पर जोर दिया.इनके तहत गांव-गांव में कैंप लगाकर पशुओं की चिकित्सा के साथ ही समाज भी स्वस्थ रहेगा।

पशु संपदा का संरक्षण व विकास हमारा कर्तव्य

राष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज गांव-गांव में घरेलू पशु नहीं दिख रहे हैं.यह पशु खेती में सहयोग करते हैं.आज टेक्नोलॉजी तो आयी, लेकिन जमीन में खेती के साथी केंचुआ आदि समाप्त हो रहे हैं. इससे जमीन बंजर हो रही है.जमीन उर्वरता के लिए किसानों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों व आमजन को सोचना चाहिए.पशु संपदा का संरक्षण व विकास हमारा कर्तव्य होना चाहिए।

टेक्नोलॉजी के प्रयोग से लाए जा सकते हैं क्रांतिकारी बदलाव

राष्ट्रपति ने कहा कि टेक्नोलॉजी अन्य क्षेत्र की तरह पशु चिकित्सा और देखभाल में भी क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है. टेक्नोलॉजी के प्रयोग से देश भर के पशु चिकित्सा को सशक्त बनाया जा सकता है.जीनोम एडिटिंग, एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी, एआई, बिग डेटा एनालिटिक्स जैसे टेक्नोलॉजी के प्रयोग से इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं. आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके आईवीआरआई जैसे संस्थानों को पशु रोगों के निदान व पोषण उपलब्ध कराने के लिए स्वदेशी व सस्ते उपाय ढूंढने चाहिए।

मौजूदा राजनीतिक माहौल लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: धनखड़

जयपुर/नई दिल्ली, एजेंसी

जयपुर/नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में आरोप प्रत्यारोप का ऐसा दौर चल रहा है जिसमें राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति को भी घसीट लिया जाता है और यह भारतीय लोकतंत्र और संस्कृति से मेल नहीं खाता। श्री धनखड़ ने राजस्थान के जयपुर में राज्य के पूर्व विधायकों के संगठन राजस्थान प्रगतिशील मंच के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश का मौजूदा राजनीतिक परिवेश भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति से भी मेल नहीं खाता है। उन्होंने कहा, राजनीति में आप अलग-अलग दलों में हो सकते हैं और इसमें भी बदलाव होता रहता है। सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष में जाता रहता है और प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष में आता रहता है। पर इसका मतलब यह नहीं है कि दुश्मनी हो जाए। दरार पैदा हो जाए। दुश्मन सीमापार हो सकते हैं। देश में हमारा कोई दुश्मन नहीं हो सकता। उप राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति का परिवेश असहनीय हो रहा है। बेलगाम होकर वक्तव्य दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल जब राज्य में होता है, तो उस पर आसानी से वार किया जा सकता है। राज्य की सरकार यदि केंद्र की सरकार के अनुरूप नहीं है तो आरोप लगना बहुत आसान हो जाता है। समय के साथ बदलाव आया और उपराष्ट्रपति भी इसमें जुड़ गया और राष्ट्रपति को भी इस दायरे में ले लिया गया है। उन्होंने कहा, यह चिंतन, चिंता और दर्शन का विषय है। ऐसा मेरी दृष्टि में होना उचित नहीं है। श्री धनखड़ ने कहा कि प्रतिपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहता है और प्रतिपक्ष विरोधी पक्ष नहीं है। यह प्रजातंत्र में आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ह्यअभिव्यक्ति हो, वाद-विवाद हो, संवाद हो। वैदिक तरीके से, जिसको अनंतवाद कहते हैं। अभिव्यक्ति बहुत महत्वपूर्ण है और प्रजातंत्र की जान है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति कुंठित होती है या उस पर कोई प्रभाव डाला जाता है या अभिव्यक्ति इस स्तर पर पहुँच जाती है कि दूसरे के मत का कोई मतलब नहीं है, तो अभिव्यक्ति अपना अस्तित्व खो देती है। अभिव्यक्ति को सार्थक करने के लिए वाद-विवाद को जरूरी करार देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि दूसरे के मत को सुनना अभिव्यक्ति को ताकत देता है।

पुरी भगदड़ पर मांझी इस्तीफा दें, घटना की हो न्यायिक जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा भगदड़ में श्रद्धालुओं के हताहत होने को अत्यंत गंभीर घटना बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा है कि घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि उलाका तथा पार्टी नेता अरविंदा दास ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में इसे राज्य की भाजपा सरकार के कुप्रबंधन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इस पवित्र कार्यक्रम में वीआईपी पर ध्यान केंद्रित करने के कारण उससे जो चूक हुई है, उसके लिए भाजपा सरकार प्रभु जगन्नाथ से माफी मांगे और आश्वासन दे कि भविष्य में इस तरह की चूक नहीं होगी। सरकारी तंत्र सिर्फ वीआईपी की सेवा में नहीं रहेगा और प्रभु के आम भक्तों की सुरक्षा पर भी सतर्क रहेगा। उन्होंने भगदड़ की घटना के लिए मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री को जिम्मेदार बताते हुए इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि घटना में कितने लोगों की मृत्यु हुई। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपए की मदद करने करने और गंभीर रुप से घायलों को 25-25 लाख रुपए की सहायता देने की भी मांग की है। उन्होंने रथ यात्रा में कुप्रबंधन के कारण इस तरह की घटनाओं को शर्मनाक बताया और कहा कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि आगे से इस तरह की घटनाएं नहीं हों। उनका कहना था कि पिछले साल 'प्रभु बलभद्र' जी की मूर्ति भी गिरा दी गई थी। तब सरकार ने कहा था कि इस मामले की जांच की जाएगी लेकिन आज तक इसमें कुछ सामने नहीं आया है। असलियत यह है कि भाजपा सरकार ने रथ यात्रा को ह्यइवेंट मैनेजमेंटह्ण में बदल दिया है जिसके कारण यह गंभीर चूक हुई है। घटना की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

न्यायालय ने बोधगया मंदिर अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को संबंधित उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा। बिहार के बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है। यह भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े चार पवित्र क्षेत्रों में से एक है। बोधगया वह स्थान है, जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष पेश की गयी। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से याचिका में उठाए गए मुद्दे के बारे में पूछा। वकील ने कहा, ''मैंने (याचिकाकर्ता) अनुरोध किया है कि बोधगया मंदिर अधिनियम को अवैध बताते हुए रद्द किया जाए।'' पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को संबंधित उच्च न्यायालय का रुख करना चाहिए। पीठ ने पूछा, ''आप यह मामला उच्च न्यायालय के समक्ष क्यों नहीं उठाते?''

इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस से लेकर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और क्लीन एनर्जी तक, स्टील उभरते भारत का आधार : पीएमओ

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए एक पोस्ट में कहा गया कि इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस से लेकर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और क्लीन एनर्जी तक, स्टील उभरते भारत की रीढ़ है। पीएमओ की ओर से केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बताया कि नीतिगत प्रोत्साहन और इनोवेशन भारत को किस प्रकार ग्लोबल स्टील लीडर बनने की यात्रा को आकार दे रहे हैं। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने एक्स पर शेयर किए गए एक पोस्ट में कहा कि भारतीय स्टील हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर की क्रांति के केंद्र में है। उन्होंने खुद के लिखे एक आर्टिकल का लिंक शेयर करते हुए लिखा, स्टील सेक्टर एक नए भारत के उदय को आकार दे रहा है। राजमार्गों से लेकर हाई-स्पीड रेल, मेट्रो नेटवर्क से लेकर रिन्यूएबल पार्क, ईवी से लेकर डिफेंस तक, भारतीय स्टील हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर की क्रांति के केंद्र में है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश बन गया है। 2014 से स्टील उत्पादन लगभग दोगुना हो गया है और हम 2030 के 300 मिलियन टन के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि घरेलू रूप से निर्मित आयरन और स्टील उत्पाद नीति और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन जैसे दूरदर्शी सुधारों के जरिए हमने क्षमता, आत्मनिर्भरता और ग्रीन स्टील इनोवेशन को बढ़ावा दिया है। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा, आज, भारत गुणवत्तापूर्ण स्टील का निर्यात करता है, इसका निर्माण अपने बलबूते पर करता है और एमएसएमई के साथ-साथ मुख्य उद्योगों को सशक्त बनाता है। यह आत्मनिर्भर भारत बनने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, स्टील केवल मेटल नहीं है। यह उभरते और मजबूत भारत का आधार हैह्व देश का स्टील उत्पादन 2014 में 81 मिलियन टन से कुछ अधिक था। आज यह 152 मिलियन टन को पार कर गया है। यह क्षमता लगभग दोगुनी हो गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था है, जहां स्टील की मांग लगातार बढ़ रही है।

बजट | पाकिस्तान के साथ संघर्ष के बाद भारत रक्षा बजट बढ़ाकर 2047 तक दुनिया का तीसरा देश बनेगा.........

भारत अपना अनुसंधान एवं विकास का बजट 5.1 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के साथ हुए हवाई संघर्ष के बाद भारत का रक्षा बजट अगले वित्त वर्ष में 60 हजार करोड़ तक बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही भारत अगले पांच वर्षों में अपने रक्षा बजट का 10 फीसदी हिस्सा अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटित करेगा, जो मौजूदा समय में महज 5.1 फीसदी है। इसके साथ ही भारत 2047 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश बन जाएगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और वैश्विक परामर्शदात्री संस्था केपीएमजी की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार भारत का रक्षा बजट 2024-25 में 6.8 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2047 तक 31.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इससे भारत के रक्षा उत्पादन में भी मजबूत वृद्धि होगी। रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 में रक्षा उत्पादन 1.6 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2047 तक 8.8 लाख करोड़ रुपये हो जाने की उम्मीद है। इसके साथ ही भारत का रक्षा निर्यात मौजूदा 30,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2.8 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है, जिससे देश को इस क्षेत्र में वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति बनाने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार रक्षा बजट के पूंजीगत व्यय में भी बड़ी वृद्धि का संकेत है। बुनियादी ढांचे और आधुनिक उपकरणों पर होने वाला खर्च 27 फीसदी से बढ़कर 40 फीसदी होने की संभावना है। इसके अलावा रक्षा में अनुसंधान और विकास पर खर्च भी दोगुना होने का अनुमान है, जो 5.1 फीसदी से बढ़कर 10 फीसदी हो जाएगा। इस बीच रक्षा को आवंटित जीडीपी का हिस्सा 2 फीसदी से बढ़कर 4-5 फीसदी हो सकता है। हालांकि, रिपोर्ट में कई बाधाओं की ओर भी इशारा किया गया है, क्योंकि भारत महत्वपूर्ण सैन्य तकनीकों के लिए आयात पर निर्भर है, जो घरेलू आत्मनिर्भरता को कमजोर करता है। इसके साथ ही भारत 2047 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश बन जाएगा, जो अभी तीसरे नंबर पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जटिल रक्षा प्रणालियों और नई प्रौद्योगिकियों को संभालने के लिए कुशल जनशक्ति की भी कमी है। रिपोर्ट में सरकार और निजी फर्मों के बीच मजबूत साझेदारी के महत्व पर जोर दिया गया है, लेकिन कहा गया है कि रक्षा विनिर्माण में निजी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन और नीति समर्थन महत्वपूर्ण होगा। विदेशी भागीदारों के साथ सहयोग में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और बौद्धिक संपदा अधिकार भी संवेदनशील और अनसुलझे मुद्दे बने हुए हैं।

सेना प्रमुख भूटान की चार दिवसीय यात्रा पर गये

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सोमवार को भूटान की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। अधिकारियों के मुताबिक, रणनीतिक रूप से अहम स्थान पर स्थित डोकलाम पठार के आसपास बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में सेना प्रमुख पड़ोसी मुल्क गए हैं। भूटान के साथ पहले से ही घनिष्ठ द्विपक्षीय सैन्य संबंध हैं और उनकी इस यात्रा से रिश्तों के और मजबूत होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि भूटान की राजधानी थिम्पू में जनरल द्विवेदी राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात करेंगे और भूटान के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बट्टू शेरिंग के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। सेना प्रमुख की 30 जून से तीन जुलाई तक की भूटान यात्रा बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के बीच हो रही है। इसी के साथ वह पाकिस्तानी क्षेत्रों में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के सात सप्ताह बाद पड़ोसी देश गए हैं। भारतीय सेना ने कहा, ''इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्थायी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।'' उसने कहा कि यह अपने पड़ोसी के प्रति भारत की कटिबद्धता को दशार्ता है। उम्मीद है कि जनरल द्विवेदी की भूटानी वातार्कारों के साथ होने वाली वार्ता में डोकलाम पठार की समग्र स्थिति के साथ-साथ क्षेत्र में चीनी गतिविधियां जैसे विषय छाये रहेंगे। वर्ष 2017 में 'डोकलाम ट्राई-जंक्शन' में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच 73 दिनों तक चले गतिरोध की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ वर्षों में भारत और भूटान के बीच रणनीतिक संबंधों में खासी मजबूती आई है। डोकलाम पठार भारत के सामरिक हित के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। वर्ष 2017 में 'डोकलाम ट्राई-जंक्शन' पर गतिरोध तब शुरू हुआ जब चीन ने उस क्षेत्र में सड़क बनाने की कोशिश की, जिसे भूटान अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। भारत ने इस निर्माण का कड़ा विरोध किया था क्योंकि इससे उसके समग्र सुरक्षा हितों पर असर पड़ता।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

(Scan this QR code to view the Ad.)

icon

ICON FACILITATORS LIMITED

THE COMMENCEMENT OF TRADING OF THE EQUITY SHARES OF OUR COMPANY ON THE SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE") SHALL BE WITH EFFECT FROM TUESDAY, JULY 01, 2025

Our Company was originally incorporated as 'Icon Facilitators Private Limited' as a private limited company under the Companies Act, 1956 on September 20, 2013 pursuant to a Certificate of Incorporation bearing CIN U93000DL2013PTC258273 issued by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi & Haryana. Thereafter, our Company was converted into a public limited company from a private limited company pursuant to a special resolution passed by the shareholders of our Company on February 17, 2024 consequent to which the name of our Company changed from 'Icon Facilitators Private Limited' to 'Icon Facilitators Limited' and a fresh Certificate of Incorporation bearing no. U93000DL2013PLC258273 was issued by the Registrar of Companies, NCT of Delhi and Haryana ("RoC") on June 05, 2024. For further details on the change in the registered office of our Company, please refer to the chapter titled *"Our History and Certain Other Corporate Matters"* beginning on page 181 of the Prospectus.

CIN : U93000DL2013PLC258273; **Registered Office:** C-28, 2nd Floor Community Centre, Janakpuri, South West Delhi, New Delhi - 110058, India. **Telephone:** +91-7417961616; **Contact Person:** Mr. Tarun Sharma, Chief Financial Officer;
E-mail: catarun@iconf.in; **Website:** www.iconf.in;

PROMOTERS OF OUR COMPANY:MR. DINESH MAKHIJA AND MS. POOJA MAKHIJA

ISSUE WAS MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED (SME PLATFORM).
Our company has filed Prospectus dated June 27, 2025 with Registrar of Companies, NCT of Delhi & Haryana. The Equity shares are proposed to be listed on SME Platform of BSE Limited (SME Platform) and trading will commence on Tuesday, July 01, 2025.

BASIS OF ALLOTMENT

INITIAL PUBLIC ISSUE OF 21,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF Rs. 10.00 EACH ("EQUITY SHARES") OF OUR COMPANY FOR CASH AT A PRICE OF Rs. 91/- PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF Rs. 81/- PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING TO Rs. 1,911.00 LAKHS ("ISSUE"). THIS ISSUE INCLUDES A RESERVATION OF 1,05,600 EQUITY SHARES AGGREGATING TO Rs. 96.10 LAKHS FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER ("MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE SHALL CONSTITUTE 26.72% AND 25.38%, RESPECTIVELY, OF THE POST-ISSUE PAIDUP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY, RESPECTIVELY. THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS Rs. 10.00 EACH.

ISSUE PRICE: Rs. 91/- PER EQUITY SHARE OF FACE VALUE ₹ 10/- EACH.

ANCHOR INVESTOR ISSUE PRICE: NOT APPLICABLE

THE ISSUE PRICE IS 9.10 TIMES OF THE FACE VALUE

RISK TO INVESTORS

a. Our business is largely concentrated in North India and is affected by various factors associated with these states.
b. Our Company has reported certain negative cash flows from its operating activities, investing activities and financing activities. Sustained negative cash flow could impact our growth and business.
c. We have a large workforce deployed across workplaces and customer premises. Consequently, we may be exposed to service-related claims and losses or employee disruptions, as well as employee related regulatory risks, that could have an adverse effect on our reputation, business, cash flows, results of operations and financial condition.
d. There have been certain instances of delays in payment of certain statutory dues by us. Any further delays in payment of statutory dues may attract financial penalties from the respective government authorities and in turn may have a material adverse impact on our financial condition and cash flows.
e. There have been instances of delays of certain forms which were required to be filed as per the reporting requirements under the Companies Act, 2013 to the Registrar of Companies.
f. Our revenue from operations is highly dependent upon a limited number of customers, with our largest, top 5 and top 10 customers contributing to more than 49.59%, 73.58% & 87.17%, respectively of our revenue from operations for Fiscal 2025.
g. We have significant employee benefit expenses, such as workers' compensation, staff welfare expenses and contribution to provident and other funds. In case we face an increase in employee costs that we are unable to pass on to our customers, we may be prevented from maintaining our competitive advantage and our profitability may be impacted.
h. We have in the past entered into related party transactions and may continue to do so in the future, which may potentially involve conflicts of interest with the equity shareholders. There can be no assurance that such transactions, individually or in the aggregate, will not have an adverse effect on our financial condition and results of operations.
i. We are engaged in the third-party verification procedure for our personnel prior to assigning them to our customers, which may impact our reputations, cash flows and business prospects.
j. Our businesses are manpower intensive and our inability to attract and retain skilled manpower could have an adverse impact on our growth, business and financial condition. Further, in the event we are not able to manage our attrition, we may not be able to meet the expectations of our customers, which may have an adverse impact on our financial condition.

For details about the risk faced by our Company, kindly refer to the chapter titled *"Risk Factors"* beginning on page 27of the Prospectus.

ANCHOR INVESTOR BIDDING DATE: NOT APPLICABLE

BID/ISSUE OPENED ON: TUESDAY, JUNE 24, 2025

BID/ISSUE CLOSED ON: THURSDAY, JUNE 26, 2025

This Issue was made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 229 of the SEBI ICDR Regulations and in compliance with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50.00% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") (the "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLM may allocate up to 60.00% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis ("Anchor Investor Portion"). One-third of the Anchor Investor Portion shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from the domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price in accordance with the SEBI ICDR Regulations. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the QIB Portion (other than the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5.00% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, other than Anchor Investors, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5.00% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15.00% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors and not less than 35.00% of the Net Issue shall be available for allocation to Retail Individual Investors in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Issue Price. All Potential Bidders, other than Anchor Investors, are required to participate in the Issue by mandatorily utilizing the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process by providing details of their respective ASBA Account (as defined hereinafter) in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the Self-Certified Syndicate Banks ("SCSBs") or under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For details, please refer to the chapter titled *"Issue Procedure"* beginning on page 277 of the Prospectus.

As in the present issue no shares were reserved for the Anchor Investor, there were no participation of Anchor Investor. Hence, no shares were allotted to Anchor investors in the Issue.

After removing multiple and duplicate bids, bids (UPI Mandates) not accepted by investors / blocked, bids rejected under application banked but bid not registered and valid rejections cases from the 'Bid Book'', the Issue was subscribed 2.18 times.

Detail of the Applications Received:

Category	No. of Applications	No. of Equity Shares	Reserved
Qualified Institutional Buyers	2	2,19,600	1,00,800
Retail Individual Investors	3266	39,18,000	9,46,800
Non-Institutional Bidders	175	8,70,000	9,46,800
Market Maker	1	1,05,600	1,05,600
TOTAL	**3,444**		

Final Demand

A summary of the final demand as per BSE as on the Bid/Issue Closing Date at different Bid Prices is as under:

Bid Price	No. of Equity Shares	% of Total	Cumulative Total	Cumulative % of Total
85	2,77,200	3.16	2,77,200	3.16
86	2,400	0.03	2,79,600	3.19
87	2,400	0.03	2,82,000	3.22
88	4,800	0.05	2,86,800	3.27
89	9,600	0.11	2,96,400	3.38
90	18,000	0.21	3,14,400	3.59
91	42,07,200	47.99	45,21,600	51.57
Cut off Price(91)	42,45,600	48.43	87,67,200	100.00
Total	**87,67,200**	**100.00**		

The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange – BSE on June 27, 2025

1) **Allocation to Retail Individual Investors (After Technical Rejections):** The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, who have bid at cut-off Price or at or above the Issue Price of Rs. 91.00 per equity shares, was finalized in consultation with BSE. The category was subscribed by 2.94 times i.e., for 36,24,000 Equity Shares. Total number of shares allotted in this category is 12,33,600* Equity Shares to 1,028 successful applicants. The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

Sr. No.	No. of Shares applied for (Category wise)	Number of applications received	% to total	Total No. of Shares applied in each category	% to total	Proportionate shares available	Allocation per Applicant		Ration of allottees to applicants		Total No. of shares allocated/ allotted
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	Before Rounding off (8)	After Rounding off (9)	(10)		(11)
1	1200	3020	100.00	36,24,000	100.00	12,33,600	408	1,200	257	755	12,33,600*
Grand Total		**3020**	**100.00**	**36,24,000**	**100.00**	**12,33,600**					**12,33,600***

Spill over from under subscription of Non- Institutional Category of 3,16,800 shares has been divided into QIB and Retail in the ratio of 30,000 shares and 2,86,800 shares. Hence shares available in Retail is now a sum of 9,46,800 shares and 2,86,800 shares which amounts to 12,33,600 shares.

2) Allocation to Non-Institutional Investors (After Technical Rejections): The Basis of Allotment to Other than Retail Individual Investors, who have bid at Issue Price of Rs. 91.00 per equity shares or above, was finalized in consultation with BSE. The category was subscribed by 1.00 times i.e., for 6,30,000 Equity Shares the total number of shares allotted in this category is 6,30,000 Equity Shares to 172 successful applicants. The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

Sr. No.	No. of Shares applied for (Category wise)	Number of applications received	% to total	Total No. of Shares applied in each category	% to total	Proportionate shares available	Allocation per Applicant		Ration of allottees to applicants		Total No. of shares allocated/ allotted
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	Before Rounding off (8)	After Rounding off (9)	(10)		(11)
1	2,400	138	80.23	3,31,200	52.57	3,31,200	2,400	2,400	1	1	3,31,200
2	3,600	8	4.65	28,800	4.57	28,800	3,600	3,600	1	1	28,800
3	4,800	8	4.65	38,400	6.10	38,400	4,800	4,800	1	1	38,400
4	6,000	4	2.33	24,000	3.81	24,000	6,000	6,000	1	1	24,000
5	7,200	5	2.91	36,000	5.71	36,000	7,200	7,200	1	1	36,000
6	10,800	1	0.58	10,800	1.71	10,800	10,800	10,800	1	1	10,800
7	12,000	4	2.33	48,000	7.62	48,000	12,000	12,000	1	1	48,000
8	14,400	1	0.58	14,400	2.29	14,400	14,400	14,400	1	1	14,400
9	30,000	2	1.16	60,000	9.52	60,000	30,000	30,000	1	1	60,000
10	38400	1	0.58	38,400	6.10	38,400	38,400	38,400	1	1	38,400
Grand Total		**172**	**100.00**	**6,30,000**	**100.00**	**6,30,000**					**6,30,000**

3) **Allocation to QIBs (After Technical Rejections):** The Basis of Allotment to QIBs, who have bid at Issue Price of Rs. 91.00 per equity shares or above, was finalized in consultation with BSE. The category was subscribed by 1.68 times i.e., for 2,19,600 Equity shares the total number of shares allotted in this category is 1,30,800 Equity Shares to 2 successful applicants. The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

CATEGORY	FIS/BANKS	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPI	VC'S	TOTAL
QIBs	-	-	-	-	-	1,30,800	-	**1,30,800***

Spill over from under subscription of Non-Institutional Category of 3,16,800 shares has been divided into QIB and Retail in the ratio of 30,000 shares and 2,86,800 shares. Hence shares available in QIB is now a sum of 1,00,800 shares and 30,000 shares which amounts to 1,30,800 shares.

4) **Allocation to Market Maker (After Technical Rejections):** The Basis of Allotment to Market Maker, who have bid at Issue Price of Rs. 91.00 per equity shares or above, was finalized in consultation with BSE. The category was subscribed by 1.00 times i.e., for 1,05,600 shares the total number of shares allotted in this category is 1,05,600 Equity Shares. The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

Continued on next page...

बीजेपी सरकार ने मिडिल क्लास का क्या हाल कर दिया फीस वृद्धि को लेकर धक्के खा रहे पैरेंट्स : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के पेरेंट्स फीस वृद्धि पर लगाम लगाने की मांग को लेकर धक्के खाने को मजबूर हैं। पेरेंट्स बीजेपी की दिल्ली सरकार से राहत पाने की उम्मीद किए बैठे हैं लेकिन उन्हें हर जगह से सिर्फ मायूसी मिल रही है। सोमवार को फीस वृद्धि पर रोक लगाने की मांग को लेकर पेरेंट्स सीएम रेखा गुप्ता से मिलने पहुंचे लेकिन पुलिस ने उन्हें गेट पर ही रोक लिया। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सीएम रेखा गुप्ता से मिलने पहुंचे पेरेंट्स की एक वीडियो एक्स पर साझा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने मिडिल क्लास का

क्या हाल कर दिया है। प्राइवेट स्कूल मालिकों से मिलीभगत साफ है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों के मालिकों और भाजपा सरकार के बीच मिलीभगत साफ है, तभी प्राइवेट स्कूल मनमाने तरीके से फीस बढ़ाए जा रहे हैं और सीएम रेखा गुप्ता पेरेंट्स से मिलने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावक परेशान हैं लेकिन सरकार अभिभावकों हित में कुछ भी नहीं कर रही है। इससे शिक्षा माफियाओं और सरकार की गठजोड़ साफ दिखाई दे रहा है। उधर, आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा कि निजी स्कूल शैक्षणिक सत्र के बीच में ही फीस बढ़ा रहे हैं। इससे यह साफ है कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने निजी स्कूलों को फीस बढ़ाने की हरी झंडी दे दी है। वरना ऐसे स्कूलों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? सोशल मीडिया पर अभिभावक गुहार लगा रहे हैं। प्राइवेट स्कूलों की तरफ से उनके पास फीस वृद्धि को लेकर मेल भेजा गया है। उस मेल में यह भी लिखा गया है कि स्कूल फीस वृद्धि के बारे में सभी संबंधित अधिकारियों और विभागों को पता है। दिल्ली आतिशी ने अभिभावकों को भेजे गए मेल को एक्स पर साझा किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा माफियाओं और भाजपा सरकार की मिलीभगत साफ दिख रही है। इसलिए मनमाना फीस बढ़ा रहे प्राइवेट स्कूलों पर कार्रवाई नहीं हो रही है। आतिशी ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार ने दावा किया था कि दिल्ली में इन प्राइवेट स्कूलों की मनमानी नहीं चलने देंगे। अध्यादेश लेकर आएंगे लेकिन जिस तरह से दिल्ली की ट्रिपल इंजन की सरकार ने अध्यादेश को दिल्ली वालों से छुपा कर रखा है, इससे साफ है कि भाजपा और इन प्राइवेट स्कूलों की मिलीभगत जरूर है।

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश, दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में रविवार रात से शुरू हुई झमाझम बारिश रुक-रुक कर सोमवार को भी जारी रही। दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े 8 बजे से लेकर सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे तक औसतन कुल 14 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एनसीआर के लिए सोमवार को ह्ययेलो अलर्टह्व जारी किया है और बताया है कि आने वाले छह दिनों तक राजधानी में हल्की वर्षा की संभावना है। दिल्ली के कई इलाकों में वर्षा के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। बीते 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी में भारत मंडपम के पास सबसे अधिक 23.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। लोधी रोड पर 17.3 मिलीमीटर, पालम में 16.2 मिलीमीटर और मयूर विहार में 10 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बारिश के चलते दिल्ली में तापमान में गिरावट आई है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राष्ट्रीय स्तर पर भी मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए वर्षा और तूफानी हवाओं का पूर्वानुमान जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ इलाकों में अत्यंत भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। बिहार, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और विदर्भ में भी भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पश्चिम मध्य प्रदेश में भी वर्षा की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, गंगा के मैदानी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला पश्चिम बंगाल, आंतरिक कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, ओडिशा, पश्चिम मध्य प्रदेश और पश्चिम राजस्थान में मध्यम बारिश के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में बिजली गिरने और गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है, जिससे उमस बढ़ सकती है। अगले 24 घंटों में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के आसपास के समुद्री इलाकों में भी मौसम खराब बना रहेगा। सोमालिया, ओमान और यमन तटों पर 45 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है, जो बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक जा सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली हाट अग्निकांड के प्रभावित शिल्पकारों को मिलेंगे पांच-पांच लाख रुपये

नई दिल्ली,। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा है कि 30 अप्रैल को दिल्ली हाट में लगी आग में जलकर खाक हुई 24 दुकानों के मालिकों को दिल्ली सरकार पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। मिश्रा ने कहा कि इसके अलावा सभी प्रभावित शिल्पकारों को आईएनए स्थित दिल्ली हाट में छह महीने के लिए एक जुलाई से 31 दिसंबर तक निःशुल्क स्टॉल आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लॉटरी प्रणाली के जरिए आवंटन किया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले ही प्रत्येक प्रभावित कारीगर के लिए पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सहायता के लिए स्वीकृति दे दी गई है और कुल 1.20 करोड़ रुपये की राहत राशि जल्द ही वितरित की जाएगी। मिश्रा ने कहा, ह्यह्लहमारी सरकार शिल्पकारों के हितों की रक्षा करने और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलएलएम, समकक्ष कानूनी पाठ्यक्रम ऑनलाइन, हाइब्रिड माध्यम से प्रदान करना

नई दिल्ली,। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने कहा है कि एलएलएम या समकक्ष कानूनी पाठ्यक्रम को उसकी मंजूरी के बिना ऑनलाइन या हाइब्रिड (ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों) माध्यम से प्रदान करना अनधिकृत एवं गैर-मान्यता प्राप्त है। बीसीआई ने दूरस्थ या हाइब्रिड माध्यम से ऑनलाइन पेश किए जाने वाले गैर-मान्यता प्राप्त मास्टर ऑफ लॉ (एलएलएम) पाठ्यक्रम के खिलाफ एक परामर्श जारी किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और कानूनी शिक्षा पर बीसीआई की स्थायी समिति के सह-अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राजेंद्र मेनन की ओर से तैयार किया गया यह परामर्श पत्र आवश्यक कार्रवाई के लिए 25 जून को सभी उच्च न्यायालयों को भेजा गया था। पत्र में कहा गया है, यह दोहराया जाता है

कि ऑनलाइन, दूरस्थ, मिश्रित या हाइब्रिड माध्यम से या एलएलएम (व्यावसायिक) और एमएससी (कानून) जैसे भ्रामक नामकरण के तहत बीसीआई की पूर्व मंजूरी के बिना पेश किया गया कोई भी एलएलएम या समकक्ष कानूनी पाठ्यक्रम अनधिकृत है और इसे किसी भी उद्देश्य के लिए मान्यता नहीं दी जाएगी।पत्र में कहा गया है, इन उद्देश्यों में रोजगार, अकादमिक नियुक्तियां, शोध पंजीकरण या न्यायिक सेवा और विभागीय पदोन्नति पात्रता शामिल है। ऐसी शैक्षणिक योग्यता शुरू से ही शून्य एवं अमान्य मानी जाएगी और उम्मीदवारों द्वारा इसका हवाला दिया जाना गलत बयानी समझा जाएगा।

पालतू जानवरों पर क्रूरता अनुचित

प्रात: किरण सुशील देव

इन दिनों समाज में पालतू जानवरों के प्रति बढ़ रही क्रूरता एक गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। जहां एक ओर कुछ लोग इन बेजुबानों को परिवार का हिस्सा मानकर प्रेम और सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, वहीं दूसरी ओर कई लोग उन्हें केवल फैशन, डर, अकेलापन या स्टेटस सिंबल के रूप में पालते हैं, और जब उनका मन भर जाता है तो इन्हीं जानवरों के साथ अमानवीय व्यवहार करने से भी नहीं चूकते। हाल ही में ग्रेटर नोएडा की एक दर्दनाक घटना ने इस मुद्दे को फिर से सुर्खियों में ला दिया। एक व्यक्ति ने अपने ही पालतू कुत्ते को 12वीं मंज़िल से नीचे फेंक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। खून से लथपथ यह दृश्य न केवल रोंगटे खड़े कर देने वाला था, बल्कि इसने समाज की उस मानसिकता पर सवाल खड़ा किया जो खुद को सभ्य कहती है लेकिन बेजुबानों पर अत्याचार करने से भी नहीं हिचकती। कोई भी पालतू जानवर खासकर कुत्ते, इंसान का सबसे वफादार साथी माने जाते हैं। वे अपने मालिक की सुख–दुख से लेकर सुरक्षा तक, हर स्तर पर साथ निभाते हैं। उनके पास शब्द नहीं होते, परंतु उनका प्रेम और समर्पण बेजोड़ होता है। ऐसे जीव पर हिंसा केवल संवेदनहीनता ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक विकृति का भी संकेत

है। ग्रेटर नोएडा की घटना ने आज साबित कर दिया है कि पालतू जानवरों के प्रति हिंसा कितनी खतरनाक होती जा रही है। यह भी सोचने वाली बात है कि कई बार लोग कुत्ते-बिल्ली को सिर्फ मनोरंजन, अकेलेपन का साथी या फैशन एक्सेसरी की तरह पालते हैं। शुरूआत में वे इन जानवरों की देखभाल में रुचि दिखाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे जिम्मेदारियां बढ़ती हैं या मन बदलता है, इन्हें बोझ समझा जाने लगता है। यह भावनात्मक विश्वासघात है, जो उन जानवरों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है और हिंसक व्यवहार को जन्म दे सकता है। दरअसल, जानवर भी अपने प्रति उपेक्षा बर्दाश्त नहीं कर पाते। कानूनी पहलुओं पर विचार करें तो भारत में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत किसी भी जानवर के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा या हिंसा अपराध है। भारतीय दंड संहिता की धारा 428 और 429 के तहत किसी पालतू जानवर को मारने या गंभीर रूप से घायल करने पर जुमार्ना और जेल दोनों का प्रावधान है। इसके बावजूद इन मामलों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। इन कानून के क्रियान्वयन में ढिलाई और लोगों में जागरूकता की कमी के कारण ऐसे अपराध आम होते जा रहे हैं। ग्रेटर नोएडा की घटना को लेकर सोशल मीडिया पर आवाज उठाना एक अच्छी शुरूआत है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए सरकार और समाज को मिलकर गंभीर कदम उठाने होंगे। गौरतलब है कि पालतू जानवर पालना केवल शौक नहीं, एक दीर्घकालिक जिम्मेदारी है। उन्हें खाना, देखभाल, समय, चिकित्सकीय सुविधा और भावनात्मक जुड़ाव की जरूरत होती है। जब तक हम इस जिम्मेदारी को समझने और निभाने को तैयार न हों, तब तक केवल नस्ल, कीमत या स्टेटस के आधार पर जानवरों को पालना नैतिक अपराध ही कहा जाएगा। समाज में जागरूकता की भी भारी कमी है। अक्सर देखा गया है कि लोग विदेशी नस्ल के कुत्ते लाकर उन्हें गर्म मौसम में खुले में छोड़ देते हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए घातक होता है। कुछ लोग आर्थिक तंगी के बावजूद पालतू जानवर पाल लेते हैं, जिससे उनके खानपान और चिकित्सा पर असर पड़ता है। पालतू जानवरों के लिए सबसे पहले हमारे भीतर सच्चा प्रेम और सेवा का संकल्प होना चाहिए।

पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि, भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। भाजपा के दिवंगत नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर सोमवार को भाजपा के कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। उनके पुत्र और मंत्री प्रवेश वर्मा ने हवन में आहुति देकर अपने पिता को याद किया। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ह्लडॉ. साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली में जो नींव अपने कार्यकाल के दौरान रखी थी, उस पर आज हमारी सरकार टिकी हुई है। उन्होंने कहा, आज डॉ. साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि है। आज उन्हें हर कोई याद कर रहा है। दिल्ली में हजारों कार्यकताओं ने उनके साथ काम किया और दिल्ली के विकास में अहम योगदान दिया। आज सभी कार्यकर्ता डॉ. साहिब सिंह वर्मा के कार्यों को याद कर रहे हैं। इसी वजह से आज इतनी बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने डॉ. साहिब सिंह वर्मा को अद्वितीय नेता बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने हर पद पर रहते हुए निष्ठापूर्वक काम किया, चाहे नेता हो या कार्यकर्ता। हर पद पर रहते हुए उनका एकमात्र मात्र लक्ष्य दिल्ली का विकास करना रहा और इस दिशा में उन्होंने सर्वोपरि योगदान दिया, जिसे आज भी दिल्ली की जनता याद करती है। दिल्ली की जनता आज भी इतने सालों के बाद इस बात को स्वीकार करती है कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली के विकास की नींव डाली है, जिस पर आज सरकार टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में साहिब सिंह वर्मा जैसे व्यक्तित्व बेहद ही कम मिलते हैं, जो हर पद पर रहते हुए अपनी तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। वहीं, दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली की जनता उनके विकास को याद कर रही है, उनके प्रशासन को याद कर रही है। भारतीय राजनीति में साहिब सिंह जैसे नेता बहुत कम ही देखने को मिलते हैं। उन्होंने राजनीति को एक नई दिशा दी थी। उनके जाने के इतने सालों के बाद लोग उन्हें याद करते हैं, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि लोग उनसे कितना प्यार करते थे। उनका समाज से कितना गहरा लगाव था। हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा, ह्लडॉ. साहिब सिंह वर्मा ने देश की राजनीति को मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया। उन्होंने एक गांव से चलकर दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में जिस प्रकार से यहां के स्वरूप को बदलने का प्रयास किया, वो प्रशंसनीय है। इसके अलावा, उन्होंने दिल्ली ग्रामीण के लोगों को यह एहसास दिलाया कि यहां की सरकार उनकी सरकार है। उन्होंने यहां के लोगों को आत्मविश्वास से भरा। उन्होंने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने कई बड़े पदों पर काम किया। जब उन्हें भारत के श्रम मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली, तो उन्होंने दिल्ली की अनाधिकृत कॉलोनी को जोड़ने का काम किया। साहिब सिंह वर्मा के नेतृत्व में काम कर चुके सभी कार्यकर्ता आज की तारीख में कई बड़े पदों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने हमेशा ही गरीब, किसान और मजदूरों की बात की।

अदालत ने जेएनयू के छात्र नजीब अहमद की गुमशुदगी मामले को बंद करने की सीबीआई को अनुमति दी

नई दिल्ली,। दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रथम वर्ष के छात्र नजीब अहमद की गुमशुदगी मामले को बंद करने की सोमवार को अनुमति दे दी। वह 15 अक्टूबर 2016 को लापता हो गया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योति माहेश्वरी ने एजेंसी की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, तथा इस प्रकरण में कोई साक्ष्य सामने आने पर मामले को पुनः खोलने की स्वतंत्रता भी प्रदान की। सीबीआई ने अक्टूबर 2018 में मामले की जांच बंद कर दी थी, क्योंकि जेएनयू में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के छात्र अहमद का पता लगाने में एजेंसी को कोई कामयाबी नहीं मिली। दिल्ली उच्च न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद एजेंसी ने मामले में अदालत के समक्ष अपनी क्लोजर रिपोर्ट दायर की। अहमद कथित तौर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े कुछ छात्रों के साथ हुई झड़प के एक दिन बाद 15 अक्टूबर 2016 को जेएनयू के माही-मांडवी छात्रावास से लापता हो गया था। अहमद की मां फातिमा नफीस के वकील ने पहले कहा था कि यह एक ह्यराजनीतिक मामला है, जिसमें ह्यसीबीआई अपने आकाओं के दबाव के आगे झुक गई है। इस मामले की जांच शुरू में दिल्ली पुलिस ने की थी, लेकिन बाद में इसे सीबीआई को सौंप दिया गया था।

दिल्ली सिंचाई विभाग में 4.6 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अभियंता एवं ठेकेदार गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण (आईएंडएफसी) विभाग में 4.6 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के आरोप में एक निलंबित कार्यकारी अभियंता और एक निजी ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दोनों आरोपियों ने धोखाधड़ी करते हुए कथित तौर पर ऐसे निर्माण कार्यों के लिए 4.6 करोड़ रुपये से अधिक के भुगतान करवाये जो कभी हुए ही नहीं। ये अनियमितताएं उत्तरी दिल्ली के सिरसपुर गांव में जल निकासी और सड़क परियोजनाओं से संबंधित हैं। इन जल निकासी एवं सड़क परियोजनाओं का काम केवल कागजों पर हुआ। अधिकारी ने कहा, गिरफ्तार किये गये लोगों में आईएंडएफसी विभाग के एक निलंबित कार्यकारी अभियंता और एक निजी ठेकेदार शामिल हैं। उनकी गिरफ्तारी फर्जी परियोजनाओं और प्रक्रियागत उल्लंघनों से सरकारी धनराशि के गबन की विस्तृत जांच के बाद की गयी। यह मामला एक आंतरिक जांच के दौरान सामने आया। जांच के दौरान पता चला कि कार्यों के मौके पर सत्यापन किये बिना कुछ ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया। निष्कर्षों के बाद कदम उठाते हुए एसीबी ने व्यापक जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सिरसपुर गांव में सीमेंट कंक्रीट वाली नालियों और सड़कों के निर्माण के लिए 4.6 करोड़ रुपये से अधिक की सार्वजनिक धनराशि जारी की गई थी। हालांकि, जमीनी निरीक्षण और तकनीकी सत्यापन में प्रस्तावित निर्माण कार्यों का कोई नामो-निशान नहीं मिला। जांच में पता चला कि ठेकेदार द्वारा 2.24 करोड़ रुपये की फर्जी प्रदर्शन बैंक गारंटी प्रस्तुत की गई थी और विभाग द्वारा बिना उचित जांच के उसे स्वीकार कर लिया गया था। एसीबी अधिकारी ने कहा, फर्जी प्रदर्शन गारंटी स्वीकार करना खरीद मानदंडों का गंभीर उल्लंघन है। यह संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत और घोर लापरवाही का स्पष्ट संकेत है। जांच में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की कार्य नियमावली, सामान्य वित्तीय नियम-2005 और केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का भी कई बार उल्लंघन पाया गया। दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया और उन पर भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

साहिब सिंह वर्मा पुण्यतिथि: सीएम रेखा गुप्ता बोलीं, वंचित तबकों की आवाज थे वो

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को भाजपा के दिवंगत नेता और पूर्व सीएम डॉ साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। सीएम रेखा ने कहा कि डॉ साहिब सिंह वर्मा समाज के वंचित तबकों की आवाज थे। उन्होंने कहा, दिल्ली की राजनीति में श्रमिकों, किसानों और वंचित समाज की प्रखर आवाज रहे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. साहिब सिंह वर्मा जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक नमन।ह्व उन्होंने कहा, ह्लसेवा और सिद्धांत उनका संकल्प था। दिल्ली देहात से संसद तक उनका जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, सादगी और सतत संघर्ष का प्रतीक रहा। उनकी राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का तपस्वी जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदा प्रेरणा देता रहेगा। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्व सीएम डॉ. साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें सरल व्यक्तित्व

का धनी बताते हुए कहा, आज दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साहिब सिंह वर्मा जी सरल व्यक्तित्व के धनी थे। उनके विचार हम सभी कार्यकताओं को प्रेरणा देते रहेंगे। दिल्ली विधानसभा के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पूर्व सीएम डॉ. साहिब सिंह वर्मा को प्रेरणास्त्रोत बताते हुए कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री, लोकप्रिय जननेता साहिब सिंह वर्मा जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन। उनका जनसेवा, सादगी और सिद्धांतों से भरा जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने पूर्व सीएम डॉ. साहिब सिंह वर्मा को याद करते हुए कहा कि किसान नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय डॉ. साहिब सिंह वर्मा जी की पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और दिल्ली देहात की बुलंद आवाज डॉ. साहिब सिंह वर्मा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में जाकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि साहिब सिंह जी का जीवन जनसेवा व ग्रामीण विकास के लिए पूरी तरह समर्पित रहा है।

दिल्ली के रानी बाग में झपटमारी और वाहन चोरी के आरोप में दंपति गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस ने बाहरी दिल्ली के रानी बाग इलाके में झपटमारी और वाहन चोरी की कई घटनाओं में कथित रूप से शामिल एक दंपति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार दंपति की पहचान राहुल उर्फ मोटा (30) और उसकी पत्नी के रूप में हुई है, जो पहले दोपहिया वाहन चुराते थे, उनका इस्तेमाल झपटमारी एवं डकैती की वारदातों को अंजाम देने के लिए करते थे और फिर कानून प्रवर्तन एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए उन्हें (वाहनों को) लावारिस छोड़ देते थे। पुलिस उपायुक्त (बाहरी) सचिन शर्मा ने कहा, 25 जून को एक महिला ने पुलिस से शिकायत की कि जब वह ऋषि नगर के पास एक एरोबिक्स सेंटर जा रही थी, तब स्कूटर पर सवार एक पुरुष और एक महिला उसके पास आए। गुलाबी सूट पहने और पीछे बैठी महिला ने उसकी सोने की चेन छीन ली और पुरुष स्कूटर को तेजी से भगा ले गया। शर्मा के मुताबिक, रानी बाग पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जांचकताओं ने घटनास्थल और उसके आसपास तथा भागने के संभावित रास्तों पर लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। शर्मा ने कहा, सीसीटीवी फुटेज में दिखा एक स्कूटर महिला के बताए वाहन के विवरण से मेल खाता था। जब हमने वाहन के पंजीकरण नंबर का पता लगाया, तो पता चला कि इसे निहाल विहार से चुराया गया था। उसी दिन (वाहन की) चोरी का मामला दर्ज कराया गया था। शर्मा के अनुसार, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के जरिये संदिग्धों की का लोकेशन का पता लगाया, जिसके बाद वे नांगलोई पहुंचे। उन्होंने बताया कि एक स्थानीय मुखबिर ने संदिग्धों की पहचान सुल्तानपुरी के रहने वाले राहुल उर्फ मोटा और एक महिला के रूप में की। शर्मा ने बताया कि पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि दोनों उत्तम नगर के हस्तसाल में छिपे हुए हैं। उन्होंने बताया कि छापेमारी के बाद आरोपियों को पकड़ लिया गया।

...continued from previous page.

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications received	% to total	Total No. of Equity Shares applied in this Category	% to total	No. of Equity Shares allocated/ allotted per Applicant	Ratio	Total Number of shares allotted
1,05,600	1	100.00	1,05,600	100.00	1,05,600	1:1	1,05,600
TOTAL	**1**	**100.00**	**1,05,600**	**100.00**	**1,05,600**	**-**	**1,05,600**

The Board of Directors of the Company at its meeting held on June 27, 2025 has approved the Basis of Allocation of Equity Shares as approved by the Designated Stock Exchange viz. BSE Limited and has authorized the corporate action for Issue of the Equity Shares to various successful applicants. The CAN-cum-allotment advices and/or notices shall be forwarded to the email ID's and address of the Applicants as registered with the depositories / as filled in the application form on or before June 27, 2025. Further, the instructions to Self-Certified Syndicate Banks for unblocking the amount shall be processed on or prior to June 30, 2025. In case the same is not received within ten days, investors may contact at the address given below. The Equity Shares allocated to successful applicants are being credited to their beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company is taking steps to get the Equity Shares admitted for trading on the SME Platform of BSE Limited within Three working days from the date of the closure of the Issue.

Note: All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meanings assigned to them in the Prospectus dated June 27, 2025 ("Prospectus") filed with Registrar of Companies, NCT of Delhi & Haryana.

INVESTORS, PLEASE NOTE

The details of the allotment made would also be hosted on the website of the Registrar to the Issue, Maashitla Securities Private Limited at www.maashitla.com . All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Issue quoting full name of the First/ Sole applicants, serial number of the Bid cum Application Form, number of shares applied for and Bank Branch where the application had been lodged and payment details at the address of the Registrar given below:

REGISTRAR TO THE ISSUE

Maashitla®
Creating Successful People

MAASHITLA SECURITIES PRIVATE LIMITED
451, Krishna Apra Business Square, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034, India.
Telephone: 011-4781432
E-mail: ipo@maashitla.com
Investor Grievance E-mail: investor.ipo@maashitla.com
Website: www.maashitla.com
Contact Person: Mr. Mukul Agrawal
SEBI Registration No.: INR000004370

For **Icon Facilitators Limited**
Sd/-
Dinesh Makhija
Managing Director

Date: June 30, 2025
Place: New Delhi

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF ICON FACILITATORS LIMITED.

Icon Facilitators Limited is proposing, subject to market conditions, public Issue of its equity shares and has filed the Prospectus dated June 27, 2025 with the Registrar of Companies, NCT of Delhi & Haryana. The Prospectus is available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, the website of the Book Running Lead Manager at www.khambattasecurities.com, website of the BSE at www.bseindia.com and website of our Company at www.iconf.in. Investors should note that investment in Equity Shares involves a high degree of risk. For details, investors shall refer to and rely on the Prospectus including the section titled *"Risk Factors"* beginning on page 27 of the Prospectus, which has been filed with ROC. The Equity Shares have not been and will not be registered under the US Securities Act (the *"Securities Act"*) or any state securities law in United States and may not be Issued or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, *"U.S. persons"* (as defined in the Regulation S under the Securities Act), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to the registration requirements of the Securities Act of 1933

FORTUNA + SHARK

पीएम मोदी को पूर्वांचल समाज के लोगों का अपमान करने के लिए मनजिंदर सिंह सिरसा का इस्तीफा ले लेना चाहिए: सारिका चौधरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, बीजेपी सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा द्वारा दिल्ली की झुग्गियों में रह रहे पूर्वांचल के लोगों को बांग्लादेशी-रोहिंग्या कहने के विरोध में सोमवार को आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल विंग ने सड़क पर उतर गई। ह्यआपह्न के नेताओं ने राजौरी गार्डन स्थित विधायक कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन कहा कि मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा पूर्वांचलियों को रोहिंग्या-बांग्लादेशी कह कर अपमानित करना बंद करें और पूर्वांचल समाज के लोगों का अपमान करने के लिए सार्वजनिक माफी मांगें। घर-रोजगार बचाओ आंदोलन की कड़ी में हुए इस प्रदर्शन के दौरान विधायक संजीव झा, पूर्व विधायक ऋतुराज झा, अखिलेशपति त्रिपाठी व विनय मिश्रा और दिल्ली महिला विंग की अध्यक्ष सारिका चौधरी समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इस बाबत ह्यआपह्न के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा द्वारा दिल्ली के झुग्गी झोपड़ी के पूर्वांचलवासियों को बांग्लादेशी/रोहिंग्या कहकर दिल्ली से बाहर भगाने व झुग्गी बस्तियों को तोड़ने के बीजेपी सरकार के फैसले को जायज बताकर अपमानित किया है। इस अपमान के खिलाफ सभी पूर्वांचल के लोगों में भारी आक्रोश है। पूर्वांचल के सम्मान को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी हमेशा उनके साथ खड़ी है। प्रदर्शन के दौरान आप विधायक संजीव झा ने कहा कि भाजपा पूरी दिल्ली में झुग्गियों को तोड़ रही है और उन झुग्गियों में बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग बहुतायत में रहते हैं। रविवार को जंतर-मंतर पर झुग्गीवासी इकट्ठा थे। बीजेपी सरकार इनकी झुग्गियां तोड़ रही हैं। संजीव झा ने कहा कि मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आंदोलन में मौजूद लोगों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी बताया। संजीव झा ने कहा कि वे यही झुग्गीवासी हैं, जहां मनजिंदर सिंह सिरसा और भाजपा के नेता रात्रि प्रवास करते थे, उनके साथ खाना खाते थे और कहते थे कि तुम मेरे

माई-बाप हो, मुझे वोट दो, मैं तुम्हारी झुग्गी पक्की कर दूंगा। संजीव झा ने कहा कि भाजपा नेताओं ने वादा किया था कि वे 2,500 रुपये देंगे, बिजली देंगे। जिन्हें बीजेपी नेता माई-बाप कहते थे, उन्हें अब रोहिंग्या और बांग्लादेशी कह रहे हैं। इनको शर्म नहीं आती? बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग अपने स्वाभिमान और अस्मिता से समझौता नहीं करेंगे। मैं झुग्गियों और कॉलोनियों में रहने वाले भाजपा के उन कार्यकर्ताओं से पूछता हूं, जिनकी झुग्गियां भी तोड़ी जा रही हैं कि क्या वे भी रोहिंग्या या बांग्लादेशी हैं? अगर ये शब्द गाली जैसे लगते हैं, तो क्या वे अपने स्वाभिमान की लड़ाई नहीं लड़ेंगे? यह लड़ाई पूर्वांचल के स्वाभिमान और अस्मिता की है, बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के सम्मान का सवाल है। या तो मनजिंदर सिंह सिरसा माफी मांगें या भाजपा इस बदजुबान और बदतमीज नेता का इस्तीफा ले। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो जहां-जहां मनजिंदर सिंह सिरसा जाएंगे, बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग उनका विरोध करेंगे। आप के दिल्ली प्रदेश पूर्वांचल विंग के अध्यक्ष अखिलेश पति त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा की सरकार पूर्वांचल के लोगों की झुग्गियां तोड़ रही है और उनके कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा झुग्गी में रहने वाले पूर्वांचल के लोगों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी कह रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों का अपमान है। देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। मनजिंदर सिंह सिरसा को पूर्वांचल के लोगों से माफी मांगनी होगी, वरना जहां-जहां वे जाएंगे, उनका बहिष्कार किया जाएगा और काले झंडे दिखाए जाएंगे। वहीं, पूर्व विधायक ऋतुराज झा ने कहा कि मनजिंदर सिंह सिरसा और पूरी भाजपा पूर्वांचल के लोगों से नफरत करती है और यह उनके बयानों से साबित होता है। मनजिंदर सिरसा ने यह भी कहा था कि जिनकी झुग्गियां तोड़ी जा रही हैं, वे मुसलमान और बांग्लादेशी हैं। दिल्ली में 50 से 60 लाख पूर्वांचलवासी झुग्गियों और कच्ची कॉलोनियों में रहते हैं और भाजपा ने इन सभी का अपमान किया है। मनजिंदर सिंह सिरसा पूर्वांचल के लोगों से माफी मांगें। अगर सिरसा माफी नहीं मांगते, तो पूर्वांचल के लोग खड़े हो जाएंगे और उन्हें बिहार तथा उत्तर प्रदेश से उखाड़ फेंकेंगे। पूर्व विधायक विनय मिश्रा ने कहा कि मनजिंदर सिंह सिरसा चुनाव के समय झुग्गियों में प्रवास कर रहे थे। झुग्गियों में राखी बंधवा रहे थे। महिलाओं को पैसा दे रहे थे और चुनाव जीतने के बाद इन्हीं झुग्गी वालों से इनको नफरत हो गई? ये लोग 40 साल से भी ज्यादा समय से यहां रह रहे हैं और इनको रोहिंग्या और बांग्लादेशी कह रहे हैं। दिल्ली के विकास की एक-एक ईंट यूपी-बिहार के लोगों की मेहनत, खून पसीना लगा है। उन्हीं से भाजपा को नफरत हो गई है। पूर्वांचल से भाजपा की नफरत उनके डीएनए में है। सिर्फ सिरसा नहीं, बीजेपी के बड़े-बड़े नेताओं ने हमेशा पूर्वांचलियों का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं का दोहरा चरित्र है। जब भी चुनाव आता है तो ये पूर्वांचलियों से प्यार दिखाते हैं। बिहार दिवस मनाते हैं

जिम्मेदारी से ड्यूटी करने वाले बिजली कर्मी किए सम्मानित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। अपने काम के प्रति समर्पित रहकर जिम्मेदारी से ड्यूटी करने वाले दाउद सराय बिजलीघर पर तैनात लाइनमैन रामवीर सिंह, मोहम्मद आलम और राजेश कुमार को समाजसेवी व हाशमी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डा. सिराज उद्दीन हाशमी एडवोकेट और सभासद फहीम शाहनवाज ने शील्ड देकर सम्मानित किया। इस मौके पर समाजसेवी ने कहा कि दिनरात तत्परता से ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों से विभाग के दूसरे कर्मचारियों को भी सबक लेना चाहिए। सभासद फहीम शाहनवाज ने कहा कि कर्मचारी आम उपभोक्ताओं की समस्या पर तुरंत आकर समाधान करते हैं। ताकि लोगों के घर रौशन रहें। गर्मी, सर्दी में उन्हें परेशानी का सामना न करना पड़े। इस पर कर्मचारियों ने सभी का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान इदरीस अहमद, खलीक उज जुमा, मौलाना अमजद अब्दुल मलिक, शमशु अंसारी आदि मौजूद रहे।

आठवीं मंजिल से गिरकर एसी मकैनिक की मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। नेताजी सुभाष प्लेस स्थित बहुमंजिला टावर की आठवीं मंजिल से गिरकर एसी मकैनिक की मौत हो गई। यह घटना रविवार दोपहर की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपकर लापरवाही से मौत की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। अग्रवाल साइबर प्लाजा की आठवीं मंजिल पर स्थित ऑफिस का एसी ठीक से काम नहीं कर रहा था। इसके बाद जगदीश नाम के शख्स को एसी ठीक कराने का ठेका दिया था। जगदीश ने वजीराबाद निवासी 34 वर्षीय रामसेवक को एसी ठीक करने के लिए बुलाया था। बताया जाता है कि दोपहर में रामसेवक ऑफिस के पिछले हिस्से में काम कर रहा था। इसी दौरान पैर फिसल गया और नीचे गिर गया। वहां मौजूद लोगों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

चोरी हुआ मोबाइल आरोपित की जेब से बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। मध्य जिले के थाना जामा मस्जिद पुलिस ने रविवार को एक जेबकतरे को रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपित की पहचान चावड़ी बाजार निवासी मोनिश उर्फ सलमान के रूप में हुई है, जो पहले भी चोरी, स्नैचिंग और अवैध हथियार रखने जैसे मामलों में शामिल रह चुका है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वल्सन ने बताया कि घटना रविवार को जामा मस्जिद के पास लगने वाले साप्ताहिक बाजार की है। जहां राजस्थान से आए एक युवक का मोबाइल फोन किसी ने जेब से उड़ा लिया। युवक ने तुरंत पुलिस गश्ती दल को सूचित किया। पुलिस टीम ने इलाके को घेर कर तलाशी अभियान चलाया और कुछ ही देर में संदेह के आधार पर एक युवक को पकड़ा। जांच में पाया गया कि उसके पास से वही मोबाइल फोन मिला, जिसकी शिकायत पीड़ित ने की थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि आरोपित मोनिश के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में कुल 12 मामले दर्ज हैं। जिनमें थाना चांदनी महल, कश्मीरी गेट, दरियागंज, हौज काजी और कोतवाली शामिल हैं। उस पर चोरी, झपटमारी और हथियार रखने जैसे संगीन आरोप भी हैं। पुलिस ने बताया कि इस गिरफ्तारी से तीन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। आरोपित को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मातमी जुलूस से ताजा हुआ करबला की शहादत का गम

अजाखाना हुरमत शाह से बरामद जुलूस में गूंजी या हुसैन की सदाएं

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा।शौहदा-ए-करबला की याद में चार मुहर्रम का मातमी जुलूस अंजुमन-ए-तहफ्फुजे अजादारी की तदर्थ कमेटी के तत्वावधान में नगर के मोहल्ला मछरट्टा स्थित अजाखाना हुरमत शाह से बरामद हुआ। फिजा में देर शाम तक या हुसैन या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। जिससे करबला की शहादत का गम ताजा हो गया। मातमी जुलूस में सबसे आगे ऊंट चल रहे थे। जिन पर सवार मासूम बच्चों ने काले कपड़े पहने हुए थे। जो, लब्बैक या हुसैन की सदा बुलंद कर रहे थे। इसके पीछे आराईश चल रही थी। रौशन चौकी में मातमी धुन बजाई जा रही थी। इसके पीछे हुसैनी बाजा, अलम, तख्त व दुलदुल थे। जो, करबला की जंग के तमाम मंजरों की याद दिला रहे थे। आशिकाने हुसैन नंगे पैर, नंगे सिर शहीदे कर्बला हुसैन का नारा लगाते हुए चल रहे थे। जुलूस की शुरूआत में तबारक अली व उनके हमनवा ने मर्सिया पढ़ा। जुलूस में दुलदुल घोड़ा जिस पर पड़ी चादर को अजादार चूमते हैं, अकीदत में उसे अपने घर ले जाते हैं। इस पर चांदी के जेवर होते हैं। पुरानी रिवायत के मुताबिक जुलूस मंडी चौब, दरबारे कलां, कटकुई, लकड़ा, हक्कानी, पचदरा, काजीजादा, मजापोता, कोट, दानिशमंदान, बगला, शफात पोता होते हुआ कटरा, गुजरी से होकर दोबारा मच्छरट्टा पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस में जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा जुलूस अजा के लिए नामित अंजुमन तहफ्फुजे अजादारी की तदर्थ समिति के सदस्य लियाकत अली, ज़िया एजाज, बाकर रजा नकवी, नदीम नकवी, शेजाद रजा, कासिम जैदी आदि मौजूद थे। जुलूस का संचालन अंजुमन रजाकाराने हुसैनी ने किया। रजाकारान काईद गुलाम सज्जाद, जनरल सेक्रेटरी खुर्शीद हैदर जैदी, इमदाद आब्दी, डॉ. चन्दन नकवी, वसीम जैदी, मोहम्मद हैदर,मौ तकी, गालिब हुसैनी, दायम रजा,कमर रजा, हुसैन हैदर, शाने मेहदी,मौ तकी आदि ने किया।उधर, शहर के अजाखानों में मजलिसों का भी सिलसिला चला।

आज अजाखाना रफाती से बरामद होगा जुलूस

अमरोहा। रजाकराने हुसैनी के काईद गुलाम सज्जाद व जनरल सेक्रेटरी खुर्शीद हैदर जैदी ने बताया पांच मुहर्रम का जुलूस मोहल्ला सद्दो स्थित अजाखाना रफाती से बरामद होगा। जिसकी तमाम तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं। यह जुलूस अपने रिवायती रास्तों से गश्त करता हुआ वापस आएगा। यह अजाखाना इश्के हुसैन में रफाती नामक सक्के ने बनवाया था। तभी से इस अजाखाने से अजादारी का सिलसिला हस्बे दस्तूर चलता आ रहा है।

डीएसईयू में कल कुलपति से सवाल पूछ सकेंगे छात्र

पत्नी की हत्या के दोषी पति को उम्रकैद और 50 हजार का जुमार्ना

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। साकेत जिला अदालत ने अपनी पत्नी की हत्या के दोषी एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार की अदालत ने यह फैसला साल 2013 में हुई हत्या के मामले में सुनाया, जिसमें आरोपी सतेंद्र पाल सिंह को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी करार दिया गया था। मृतका की पहचान 35 वर्षीय विमलेश के रूप में हुई थी। उसकी मौत सात जून, 2013 को हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने अपनी पत्नी का गला दुपट्टे से घोंटकर उसकी हत्या की थी। अदालत ने फैसले में आरोपी के इस दावे को खारिज कर दिया कि उसकी पत्नी ने मानसिक बीमारी के कारण आत्महत्या कर ली थी। अदालत ने कहा कि घटनास्थल पर टूटे हुए चूड़ियों के टुकड़े और शरीर पर चोट के निशान यह दशार्ते हैं कि मृतका ने बचने के लिए काफी संघर्ष किया था। मृतका की तस्वीरों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि गले पर पड़ा दुपट्टे का निशान आत्महत्या जैसा नहीं बल्कि गला दबाकर की गई हत्या जैसा था।

डीएसईयू में कल कुलपति से सवाल पूछ सकेंगे छात्र

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डीएसईयू) अम्बेडकर कैंपस में 2 जुलाई 2025 को दोपहर 12 बजे एक विशेष इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करेगा। इसमें छात्र सीधे कुलपति से डीएसईयू में प्रवेश से जुड़े सवाल पूछ सकेंगे। डिप्लोमा, स्नातक, परास्नातक और बी.टेक प्रोग्रामों में दाखिले की अंतिम तारीख 7 जुलाई 2025 तक बढ़ा दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी दिए गए लिंक ँ३३स्र२:// ’ल्ल‘ि.ल्ल/ॅअ‘२ँल९ पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने छात्रों से समय पर आवेदन करने की अपील की है।

डीडीए आवास योजना के कई फ्लैट नागरिकों ने खरीदे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की अपना घर आवास योजना की बुकिंग प्रक्रिया जारी है। बीते एक महीने के दौरान विभिन्न श्रेणी के कुल 7500 फ्लैट में से लगभग एक हजार फ्लैट को लोगों ने बुक कराया। अधिकारियों के अनुसार, अब तक लगभग 900 लोगों ने विभिन्न श्रेणी के फ्लैटों को खरीद लिया है। इसमें नरेला में ईडब्ल्यूएस और एलआईजी के साथ एमआईजी फ्लैट भी शामिल हैं। इसके अलावा लोकनायकपुरम में एलआईजी और एमआईजी फ्लैटों में भी लोगों की दिलचस्पी नजर आ रही है। सिरसपुर में भी एलआईजी फ्लैटों को बुक कर खरीदा जा रहा है।

पन्द्रह दिवसीय साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय कार्यशाला-2025 का समापन

साइबर योद्धा साइबर अपराधों की रोकथाम में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वहन करेंगे: पुलिस अधीक्षक

- आम जनमानस को भी साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता में आएगी तेजी : डा. राजीव त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में पिछले दो सप्ताह से चली आ रही साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय कार्यशाला -2025 का शानदार समापन हो गया। इस पन्द्रह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में देश के 26 राज्यों के 550 से अधिक प्रतिभागियों को दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, गुरुग्राम, भोपाल से आये दो दर्जन से अधिक विख्यात साइबर एक्सपर्ट ने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों से निपटने के गुर सिखायें। समापन पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द जी ने प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी के साथ मिलकर सभी प्रतिभागियों एवं साइबर एक्सपर्ट को स्मृति चिन्ह एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में पिछले दो सप्ताह से चली आ रही साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय कार्यशाला-2025 के समापन समारोह का शुभारम्भ आईपीएस अमित कुमार आनन्द पुलिस अधीक्षक, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो.(डा.) कृष्ण कान्त दवे, कार्यक्रम मुख्य कोआर्डिनेटर पुलिस उपाधीक्षक अंजलि कटारिया, डा. मधु चतुर्वेदी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि एस.पी. अमित कुमार आनन्द ने कहा कि देश एवं पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों के मकड़जाल को तोड़ने के लिए पुलिस बल के साथ-साथ देश के प्रबुद्ध नागरिक, होनहार -जागरूक स्टूडेंट्स, स्वयंसेवी संस्थाओं को भी एक साथ मिलकर काम करना होगा, ताकि इन साइबर अपराधियों के हौसलें एवं नेटवर्क को तोड़ा जा सके। इसी उद्देश्य के साथ इस राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन बेहद सफल रहा जिसमें पुलिस के साथ-साथ श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय का बेहद प्रभावी योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. (डा.) पीयूष पाण्डेय, डीन एकेडेमिक डा. राजेश सिंह, पी. आर.ओ. डा. श्री राम गुप्ता, डा. सुमन कश्यप, साइबर एक्सपर्ट भानु शर्मा, डा. विकास पाण्डेय, डा. स्नेहलता गोस्वामी, दीक्षा, डा. अमित कुमार, नागेन्द्र सिंह, कैमरामैन प्रितपाल एवं मेरठ परिसर से डा. प्रताप और मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहें।

बीते 4 महीने तक केजरीवाल झुग्गीवासियों पर साधे रहे चुप्पी : कांग्रेस

नई दिल्ली,। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के झुग्गी वालों के साथ खड़े होने के दावे पर करारा हमला बोला है। यादव ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के सत्ता में रहते हुए 11 साल से अधिक समय तक झुग्गीवासियों की दुर्दशा और बदहाली की गई, जिस पर दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल कर दिया, तब केजरीवाल चार महीनों तक दिल्ली को बेसहारा छोड़ पंजाब चले गए। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा हजारों झुग्गियों को ध्वस्त करने के बाद अचानक केजरीवाल झुग्गी वालों के प्रति सहानूभूति प्रकट करके गरीब लोगों की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। यादव ने कहा कि जब रेखा गुप्ता सरकार ने भाजपा की बी टीम आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर झुग्गी झोपड़ी बस्तियों पर बुलडोजर चलाकर उजाड़ना शुरू किया, तब केजरीवाल ने जानबूझकर चुप्पी साधे रखी। जबकि मीडिया के सामने बड़े-बड़े दावे किए और दिल्ली कांग्रेस द्वारा पूछे गए 10 सवालों का जवाब देने से वह भाग रहे हैं। प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि केजरीवाल ने न तो 2015 में राजीव रत्न आवास योजना के तहतनिर्मित किए गए 45000 फ्लैट्स के आवंटन की परवाह की और न ही उनकी सरकार ने गरीबों के लिए एक भी फ्लैट का निर्माण किया। यादव ने कहा कि जब रेखा गुप्ता सरकार ने भाजपा की बी टीम आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर झुग्गी झोपड़ी बस्तियों पर बुलडोजर चलाकर उजाड़ना शुरू किया, तब केजरीवाल ने जानबूझकर चुप्पी साधे रखी। जबकि मीडिया के सामने बड़े-बड़े दावे किए और दिल्ली कांग्रेस द्वारा पूछे गए 10 सवालों का जवाब देने से वह भाग रहे हैं। प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि केजरीवाल ने न तो 2015 में राजीव रत्न आवास योजना के तहतनिर्मित किए गए 45000 फ्लैट्स के आवंटन की परवाह की और न ही उनकी सरकार ने गरीबों के लिए एक भी फ्लैट का निर्माण किया।

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित पकड़ा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगोलपुरी थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित बदमाश को गिरफ्तार किया। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी अर्जुन उर्फ गंदा सुल्तानपुरी का रहने वाला है। वह पिछले तीन महीने से फरार चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, 14 मार्च, 2025 को शिकायतकर्ता जगदीश सिंह अपने परिवार के सदस्यों के साथ गली में होली खेल रहे थे। इस बीच आरोपी अर्जुन अपने साथियों साहिल और वरुण के साथ उनके घर आया और ईंटों-पत्थरों से हमला कर दिया। पीड़ित के पिता पर भी चाकू से वार किया गया। हमला करने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए और तभी से आरोपी अर्जुन उर्फ गंदा गिरफ्तार नहीं किया जा सका था। इस बीच पुलिस को आरोपी अर्जुन उर्फ गंदा के बारे में यह जानकारी मिली कि वह अपनी मां से मिलने के लिए सुल्लानपुरी के ए ब्लॉक स्थित अपने घर आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे धर दबोचा।

शाहदरा बार एसोसिएशन आज से हड़ताल पर

नई दिल्ली,। एनआई एक्ट से जुड़ी डिजिटल अदालतों को राउज एवेन्यू कोर्ट परिसर में स्थानांतरित किए जाने के विरोध में शाहदरा बार एसोसिएशन (एसबीए) ने विरोध जताते हुए हड़ताल की घोषणा की है। एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि एक जुलाई से कड़कड़डूमा अदालत में अधिवक्ता पूरी तरह से काम से दूरी बनाए रखेंगे। बार एसोसिएशन ने सभी अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे न तो किसी अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश हों और न ही वर्चुअल माध्यम से कार्य करें। साथ ही, चेतावनी दी गई है कि यदि कोई वकील कोर्ट में उपस्थित पाया गया तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले 28 जून को एसोसिएशन की कार्यकारिणी की एक आपात बैठक आयोजित हुई थी। इसमें डिजिटल कोर्ट और एनआई एक्ट से संबंधित मामलों के स्थानांतरण के फैसले पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निष्कर्ष निकाला गया कि इस बदलाव से न केवल अधिवक्ताओं को बल्कि मुवक्किलों को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली हाट आईएनए अग्निकांड में प्रभावित शिल्पकारों के लिए पांच-पांच लाख रुपये की राहत की घोषणा

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली सरकार ने आज दिल्ली हाट आईएनए अग्निकांड में प्रभावित शिल्पकारों के लिए पांच-पांच लाख रुपये की राहत की घोषणा की है। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि 30 अप्रैल की देर शाम दिल्ली हाट आईएनए में आग लगने की घटना में 24 स्टॉल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा प्रत्येक प्रभावित शिल्पकार को पांच-पांच लाख रुपये की राहत राशि देने की घोषणा की गई है। कपिल मिश्रा ने बताया कि पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राहत राशि को मंजूरी दी जा चुकी है और कुल 1 करोड़ 20 लाख रुपये की राशि 24 प्रभावित शिल्पकारों को प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त कपिल मिश्रा ने और सहायता की घोषणा करते हुए बताया कि आग की घटना में जिन 24 शिल्पकारों के स्टॉल नष्ट हुए हैं, उन्हें 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक की अवधि के लिए दिल्ली हाट आईएनए में छह महीने के लिए निःशुल्क स्टॉल आवंटित किए जाएंगे। यह आवंटन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि हमारी सरकार शिल्पकारों के हितों की रक्षा और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली हाई कोर्ट से गैंगसटर नीरज बवाना को मिली एक दिन की कस्टडी बेल, पुलिस निगरानी में पत्नी से मिलने की इजाजत

नई दिल्ली,। चर्चित गैंग्सटर नीरज बवाना को दिल्ली हाई कोर्ट से एक दिन की कस्टडी बेल मिली है। नीरज बवाना ने अपनी बीमार पत्नी की देखभाल के लिए अदालत से अंतरिम जमानत की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने आदेश दिया कि नीरज बवाना को सुरक्षा के साथ एक जुलाई को कस्टडी बेल पर छोड़ा जाएगा, ताकि वह अपनी पत्नी की देखभाल कर सके। कोर्ट ने यह भी साफ निर्देश दिए हैं कि कस्टडी बेल के दौरान नीरज बवाना सिर्फ अपनी पत्नी और डॉक्टर से ही मिल सकेगा, किसी अन्य व्यक्ति से मिलने की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस की निगरानी में ही उसे घर ले जाया जाएगा और वापस जेल लाया जाएगा। इससे पहले जनवरी 2025 में हाई कोर्ट ने नीरज बवाना की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस की निगरानी में ही उसे घर ले जाया जाएगा और वापस जेल लाया जाएगा। इससे पहले जनवरी 2025 में हाई कोर्ट ने नीरज बवाना की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी। नीरज बवाना दिल्ली-एनसीआर के कुख्यात गैंग्सटरों में गिना जाता है और उस पर कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। कोर्ट के इस फैसले के बाद पुलिस भी सतर्क हो गई है और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

बाइक चोरी करने वाले पांच नाबालिग चोर दबोचे, चोरी की चार बाइक बरामद

नई दिल्ली,। दक्षिणी जिले की मालवीय नगर थाना पुलिस ने पांच नाबालिग वाहन चोरों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से चोरी की चार बाइक बरामद की है। पकड़े गए एक किशोर ने बताया कि वह अपने पास बाइक की मास्टर की रखता था और कहीं भी सुनसान जगह पर मोटरसाइकिल खड़ी मिलती थी तो उसे चुरा लेता था। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 26 जून को एक व्यक्ति ने मालवीय नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई कि वह खिड़की एक्सटेंशन में अपने रिश्तेदारों से मिलने आया था। उसने अपनी बाइक ब्लू डार्ट के पास खड़ी की थी। जब वह वापस आया तो उसकी बाइक वहां नहीं थी। पुलिस ने वाहन चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीक की मदद से दो संदिग्धों की पहचान की और उन्हें पकड़ लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने तीन और नाबालिगों को भी पकड़ा। पुलिस ने इनसे चोरी की चार बाइकें बरामद की। पूछताछ के दौरान एक किशोर ने बताया कि वह हमेशा अपने पास बाइक की मास्टर चाबी रखता है और जब भी घूमते समय सुनसान जगह पर कोई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल खड़ी मिलती तो वह उसे चुरा लेता। इसके बाद वह चोरी की मोटरसाइकिलों को अपने दोस्तों को बेचने या चलाने के लिए दे देता है। रास्ते में कहीं भी जब चोरी की गई बाइक का पेट्रोल खत्म हो जाता है तो वह उसे वहीं छोड़ देता था।

डीएम की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिलाधिकारी श्री नवीन की अध्यक्षता में सोमवार 30 जून को जिला समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी और प्रखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। बैठक की शुरूआत कृषि विभाग के साथ शुरू हुई। उन्होंने मत्स्य विभाग, सहकारिता विभाग, खाद एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लघु जल संसाधन विभाग ,पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, स्वच्छता विभाग शिक्षा विभाग राजस्व विभाग अंतर्गत जल जीवन हरियाली, जीविका विभाग ,कल्याण विभाग ,जल संसाधन विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग अंतर्गत म्यूटेशन रैन बसेरा बासगीत पर्चा, वन एवं पर्यावरण विभाग, मनरेगा अंतर्गत खेल मैदान गन्ना विभाग, सीएम डैशबोर्ड, हाई कोर्ट के मामले, सूचना का अधिकार, मानवाधिकार समेत कई ऐसे मामलों की समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी महोदय ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी से फीडबैक प्राप्त कर स्थिति का जायजा लिया। इस दरमियान जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि हमारा जिला 35 वे नंबर पर है, इस पर जिला अधिकारी महोदय ने कृषि पदाधिकारी को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। वही खाद्य उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग द्वारा अंतर्गत राशन कार्ड के निर्माण के के बारे में एसडीएम जमुई द्वारा बताया गया कि 75% लोगों का राशन कार्ड बनाया जा चुका है। आगे उन्होंने पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित योजनाओं यथा सोलर लाइट सामुदायिक भवन चापानल, पंचायत सरकार भवन के बारे में विस्तृत जानकारी जिला पंचायत राज पदाधिकारी फीडबैक लिया तथा आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बिजली बिल भुगतान को लेकर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर विद्युत विभाग से फीडबैक लेकर सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलों के अंचलाधिकारी को 10 दिन के अंदर विद्युत विपत्र भुगतान करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी महोदय ने ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में जानकारी ली तथा जिन प्रखंडों में कार्यों में शिथिलता पाई गई संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को जल्द से जल्द निराकरण करने का निर्देश दिया गया। वहीं जिलाधिकारी महोदय ने स्वच्छता विभाग को निर्देशित किया गया कि वे जल जीवन हरियाली से संबंधित कराए गए कार्यों की फोटो वेबसाइट पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी महोदय ने माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा प्रगति यात्रा के दौरान लंबित बहू बहुप्रतिक्षित और बहुउद्देशीय बरनार जलाशय योजना के कार्यों को लेकर कार्यपालक अभियंता एवं संबंधित विभाग झाझा तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी झाझा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनो से तलब की तथा कई आवश्यक निर्देश दिए ' वहीं जिलाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी जमुई से सभी महादलित टोलों में लगाए जा रहे शिविरों के बारे में जानकारी लिया और कहा कि सभी महादलित टोलों में योग्य लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। महादलित टोलों में योजनाओं का 100% लाभ दिलाने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी महोदय ने बासगीत पर्चा संबंधित के अधतन प्रतिवेदन के संबंध में अपर समाहर्ता जमुई, डीसीएलआर तथा संबंधित प्रखंडों की अंचल अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। वहीं समाज सुरक्षा से संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में अधतन प्रतिवेदन की समीक्षा कर कई निर्देश दिए। जिलाधिकारी महोदय ने भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता से अधतन प्रतिवेदन की समीक्षा की। वहीं नल जल योजना अंतर्गत कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को कम परसेंटेज वाले प्रखंडों में जल्द से जल्द कार्यों में प्रगति लाने का निर्देश दिया ' नगर परिषद क्षेत्र में संचालित मोहल्ला संवाद से संबंधित अधतन प्रतिवेदन की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। धान अधिप्राप्ति से संबंधित अधतन प्रतिवेदन के संबंध में जिला सहकारिता पदाधिकारी से फीडबैक लिया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र की टीम द्वारा कर्म योग एवं सुशासन के लिए मेडिटेशन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय। समाहरणालय लखीसराय स्थित मंत्रणा कक्ष में जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र की अध्यक्षता में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीईश्वरीयविश्वविद्यालय सेवा केंद्र की टीम द्वारा कर्म योग एवं सुशासन के लिए मेडिटेशनह विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ की गई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र के एडमिनिस्ट्रेशन विंग के कोऑर्डिनेटर हरीश भाई जी ने बताया कि ईश्वरीय विश्वविद्यालय का मुख्यालय माउंट आबू में स्थित है। इस संस्थान से 140 से अधिक देशों के लोग जुड़े हुए हैं। इस साल 5 से 9 सितंबर 2025 को माउंट आबू में सेमिनार का आयोजन किया जाना है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों के लिए इस तरह की अभियान की शुरूआत 24 तारीख मुजफ्फरपुर से की गई। 25 तारीख को अररिया, 26-27 तारीख को भागलपुर, 28 तारीख को मुंगेर एवं आज दिनांक 30.06.2025 को लखीसराय में आयोजन किया जा रहा है। कर्म योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया गया कि स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण चीज है, इसके लिए हमलोग को हमेशा प्रतिदिन मेडिटेशन करना चाहिए। इसके लिए सबसे अच्छा मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:00 बजे से है, जिसमें उठने के 15-20 मिनट बाद तक मन शांत एवं एकाग्रचित रहता है, उस समय हमें मेडिटेशन करना चाहिए और रात को सोने से 15 मिनट पहले भी हमें मेडिटेशन प्रतिदिन करना चाहिए। प्रशासनिक एवं अन्य कार्यों के अलावा हमें अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। कर्म योग प्रशिक्षण शिविर में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी श्री ओम प्रकाश सिंह, स्थापना उप समाहर्ता श्री शशि कुमार, प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की टीम से हरीश भाई जी,रीता दीदी मधु दीदी एवं उनके सहयोगी के साथ जिला के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

शिष्टमंडल ने डीआईजी से मिलकर आयुष हत्याकांड की निष्पक्ष जांच कराने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा कोशी विकास संघर्ष मोर्चा के संरक्षक व पूर्व जिला पार्षद प्रवीण आनंद के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल डीआईजी से मिलकर आयुष हत्याकांड की निष्पक्ष जांच कराने के लिए आग्रह किया। मोर्चा के अध्यक्ष विनोद कुमार झा ने कहा कि पुलिस प्रशासन निष्पक्ष जांच करे तो आयुष के माता पिता को न्याय मिल सकता है । परिवार के अन्य सदस्यों सहित ग्रामीणों पर किए गए मुकदमों को वापस लेने मोबाइल और लैपटॉप की जांच कराने सुसाइड नोट की लिखावट की जांच सहित 14 बिन्दुओं पर जांच करने का आग्रह करते हुए शिष्टमंडल को डीआईजी मनोज कुमार ने कहा कि हमें समय दिजिए हम सही से सभी बिन्दुओं पर जांच करेंगे और दोषी कोई भी रहे उसे सलाखों के पीछे भेजेंगे। इस शिष्टमंडल में जेडीयू नेता सत्यनारायण कामत, प्रवीण चंद्र सिंह, अखिलेश कुमार झा, नयन सिंह, ललितेश्वर राय, पूर्व समिति भूषण सिंह, बेचन राम उपमुखिया, रमण झा, मो करदूस, मुन्ना सिंह, अमर सिंह सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे। ज्ञात हो कि विगत 27 मई को हटियागाछी एक लाज में आयुष की हत्या को रहस्यमय ढंग सें आत्महत्या करार देने का प्रयास करते हुए फांसी से लटका दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि आयुष के शरीर पर चोट के कई निशान मौजूद थे। वही फांसी के फंदे से झुल रहा शव का पैर जमीन सें स्पर्श था जैसे किसी ने मारकर अपराध छिपाने की नीयत सें फांसी पर लटका दिया हो। मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर दोषी लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किया गया पौधारोपण कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत चौसा प्रखंड मुख्यालय में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए सामाजिक शैक्षणिक कल्याण संघ की ओर से वासुदेव जिओ पेट्रोल पंप चौसा परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एक दर्जन से अधिक पौधे को लगाया गया। उपस्थित लोगों ने जगह-जगह पौधा लगाकर धरती को हरा भरा बनाने का संकल्प लिया है। मौके पर संघ के संरक्षक सत्य प्रकाश गुप्ता विदुर ने कहा कि पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। हम सभी का फर्ज बनता है कि पृथ्वी की खूबसूरती को बनाए रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। सामाजिक कार्यकर्ता सह संघ सचिव संजय कुमार सुमन ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा ही हमारी सुरक्षा है। ऐसे में प्रदूषण से निजात दिलाने में पेड़-पौधे की सशक्त भूमिका हो जाती है। दुनिया समझ चुकी है कि पर्यावरण की रक्षा करनी है तो उसके पहले पेड़-पौधों की सुरक्षा करनी है। पौधरोपण के साथ ही दूसरों को पर्यावरण के प्रति सजग करने की आवश्यकता है पेड़ हमारे पुत्र के समान है। उन्होंने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। शिक्षक जवाहर चौधरी ने कहा की हर व्यक्ति को पौधरोपण करना आवश्यक है। सभी संकल्प ले कि हम पौधे लगाकर उसकी सुरक्षा करेंगे। पर्यावरण को संतुलित रखने के लिये पौधा लगाकर इसका संरक्षण करना जरूरी है। यह पौधा पेड़ बनेगा तो वातावरण में ऑक्सीजन मिलेगा। इस अवसर पर शिवम कुमार, पत्रकार मनीष गुप्ता अकेला, कुमार साजन, अंसार आलम, पेट्रोल पंप के कर्मी अमित झा, सिंटू कुमार, प्रीतम कुमार, मंजय कुमार, विकास कुमार यादव, प्रिंस कुमार, सुखदेव कुमार आदि ने मिलकर न केवल पौधे लगाए, बल्कि उनकी नियमित देखभाल सुनिश्चित करने का भी प्रण लिया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित सुरक्षित स्थान का किया निरीक्षण

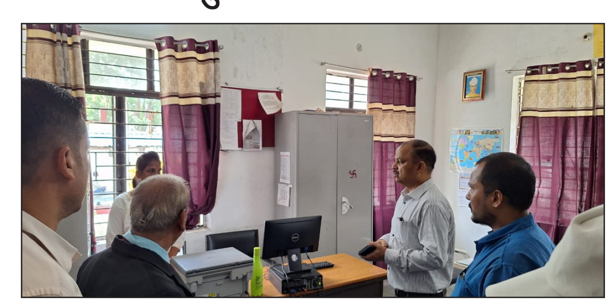

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री गोपाल जी एवं जिलाधिकारी दीपेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित सुरक्षित स्थान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण क्रम में उक्त वर्णित पदाधिकारियों ने सुरक्षित स्थान में आवासित किशोरों से वातालाप कर दी जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली, सीसीटीवी कार्यशीलता एवं पंजीयों की जांच की। वे पुस्तकालय एवं अध्ययन कक्ष गए जहां उन्होंने पाठ्य सामग्रियों का अवलोकन किया एवं वातालाप क्रम में आवासित किशोरों को मन लगाकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया। सिविल सर्जन को आवश्यकतानुसार सम्यक चिकित्सीय सहायता, जिला शिक्षा कार्यालय को आवश्यक शैक्षणिक सहायता हेतु आवश्यक कारवाई का निर्देश दिया गया है। सुरक्षित स्थान भ्रमण क्रम में जिलाधिकारी एवं जिला सत्र न्यायाधीश रसोई कक्ष गए जहां उन्होंने आवासित किशोरों निमित भोजन सामग्री का अवलोकन किया एवं इसके गुणवत्ता की जांच की। उक्त अवसर पर न्यायाधीश, किशोर न्याय परिषद सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

दर्शनशास्त्र प्राध्यापक के सेवानिवृत्ति पर एसएनएस कॉलेज में विदाई समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय में दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक प्रो राजकुमार सिन्हा के सेवानिवृत्त होने पर डॉ संजीव शंकर सिंह, डॉ अवधेश कुमार मिश्रा, डॉ गौतम कुमार सिंह के द्वारा पाग, चादर, बुके एवं डायरी से सम्मानित किया गया। रसायन विभाग के प्रध्यापक डॉ अनंत कुमार सिंह ने कहा कि राजकुमार बाबू अपने सहकर्मी छात्र, छात्राओं के बीच बहुत ही लोकप्रिय रहे। डॉ अनिरुद्ध कुमर ने कहा कि आज दर्शनशास्त्र विभाग से एक विद्वान शिक्षक सेवानिवृत्त हो रहे हैं इनकी कमी सदा खेलेगी। डॉ किशोर कुमार झा ने कहा कि आज एक हंसमुख शिक्षक महाविद्यालय से कार्यकाल पूरा कर विदा हो रहे हैं। डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि राज कुमार बाबू महाविद्यालय के किसी भी कार्य को करने के लिए सदा तत्पर रहते थे। डॉ इंदु कुमारी ने कहा महाविद्यालय परिवार उनके सदा स्वस्थ एवं दीघार्यु रहने की कामना करता है। डॉ धर्मव्रत चौधरी ने कहा कि राजकुमार सिन्हा सर अगर दर्शनशास्त्र के अध्यापक नहीं होते तो निश्चित रूप से एक बड़े साहित्यकार होते। किसी बात को उनके कहने की शैली से पता चलता है कि वे प्रेमचंद और रेणू की परंपरा के एक बड़े कहानीकार होते। इस समारोह की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य डॉ अनंत कुमार सिंह कर रहे थे, जबकि मंच संचालन डॉ आर्य सिंधु ने किया। आज ही चतुर्थ वर्गीय शिक्षकेत्तर कर्मचारी दिलीप कुमार सिंह भी सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर डॉ ताजुद्दीन, डॉ रामानंद सादा, डॉ सुभाष, डॉ अनवारुल, डॉ राम नरेश पासवान, डॉ रचिता, डॉ गायत्री, डॉ रीना, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ नृपेंद्र सिन्हा, ओम प्रकाश सिंह, वीरेंद्र कुमार सिंह, सत्यम कुमार, मनीष कुमार सिंह, रत्नेश झा, उदय कुमार के साथ छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

महिषी के ग्रामीण द्वारा पाग चादर से सम्मानित हुए चिकित्सक

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा मिथिला के प्रसिद्ध सिद्ध शक्तिपीठ भगवती उग्रतारा मंदिर महिषी में मनोकामना पूर्ण होने पर पहुंचे चिकित्सक सर्जन डॉ एच एस ठाकुर एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ प्रीति मिश्रा ने मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद भगवती को स्टील का पलंग समर्पित किया। पूजा पाठ के उपरांत चिकित्सक ठाकुर ने बताया कि इससे पुर्व वे दोनों पति-पत्नी भगवती उग्रतारा की पुजा की और बिना कुछ मांगे भगवती ने उनकी बात सुनी और मन के अनुसार उन्हें फल की प्राप्ति हुआ। उन्होंने कहा कि वेद-पुरान,उपनिषद में वर्णित महात्म के अनुसार भगवती उग्रतारा अपने भक्तों की भक्ति पर सुन्दर परिणाम देते हैं यह ध्रूव सत्य है। मंदिर परिसर में उपस्थित ग्रामीणों ने डा ठाकुर को उनके चिकित्सिकीय धर्म के लिए पुर्व उप प्रमुख नितिन ठाकुर बौआ ने उन्हें मिथिला का पहचान पाग एवं चादर से सम्मानित किया और कहा कि जिस प्रकार आप गरीब मरीज के प्रति दया भाव रखते हैं वह आप बनाए रखें। मौके पर पुर्व सरपंच निशाकांत ठाकुर, पुर्व प्रमुख सियाराम सिंह, समाजसेवी सोनू ठाकुर, शुभम वत्स, डॉ बिजेंद्र मिश्र स्कॉलर, पंकज मिश्र, पुजारी सुन्दर कांत झा आदि उपस्थित थे।

बांग्ला सावन शुरू होते ही जलाभिषेक को लेकर पैदल बाबाधाम जा रहे कांवरिया

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला का शुभारंभ होने में महज 10 दिन का समय बचा है । गौरतलब है कि मुंगेर जिला के अंतर्गत पड़ने वाले 26 किलोमीटर कच्ची कांवरिया पथ जो कमराय से कुमरसार तक का क्षेत्र है ,जहां 26 किलोमीटर की दूरी में गोगाचक, मनिया, कुमरसार, सरकारी धर्मशाला अवस्थित है । तो वहीं पक्की सड़क मार्ग रणगांव में भी एक सरकारी धर्मशाला है । बता दें कि श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा ने मुंगेर में अपना योगदान करते ही अपने साथ तारापुर के अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार सहित सभी विभाग के कार्यपालक अभियंता, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी ,प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, के साथ कमराय से कुमरसार कच्ची कावंरिया पथ का निरीक्षण किया था । जहां कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे । जिला पदाधिकारी ने कहा था कि श्रावणी मेला शुरू होने से पहले 30 जून तक सभी विभाग के द्वारा मेला की फाइनल तैयारी पूरी कर लेनी है । मुख्य तौर पर जो कार्य की प्रगति हुई है उसमें गोगाचक, मनियां , कुमरसार , के साथ-साथ रणगांव सरकारी धर्मशाला की साफ सफाई, रंग रोगन, धर्मशाला के भीतरी और बाहरी हिस्सों में बिजली की मरम्मती, कच्ची कावंरिया पथ में बालू बिछाने, शौचालय की मरम्मती से लेकर रंग- रोगन करने ,शौचालय, स्नानागार,की बेहतर व्यवस्था बनाने इत्यादि के क्षेत्र में कार्य को तेजी से किया गया है , लेकिन अभी भी कुछ क्षेत्रों में कार्य अधूरा बचा हुआ है। इस बीच बांग्ला सावन भी शुरू हो चुका है । कांवरिया उत्तर वाहिनी गंगा सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर पैदल बाबाधाम देवघर के लिए अग्रसर है। लेकिन इस दौरान खासकर धर्मशाला पर पहुंचने वाले कांवरियों को वह सुविधा नहीं मिल पा रहा है जो 10 दिन बाद शुरू हो रहे श्रावणी मेला के दौरान शिव भक्तों को मिलता है । खासकर दोपहर के समय जब धर्मशाला में आराम कर रहे कांवरियों के लिए स्नानागार में झरना चालू नहीं किए जाने, से लेकर लगातार बिजली नहीं मिलने, से श्रद्धालुओं को इस उमश भरी गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । वहीं धर्मशाला पर नियमित रूप से सफाई कर्मी नहीं रहने के कारण कांवरियों को सावन जैसी साफ सफाई जैसी व्यवस्था नहीं मिल पा रहा है । कच्ची कावंरिया मार्ग में कांवरियों के बैठने को लेकर जगह-जगह सीमेंटेड कुर्सी कुटाई पड़ा है । कांवरियों के लिए कच्ची कावंरिया पथ पर लगने वाले अस्थाई रूप से स्वास्थ्य शिविर के लिए चिन्हित जगहों पर पंडाल का निर्माण भी पूरी तरह से नहीं हो पाया है । इतना ही नहीं मुख्य बाजार तारापुर में अतिक्रमण अभियान भी नगर पंचायत द्वारा नहीं हटाया गया है ।

रायभीर पंचायत भवन जाने वाली सड़क निर्माण कार्य का काम हुआ प्रारंभ

पूर्व में प्रातः किरण दैनिक अखबार में छपी थी खबर, कुछ दिनों बाद ही सड़क निर्माण कार्य हुआ शुरू

रायभीर पंचायत भवन जाने वाली सड़क पर जलजमाव और कीचड़ रहने से राहगीर परेशान

प्रात: किरण संवाददाता

प्रिंस कुमार प्रभाकर

शंकरपुर (मधेपुरा) शंकरपुर प्रखंड के सुदूर गांव रायभीर पंचायत रोड नंबर एनएच 18 के बगल होकर पंचायत भवन की ओर जाने वाली ग्रामीण सड़क का निर्माण के एक साल बाद ही सड़क की हालत जर्जर हो गई थी। जिसके चलते सड़क की दुर्दशा यस की तस बनी हुई है। वहीं आए दिनों लगातार सड़क पर जमा कीचड़ और जलजमाव में आवाजाही करने वाले रहागीर सहित ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात के अंदरे की बात तो दूर दिन के उजाले में भी लोगों को दुर्घटना का आशंका बना रहता है। लोगों ने कहा कि खासकर बुजुर्ग व्यक्ति को रायभीर पंचायत भवन जाने में काफी समस्या होती है। जिसके चलते ग्रामीणों को पंचायत भवन में खुले आरटीपीस काउंटर सहित अन्य कार्यालयों का जब काम पड़ता है तो वह उस से वांछित रह जाते हैं। जिसके चलते खासकर बुजुर्ग व्यक्ति को वृद्धा पेंशन ओर बुजुर्ग महिला को विधवा पेंशन ओर वृद्धा पेंशन की पैसा निकालने के लिए नजदीकी साइबर कैफे दुकानों का चक्कर काटना पड़ता है। बुजुर्ग लोगों ने कहा कि सरकार के द्वारा वृद्धा पेंशन की पैसा 400 सौ निर्गत की गई जिसे निकलाने में सीएसी संचालक दस रुपया काट लेते हैं ऐसे में किया ही कुछ होगा। अगर स्थानीय प्रतिनिधि इस सड़क को देखते तो पंचायत भवन में खुले सेंटर पर जाकर पैसा की निकासी के साथ अन्य कामों का भी जानकारी प्राप्त होते रहता। पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह भाजपा प्रखंड अध्यक्ष प्रभाष चौपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य सड़क के बगल होते हुए पंचायत भवन तक जाने वाली ग्रामीण पक्की सड़क का निर्माण को लेकर कागजी प्रकिया पूरी कर ली गई है। जिसे बहुत जल्द ही गुणवत्ता पूर्ण निर्णम कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश यही रहती है कि ग्राम वासियों को किसी भी तरह का कोई समस्या उत्पन्न ना हो इसके लिए उच्च अधिकारियों से मिलकर समस्या का समाधान कराने में लगे रहते हैं।

प्रात : किरण संवाददाता

शंकरपुर (मधेपुरा) जिला मुख्यालय से महज (17) किलो मीटर दूर उत्तर बिहार के देव स्थल बाबा नगरी सिंहेशवर नाथ मंदिर से (10) किलो मीटर दूर पूरब दिशा की ओर बिरेली बजार गुजरते हुए रायभीर जाने वाली मुख्य मार्ग एनएच 18 नंबर रोड के बगल होते हुए, शीतल दास के घर से लेकर रायभीर पंचायत भवन जाने वाली ग्रामीण सड़क के निर्माण के एक साल बाद ही स्थिति जर्जर हो गई थी। जिस कारण से सड़क पर जलजमाव और कीचड़ जमा रहने का समस्या हमेशा बना रहा था। खासकर बरसात के मौसम में सड़क पर काफी कीचड़ जमा हो जाता था, जिस से गाड़ी चालक को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। गाड़ी चालक की बात तो दूर पैदल चलने वाले स्थानीय लोगों के अलावे राहगीरों को दुर्घटनाएं का आंशका बना रहता था, कीचड़ में कहीं पेड़ फिसल ना जाए, ग्रामीणों ने बताया कि कई बार लोग गिर कर जटिल भी हुए हैं। वहीं बुजुर्ग व्यक्तियों ने बताया कि जिस समय सड़क पर जलजमाव और कीचड़ जमा रहता था। उस समय हमलोग सड़क पर चलना मुनासिब नहीं समझते थे, अगर पंचायत भवन का कोई काम लगता था तो एक किलो मीटर दूर से घूम कर पंचायत भवन पहुंचना पड़ता था। इस बात को लेकर प्रातः किरण ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। वहीं पंचायत के वार्ड नंबर 9 के वार्ड सदस्य राजेश कुमार दास ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य का काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सड़क के दोनों किनारे लोगों के द्वारा सड़क को कब्जा कर रखा था, जिसको स्थानीय मजदूर लोगों से सफाई कराया गया है, जिसको अब बहुत जल्द गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कराया जाएगा। वार्ड सदस्य राजेश कुमार दास के द्वारा किए जा रहे सड़क निर्माण कार्य का लोगों ने सराहना किया। वहीं पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह भाजपा प्रखंड अध्यक्ष प्रभाष चौपाल ने बताया की रायभीर पंचायत भवन जाने वाली सड़क का निर्माण कस्टम योजना से बनाया जा रहा है। जिसमें पांच लाख 65 हजार रुपया की लागत लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के बाद कृष्णकांत दास के घर से लेकर पंचायत के उप सरपंच दिलीप दास के दरवाजे तक लगभग सौ मीटर रोड का निर्माण कराया जाएगा, और दोनों साइड नाली का भी निर्माण कराया जाएगा, उन्होंने बताया की रायभीर पंचायत भवन पहले जहां चारों तरफ से खुलादार बना था वहीं अब बाउंड्री वॉल कराया जा रहा है। अब रायभीर पंचायत के सार्वजनिक स्थानों पर और जरूरतमंद जगह पर स्ट्रीट लाइट लगाया जाएगा, जिसका निर्माण कार्य बहुत जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

एएसआई का हुआ भव्य विदाई समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत तीन पंचायत का थाना मोहनपुर थाना परिसर में आयोजित विदाई समारोह में एएसआई कामता प्रसाद साह को भव्य विदाई दी गई है। सोमवार 30 जून को प्रभारी थानाध्यक्ष राहुल कुमार, एस आई अनुप कुमार, हरिहर राय, थाना के सभी पुलिस कर्मी एवं दर्जनों ग्रामीणों की गरिमा मयी उपस्थित में अंग वस्त्र एवं फूलों का माला पहनाकर सम्मानित तरीके से एएसआई कामता प्रसाद साह को विदाई दी गई है। इनका स्थानांतरण मधेपुरा जिला में हुआ है। विदाई समारोह में एस आई राहुल कुमार ने बताया कि सरकारी नौकरी में ये अवसर समय समय पर सभी को आते हैं ।हम सब मिलकर मोहनपुर थाना क्षेत्र में शांति एवं अपराध मुक्त बनाने में अभी तक सफल रहे हैं। अनुभवी एएसआई कामता प्रसाद साह थाना क्षेत्र में गरीब लाचार लोगों को कानून का पाठ पढ़ाकर शांति व्यवस्था बनाए रखने में भरपूर सहयोग किये है। इनकी उपलब्धि,इनका प्यार, स्नेह, यहां के अवाम को प्रभावित किया है। सभी गणमान्य नागरिक उत्साहित होकर इन्हें दर्जनों गाड़ियां से लेकर लक्ष्मीपुर कोहवरबा मोड़ तक छोड़ने गए हैं ।जो इनका व्यवहार कुशलता का परिचायक है। इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। ऐसे मौके पर समाजसेवी ओंकार यादव, अमरेश कुमार यादव, मोहन मंडल, विजय शर्मा, अमरेश यादव, जितेन्द्र कुमार एवं अन्य दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

आरपीएफ व उत्पाद विभाग द्वारा 98 बोतल कोडीनयुक्त कोरेक्स बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार में शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन करने हेतु आरपीएफ एवं उत्पाद विभाग द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। जिसके कारण अब तक शराब एवं कोरेक्स की कई खेप में पकड़ में आया है। इसी कड़ी में सोमवार को आरपीएफ उप निरीक्षक सुजीत कुमार मिश्र एवं उत्पाद निरीक्षक संजीत कुमार के साथ समपार फाटक संख्या 30 पर प्रधान आरक्षी सोनेलाल टुडू भी साथ हुए। निरीक्षण के क्रम में सहरसा मानसी रेलखंड पर सर्वा ढाला समपार फाटक आउटर सिग्नल के समीप रेललाइन के पास झाड़ी सें लावारिस बैग बरामद हुआ ।जिसकी संयुक्त तलाशी में 98 बोतल कोडीनयुक्त कोरेक्स बरामद किया गया। उत्पाद निरीक्षक नें बताया कि सर्वा ढाला रेल लाइन सें सटे पश्चिम झाड़ी से एक स्लेटी रंग का पिट्ठू बैग पड़ा मिला। सभी लोगों द्वारा बैग को झाड़ी से निकालकर चेक किया तो बिहार राज्य प्रतिबंधित कोडीनयुक्त विस्कोडाइन सीरप एक सौ एम एल प्रति बोतल 98 पीस बरामद किया गया। जिसकी फर्द जप्ती सूची तैयार कर बरामद कफ सीरप को अग्रिम कारवाई हेतु ले जाया गया।

उम्मीद की नई राह - फंगस से बनी कैंसर की चमत्कारी दवा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

प्रकृति का सबसे गहरा रहस्य यह है कि जो तत्व जीवन के लिए खतरा बन सकता है, वह जीवन रक्षक भी बन सकता है। ऐसा ही एक आश्चर्यजनक उदाहरण हाल ही में अमेरिकी वैज्ञानिकों ने दिया है- एक जहरीले फफूंद एस्परगिलस फ्लेवस (अस्त्रीइ''४२।'५४२) से एक संभावित कैंसर विरोधी दवा की खोज। यह नई चिकित्सा खोज न केवल विज्ञान की क्षमता को दर्शाती है, बल्कि भविष्य में लाखों कैंसर मरीजों के लिए आशा की किरण भी बन सकती है। एस्परगिलस फ्लेवस आमतौर पर कृषि में एक खतरनाक फफूंद के रूप में जाना जाता है जो अनाजों, मेवों और बीजों को संक्रमित करता है। यह अफ्लाटॉक्सिन नामक एक विषैला पदार्थ उत्पन्न करता है, जो मानव और पशु स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। परंतु, पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इसी फफूंद में छिपी एक अनोखी रासायनिक संरचना को खोज निकाला है, जिसने विज्ञान की दिशा ही बदल दी है। शोधकर्ताओं ने इस फफूंद से एस्पेरिजिमाइसिन नामक एक यौगिक की खोज की है, जो कैंसर की कोशिकाओं को लक्षित रूप से नष्ट कर सकता है। यह यौगिक विशेष रूप से ल्यूकेमिया कोशिकाओं (रक्त कैंसर) पर प्रभावी पाया गया है और इसका अन्य कोशिकाओं पर बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं हुआ, जो इसे एक लक्षित और सुरक्षित चिकित्सा विकल्प बनाता है। यह यौगिक एक प्रकार के पेप्टाइड (प्रोटीन के टुकड़े) से बना है, जिन्हें राइबोसोमली उत्पादित और बाद में संशोधित किया गया है। इन्हें कहा जाता है। की विशेषता यह है कि ये कोशिकाओं के भीतर जाकर विशेष रूप से कैंसर कोशिकाओं को प्रभावित करता है, जिससे सामान्य स्वस्थ कोशिकाएं प्रभावित नहीं होती है। राइबोसाम, जो कोशिकाओं में प्रोटीन उत्पादन के केंद्र होता है, एस्पेरिजिमाइसिन को संशोधित कर ऐसे रूप में प्रस्तुत करता है कि वह कैंसर कोशिकाओं को विशेष रूप से लक्षित करता है। इससे एक ओर जहां दवा की प्रभावशीलता बढ़ता है, वहीं दूसरी ओर इसके दुष्प्रभाव सीमित होता है। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए प्रारंभिक परीक्षणों में यह यौगिक एफडीए (फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) द्वारा मान्य वर्तमान दवाओं के समान प्रभावी पाया गया है। यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि एफडीए मान्यता प्राप्त दवाएं ही वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद माना जाता है। एस्पेरिजिमाइसिन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि यह सामान्य कोशिकाओं को प्रभावित नहीं करता है। इस गुण के कारण यह दवा अन्य कैंसर दवाओं की तुलना में अधिक सुरक्षित हो सकता है। मौजूदा कीमोथेरेपी और रेडिएशन थैरेपी जैसी तकनीकों में जहां मरीज को कई प्रकार के दुष्प्रभाव सहने पड़ते हैं, वहीं यह नई दवा इस दृष्टि से राहत प्रदान कर सकती है। अभी यह दवा प्रीक्लिनिकल स्टेज में है। इसका अगला कदम पशु मॉडल पर परीक्षण करना है ताकि यह समझा जा सके कि यह जटिल जीवित प्रणाली में कैसे काम करती है। अगर ये परीक्षण सफल रहता है, तो इसके मानव परीक्षण की शुरूआत किया जा सकता है। मानव परीक्षण के दौरान यह जांचा जाएगा कि एस्पेरिजिमाइसिन कैंसर के किस-किस प्रकार पर असरकारक है, इसकी सुरक्षित खुराक क्या हो सकता है और यह दवा शरीर के अन्य अंगों पर क्या असर डालती है। यह परीक्षण लंबी अवधि के होता है लेकिन इनके सफल होने पर यह दवा कैंसर चिकित्सा की दिशा बदल सकता है। यह पहली बार नहीं है जब फफूंद से कोई प्रभावशाली दवा तैयार की गई हो। पेनिसिलिन, जो दुनिया की पहली एंटीबायोटिक माना जाता है, भी पेनिसिलियम नामक फफूंद से बना था। इसने चिकित्सा विज्ञान में क्रांति ला दिया था और लाखों जानें बची थी।

संतो-कथावाचकों को जातियों में बांटने की शर्मनाक कौशिश

देश मे इन दिनों संतो व कथावाचकों को जातियों में बांटकर उनके विरुद्ध अमर्यादित व्यवहार करने का शर्मनाक प्रयास किया जा रहा है। यादव जाति से आने वाले मुकुट मणि यादव और संत सिंह यादव ने अपने ब्राह्मण यजमान पर जाति के आधार पर मारपीट कर अपमानित करने का आरोप लगाया है। इसके बाद से देश में यह बहस तेज हो गई है कि कथा वाचन करने का अधिकार किस जाति का है। काशी विद्वत परिषद का कहना है कि भागवत कथा करने का अधिकार सभी हिंदुओं को है, वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना किसी भी जाति का व्यक्ति अपनी जाति के लोगों को भगवत कथा सुना सकता है, लेकिन सभी जातियों को भगवत कथा सुनाने का अधिकार केवल ब्राह्मणों के पास है। देश में इस समय हजारों की संख्या में कथावाचक कथा सुनाने का काम कर रहे हैं। अनिरुद्धाचार्य जिनका असली नाम अनिरुद्ध राम तिवारी है, ब्राह्मण जाति से है। देवकीनंदन ठाकुर उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के रहने वाले हैं, उनका जन्म भी एक ब्राह्मण परिवार में हुआ। मध्य प्रदेश के छतरपुर में पैदा हुए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर धाम सरकार के नाम से मशहूर हैं, उनका जन्म भी एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। संत रामपाल हरियाणा के सोनीपत जिले के धनाना गांव के एक किसान परिवार में पैदा हुए संत रामपाल जाट जाति से हैं। भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ सूरजपाल का असली नाम सूरज पाल है, ये एक दलित परिवार से है। बाबा रामदेव का असली नाम रामकिशन यादव है, जो जाति से यादव है। मोरारी बापू युवावस्था से ही राम कथा कह रहे हैं, वे अब तक आठ सौ से अधिक जगह राम कथा कह चुके हैं, मोरारी बापू अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं। जया किशोरी का जन्म राजस्थान के सुजानगढ़ के ब्राह्मण परिवार में हुआ था, वे धार्मिक कथाओ के लिए प्रसिद्ध हैं। वही हरिद्वार के चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार कौशल सिखौला का कहना है कि शास्त्रों के अनुसार पण्डिताई, पुरोहिताई और ज्योतिष का अधिकार तो सचमुच ब्राह्मणों का है पंडितों का है। मंदिरों में पुजारी भी पंडित होंगे , सोलह संस्कार कराने और ज्योतिष बचाने वाले भी पंडित होंगे। सप्तऋषियों सहित जितने भी प्रारम्भिक ऋषि हुए वे सभी ब्राह्मण थे। सत्यनारायण की कथा सुनाने से लेकर श्रीमद्भागवत करने, राम कथा बाँचने, यज्ञ अनुष्ठान कराने, सोलह संस्कार और गृह प्रवेश कराने का अधिकार भी ब्राह्मणों का है। तीर्थों पर संस्कार और समस्त कर्मकांड कराने के शास्त्र सम्मत अधिकारी पण्डे पुरोहित हैं। दान लेने के अधिकारी भी ब्राह्मण हैं। उनके शब्दो में, न होते तो रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापना के लिए भगवान राम रावण जैसे प्रतापी ब्राह्मण को लंका से न बुलाते। वे स्वयं क्षत्रिय वंश में जन्में थे। यादवकुल में जन्में भगवान कृष्ण शास्त्रों एवं विद्याओं का अध्ययन करने ब्राह्मण ऋषि संदीपनी के आश्रम न जाते। जितने भी राज्य भारत में थे उन सभी में क्षत्रिय राजा ब्राह्मण वर्ग से राज पुरोहित का अनिवार्य आसन राजा के समकक्ष ऊंचाई पर स्थापित न करते। कारण वही कि सामाजिक संदर्भों में ब्राह्मणों को पूज्य का दर्जा प्राप्त था। ब्राह्मण पूज्य न रहा होता तो दरबार में रानियों और मंत्रियों के साथ बैठे राजा कृष्ण नंगे पांव दौड़े दौड़े बाहरी द्वार पर न आते, आंसुओं के जल से गरीब ब्राह्मण सुदामा के पांव न धोते। ब्राह्मण पूज्य था तभी तो पांडव एवं कौरव राजकुमारों को शिक्षा के लिए द्रोणाचार्य और कृपाचार्य जैसे ब्राह्मणों के पास जाना पड़ा। भाइयों सहित चारों दशरथनंदन वशिष्ठ और विश्वामित्र के आश्रम न जाते। ब्राह्मण मेधा का धनी था तभी तो भारत पर आक्रमण से पूर्व सिकंदर ने भारत की शक्ति का पता लगाने के लिए अपने दूत को चाणक्य के आश्रम में विद्यार्थी बनाकर भेजा था। कथा है कि सुकरात ने भी भारत की ब्रह्मशक्ति के प्रति जिज्ञासा प्रकट की थी। कौशल सिखौला की माने तो भारतवर्ष में ब्राह्मण का महत्व अनादिकाल से है। हम इटावा में ही अप्रिय और निंदनीय घटना के बारे में जरा भी बात नहीं करना चाहते। जो हुआ वह बहुत बुरा था, कानूनन कार्रवाई चल रही है। वास्तुतः देश के इतिहास को समझने का समय आ गया है। हमारी संस्कृति में ज्ञान की महिमा थी। न होती तो महर्षि वेदव्यास को महान ऋषि न माना गया होता। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य भारतवर्ष में समन्वय स्थापना के लिए समरसता के सिद्धांतों का प्रतिपादन किया।

नया बहुआयामी शक्तिशाली देश बने भारत

लेकिन अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और शक्ति से भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और और पूरे देश का जनबल एकजुटता से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक और सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था। वस्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है।

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक)

यकीनन इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाक संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है। लेकिन अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और शक्ति से भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और और पूरे देश का जनबल एकजुटता से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक और सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था। वस्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। ऐसे में भारत दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों के शक्ति संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। निःसंदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बना सकती है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले दिनों दुनिया को हिलाने वाले इजराइल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभरकर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं गिरा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने की मजबूत स्थिति में रखा है। युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े हैं और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, इजराइल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में महंगाई घटी रही। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत है और थोक महंगाई दर महज 0.39 फीसदी ही है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। जहां युद्ध की चुनौती के बीच दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न के मूल्य बढ़ गए, वहीं भारत खाद्यान्न के मोर्चे पर अत्यधिक मजबूत है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरत आपूर्ति के गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार है। इतना ही नहीं हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी फसल वर्ष 2024-25 के लिए कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 फीसदी बढकर 35.39 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा। भारत के निर्यात आदेश भी बढ़े। इस समय भारत के पास 699 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई देगा। ऐसे में अब भारत को दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित किया जाना होगा। चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढकर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) तेज विकास व रोजगार के लिए एक कारगर हथियार बन सकते हैं। एमएसएमई निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके आर्थिक चिंता कम कर सकते हैं। देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, जीएसटी और लॉजिस्टिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक और वित्तीय सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। अब भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लाई जानी होगी। भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा। निश्चित रूप से इजराइल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का यह भी सबक है कि युद्ध सिर्फ आर्थिक ताकत और अत्याधुनिक एआई तकनीक के दम पर ही लड़े जाते हैं तथा परमाणु हमले की धमकी से युद्ध नहीं जीते जाते हैं। किन्तु इस समय पाकिस्तान और चीन की युद्ध चुनौतियों के मद्देनजर भारत के द्वारा परमाणु हथियारों को उन्नत किया

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत की गई थी।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, सेहत सबसे बड़ी पूंजी है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं। 2025 की थीम है ह्यमास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभाल उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो। वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्ज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता। हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट,

चीन नहीं देश सर्वोपरि है भारत माता में हूँ नतमस्तक

शंघाई सहयोग संगठन (रउड) के रक्षा मंत्रियों की बैठक चीन के चिंगदाओ में 25-26 जून को आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान रउड के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकरोधी प्रयासों और रक्षा मंत्रालयों के बीच बढ़ते सहयोग जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। उन्होंने बैठक से अलग चीन और रूस के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमापार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के लिये वित्त पोषण किसी भी कीमत पर बंद होना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद, कट्टरता और चरमपंथ के विरूद्ध एकीकृत वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया। इस बैठक में भारत के कुछ मुद्दों पर आम सहमति नहीं बन पाने के कारण साझा दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। अतः वहाँ सब पाकिस्तान के मित्र देश थे जिससे सहमति नहीं बनी चीन भारत का दोस्त नहीं दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर में खुल कर पाकिस्तान को घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत को नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर में आतंकवादी को भेज रहा है और इन आतंकवादी को चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत को वहीं जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात को दशार्ता है कि आपकी नहीं सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों " देश है और भारत किसी का गुलाम ल्लँ है कि वो सिखायेगा कि भारत को क्या करना है भारत के सैनिको में जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने को तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये ङ्ख अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिजाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर को हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल को भी समझ आ गई होगी और रूस यूकेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर को अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्जा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मजाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका को अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम को वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अतः ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से कोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश को भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्त्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है। इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है। चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था। ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है। चीन ने केवल भारत को ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत को भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध को मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर बड़ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार को न मान कर तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है।

जिला पदाधिकारी ने जिला प्रोग्राम पदाधिकारी शिक्षा विभाग अनुभव को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

एचआरएमएस के तहत डेटा मैपिंग में निर्देश के अनुरूप बेहतर कार्य करने पर मिला सम्मान

● जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में सोमवारीय बैठक सम्पन्न

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि एचआरएमएस कैडर मैपिंग में जिले ने 81.24 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है, यह अच्छी बात है लेकिन इसे अविलंब शत-प्रतिशत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि सभी अपना-अपना रेसियो देख लें और पेन्डेंसी के अनुसार शत-प्रतिशत कैडर मैपिंग कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि महिला संवाद कार्यक्रम के तहत प्राप्त आवेदनों की पेन्डेंसी कम है, किंतु जो भी लंबित आवेदन हैं, उसे भी त्वरित गति से निष्पादित कर दें। जिला पदाधिकारी समाहरणालय सभागार में आयोजित सोमवारीय बैठक में पदाधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 कार्य की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि जिले में जीविका दीदियों की पांच लाख से भी ज्यादा आबादी है। सीएलएफ वाइज कैडर के साथ बैठक करें और एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना प्रपत्र) की जानकारी दें। जीविका दीदियां अन्य महिलाओं एवं पुरूषों को भी विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में जानकारी देंगी। उन्होंने जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी डाटा इन्ट्री ऑपरेटरों को 2003 के मतदाता सूची से डिटेल निकालने के लिए अच्छे तरीके से प्रशिक्षित कराएं। जिला पदाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभाग/कार्यालय से संबंधित बेहतर कार्यों एवं कार्रवाईयों से संबंधित राइट अप एवं फोटोग्राफ्स जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएं ताकि मीडिया के माध्यम से आम जनमानस को अवगत कराया जा सके। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देश दिया कि फेसबुक लाइव हेतु निर्धारित तिथि के पूर्व संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर निर्धारित रोस्टरवाइज फेसबुक लाइव कराना सुनिश्चित करें। जिला परिवहन पदाधिकारी को अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मियों पर नियंत्रण रखने, कार्यशैली की निगरानी तथा उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की सतत समीक्षा करने हेतु निर्देशित किया। सोमवारिया बैठक के दौरान जिला खेल पदाधिकारी द्वारा खेल मैदान के निर्माण हेतु अनापत्ति, एल०डी०एम० द्वारा वित्तीय साक्षरता कैम्प के आयोजन,, जीविका द्वारा इंडिविजुअल फाइनैंसिंग, विद्युत विभाग द्वारा पावर उप केंद्र निर्माण हेतु अनापत्ति इत्यादि के लिए विभिन्न विभागों से समन्वय हेतु अनुरोध किया गया। तदलोक में जिला पदाधिकारी के द्वारा संबंधित विभगिय पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का धरातल ओर क्रियान्वयन कराने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने एचआरएमएस के तहत डेटा मैपिंग में निर्देश के अनुरूप बेहतर कार्य करने पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (स्थापना) शिक्षा विभाग श्री कुमार अनुभव को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान प्रवर्तन अवर निरीक्षक को दोषी पाए जाने पर निलंबन की कि अनुसंशा

कार्यसंस्कृति में बदलाव कर स्वच्छ आचरण के साथ दायित्वों का करे निर्वहन: जिलाधिकारी

बगहा। ओवरलोड वाहन चालकों और प्रवर्तन अवर निरीक्षक के बीच अवैध वसूली को लेकर हुई मारपीट की घटना को जिलाधिकारी ने गम्भीरता से लेते हुए अनुमंडल पदाधिकारी से जांच कराने के बाद प्राप्त जांच के आलोक (उक्त प्रकरण) में मिले प्रतिवेदन के आलोक पर कार्यवाई करते हुए प्रवर्तन अवर निरीक्षक सत्येंद्र कुमार रजक को निलंबित करने की अनुसंशा राज्य सरकार से की है। बतादें की विगत दिनों विभिन्न माध्यमों से राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 727 मदनपुर मोड़ के पास ओवरलोड वाहनों की जांच कर रहे परिवहन विभाग की टीम पर वाहन चालकों एवं वाहन मालिकों के द्वारा अवैध वसूली के आरोप के दरम्यान मारपीट की घटना हुई थी,जिसे जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने उक्त घटना को गम्भीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए थे।जांच के बाद मिले प्रतिवेदन के आधार पर निलंबन के लिए राज्य सरकार से अनुसंशा की है। साथ ही सभी कर्मी व पदाधिकारी को कार्य संस्कृति में बदलाव लाकर स्वच्छ आचरण के साथ दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश जिलाधिकारी द्वारा जारी किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

शराब पार्टी करने वाला पुअनि फरार, एसएसपी ने किया निलंबित

लहलादपुर: अपने डेरा में शराब पार्टी करने वाला जनता बाजार थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अरविन्द कुमार अपने मोबाइल का स्वीच ऑफ करके फरार हैं. कर्तव्यहिनता तथा बिना किसी सूचना के अपने ड्यूटी से गायब होने के कारण एसएसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने पुअनि अरविन्द कुमार को निलंबित कर दिया. पुअनि अरविन्द कुमार के बारे में बताया जा रहा है कि थाना के समीप वह अपने किराये के डेरा में शनिवार की देर संध्या अपने तीन परिचितों के साथ शराब पार्टी कर रहे थे तथा नर्तकियों के ठुमके भी लगवा रहे थे. इसकी सूचना किसी ने वरीय पुलिस पदाधिकारी को दे दी. सूचना पाकर डीएसपी तथा थानाध्यक्ष टुनटुन कुमार ने अपने दल-बल के साथ पुअनि अरविन्द कुमार के डेरा में छापामारी कर दिया. छापामारी की भनक लगते ही पुअनि अरविन्द कुमार और नर्तकियां मकान के पिछले दरावाजे से भागने में सफल रहे, मगर शराब का सेवन किये हुए उनके तीन परिचित (मेहमान) पुलिस के गिरफ्त में आ गये. पुअनि के तीनों परिचितों को मद्दनिषेध के सुसंगत धाराओं के तहत जेल भेज दिया गया, मगर पुअनि अरविन्द कुमार अभी भी पुलिस के गिरफ्त से बाहर हैं और फरार हैं. ऐसे ही भ्रष्ट पुलिस पदाधिकारी के मिलीभगत के कारण बिहार में शराबबंदी नहीं हो पा रहा है. शराब निमार्ता या विक्रेता को पुअनि अरविन्द कुमार अच्छी तरह जानते होंगे, तभी तो उनके डेरा तक शराब पहुंच गया. पुलिस विभाग में ऐसे ही भ्रष्ट लोगों को रहने के कारण शराब माफियाओं तथा अपराधियों में पुलिस का खौफ नहीं है.

युवक का शव बरामद

जलालपुर। प्रखंड के मंगोलपुर नगर से पुलिस ने सोमवार की सुबह में एक युवक का शव बरामद किया। मृत युवक की पहचान सर्वीसरेया गांव के मोतीचंद राय के 38 वर्षीय पुत्र भसन राय के रूप में गई है। इधर नहर में शव मिलने की सूचना से लोगों के बीच सनसनी फैल गई। युवक की मृत्यु कैसे हुई है इसका खुलासा नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा दो पुत्री तथा एक पुत्री है। हालांकि उनके परिवार लोगों के बीच थाने पर लगी रही और ग्रामीणों की भी लगी रही सभी ग्रामीणों का यही कहना था या उनके परिवार जनों का कहना था कि वह पहले से ही दारू पीते थे और पी पीकर कई दिन घर से बाहर भी रहते थे अचानक परसों घर से निकले थे और आज उनकी सूचना मिली है कि बिशनपुर पंचायत के मंगोलपुर नहर के किनारे पड़े हुए हैं हालांकि लोगों का यह भी कहना था कि दारू पीकर भूत थे कल मामला प्रशासन जांच कर रही है प्रशासन और जांच में क्या निकलता है देखने वाली बात रहेगी

स्नातक प्रथम सेमेस्टर में 3 जुलाई तक होगा नामांकन

छपरा सदर। स्नातक प्रथम सेमेस्टर में अब छात्र 3 जुलाई तक छात्र अपना नामांकन करा सकते हैं । उक्त बातो की जानकारी देते हुए जीपीयू के छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ राणा विक्रम सिंह ने बताया कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय क्षेत्रान्तर्गत सभी अंगीभूत / संबद्ध महाविद्यालयों में सी०बी०सी०एस० आधारित चार वर्षीय स्नातक सत्र (2025-29), शैक्षणिक वर्ष (2025-26) में नामांकन प्रथम मेधा सूची के आधार पर 23 जून से 30 जून तक निर्धारित की गई थी जिसे छात्रहित में 03 जुलाई तक विस्तारित किया जाता है। 03 जुलाई को 4:30 बजे अपराह्न के बाद उक्त सूची में चयनित विद्यार्थियों का नामांकन हेतु अवसर समाप्त हो जायेगा। डॉ सिंह ने कहा कि जे पी यू के कुलपति प्रो परमेंद्र कुमार बाजपेई के निर्देश पर छात्र हित में नामांकन की तिथि को विस्तारित किया गया है।

हादसों के सड़क मार्ग पर फिर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, शव को पुलिस ने कब्जे में लिया

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग के नौरंगिया स्थित हरदियाचांटी के समीप अज्ञात वाहन की ठोकर से एक बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। नौरंगिया थाना थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि राहगीरों द्वारा दी गई सूचना पर जब घटनास्थल पर पहुंचा तो बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। बाइक का वाइजर और हेडलाइट बुरी तरह से टूटा हुआ है,शायद किसी वाहन के ठोकर लगने के कारण दुर्घटना हुई है।मृतक की पहचान भेरियारी के रहुआ टोला निवासी 30 वर्षीय मनोज मुसहर के रूप में हुई है। घटना रविवार करीब 8 बजे रात की बताई जा रही है शव को कब्जे में लेकर बगहा अनुमंडल अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। बताते चलें कि बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग हादसों के सड़क मार्ग के रूप में ख्यातिप्राप्त करते जा रही है इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है।इसलिए वाहन चालक सड़क मार्ग पर लगे यातायात कॉशन को फॉलो करें साथ ही इस मार्ग पर सावधानी पूर्वक वाहन चलाएं।

वन गश्ती टीम का सामना नेपाली अंतर्राष्ट्रीय तस्करों से, तस्कर फरार, खैरा का 15 गुल्ली नाव समेत बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। विवादित सुस्ता के समीप वीटीआर एम 28 के जंगलों में अंतर्राष्ट्रीय नेपाली वन तस्करों का सामना वन गश्ती के दौरान हो गई।वनकर्मियों ने 20 से 25 की संख्या में नेपाली अंतर्राष्ट्रीय वन तस्करों को खदेड़ा इससे घबराकर तस्कर गंडक नदी में छलांग लगाकर फरार हो गए थे तस्कर जंगल मे खैर के पेड़ों का पातन कर ठेले गाड़ी से ढोकर नदी किनारे नाव पर लादकर नेपाल ले जाने के फिराक में थे।रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि नेपाली तस्कर गंडक नदी को पार कर वाल्मीकि ब्याघ्र की जंगल एम 28 में घुसकर खैर की बेशकीमती लकड़ी काटकर नाव के सहारे नेपाल ले जाने की फिराक में थे। पांच की संख्या में गश्ती कर रहे वनकर्मियों को जंगल मे कटर मशीन चलने की आवाज सुनाई दी, तो उस तरफ वनकर्मी गए। 20 से 25 की संख्या में नेपाली वन तस्कर ठेले गाड़ी से पातन किए हुए लकड़ी की गुल्ली नाव पर लाद रहे थे भनक लगते ही नेपाली वन तस्कर गंडक नदी के धारा में कूदकर भाग निकले।रेंजर श्रीनिवासन ने आगे बताया कि घटनास्थल से ठेला गाड़ी,कटर मशीन,एक नाव (मोटरबोट) और भारी मात्रा में पातन किए गए खैर की गुल्ली बरामद किए गए है। बतादें की वीटीआर का एम 28 कक्ष विवादित सुस्ता से सटे हुए है और यह एरिया धनाहिया रेंज नाम से मसहूर है। बताते चलें कि वीटीआर जंगल में बेंत, सागौन, खैर, सम्हार,पानन,सखुआ,चांप,शीशम समेत गेंडा,भालू,बाघ,तेंदुआ,हिरण आदि जानवर बहुतायत पाए जाते है। जिसपर घरेलू और नेपाली अंतर्राष्ट्रीय तस्करों की नजर बनी रहती है।

किराये के खातों में साइबर ठगी की रकम, एक आरोपी गिरफ्तार

पढ़ाई में मदद के नाम पर बैंक खाता से होती थी साइबर ठगी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण पुलिस ने छात्रों से बैंक खाता खुलवाने वाले साइबर ठगों का पर्दाफाश किया है। साइबर थाना पुलिस ने एक छात्र से बैंक खाता खुलवाकर साइबर ठगी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सारण साइबर थाना को पीड़ित परिवार द्वारा एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। जिसमें पीड़िता द्वारा बताया गया कि सारण जिले की नगरा थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी मनोज सिंह का पुत्र अमित कुमार ने मेरे पुत्र को पढ़ाई लिखाई में मदद करने की बात बोलकर मेरे पुत्र के नाम से एक बैंक खाता खुलवाकर उस बैंक खाता से साइबर ठगी, धोखाधड़ी की जा रही है। इस संबंध में पीड़ित के लिखित आवेदन के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध साइबर थाना कांड संख्या 75/25, धारा 318 (4)/319(2)/351(4) बी एन एस एवं 66 (सी)/66(डी) आइटी एक्ट दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी गई। छानबीन के दौरान पुलिस ने प्राथमिकी में नामजद अभियुक्त अमित कुमार को बारी मशक्कत से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के दौरान साइबर ठगी कांड में अपनी संलिप्ता को स्वीकार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से पुलिस ने एक मोबाईल भी जप्त किया है। जप्त मोबाईल से कई राज खुलने के आसार है।

हल्की बारिश, हवा में प्रखंड क्षेत्र की बिजली हो जाती है गुल

● सरकार व बिजली विभाग के लापरवाही का शिकार उपभोक्ता

● ट्रिप का बहाना बता घंटों बंद रहती है बिजली

प्रात: किरण संवाददाता

नगरा सारण। नगरा प्रखंड मुख्यालय में हल्की बारिश एवं हवाओं में भी बिजली गुल होना मानो स्थायी समस्या बन गई है। बिजली विभाग सुधार की बात कहकर सप्लाई व्यवस्था को बेहतर करने की बात तो करता है, लेकिन वास्तव में समस्या दिनों दिन और गहराता जा रहा है। प्रखंड के नगरा, कादीपुर, नवीगंज, बन्नी, अरवा, काटेशर, रसूलपुर, धोबवल, खैरा सहित ग्रामीण इलाके में हल्की आंधी बारिश के बाद ही घंटों तथा कभी कभी रात भर के लिए बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। पॉवर सब स्टेशन में आई छोटी-मोटी गड़बड़ी पर ध्यान नहीं दिए जाने के कारण ही समस्या बड़ी होती जाती है। बरसात के दिनों में होनेवाली छोटी-मोटी खराबी भी ठीक नहीं हो पाती है। लगातार फॉल्ट, जंफर कटने, तार सटने, शॉर्ट लगने की समस्या बनी रहती है। 11 केवी तार, 33 हजार वोल्ट का तार पर कई जगह बांस, बबूल, आम एवं अन्य पेड़ की डाली सटा रहता है। इसके कारण हल्की बारिश में भी फॉल्ट लग जाता है। यह समस्या पुरानी है लेकिन इसका स्थाई निदान आज तक नहीं हो सका है। रविवार को दिन में हुई बारिश के बाद ग्रामीण क्षेत्र के अधिकतर स्थानों की बिजली घंटों बंद कर दी गई, और कई ग्रामीण इलाके में मोबाईल फ्लैस लाइट की तरह बिलजी आती जाती रही। बारिश से लोग घर से निकल नहीं पाते हैं, ऐसे में बिजली नहीं रहने पर लोगों की परेशानी बढ़ गई है। विभाग के अधिकारियों के पास इससे जुड़े जवाब नहीं मिलता है। ग्रामीण अरमान अली, उमेश कुमार, दीपक कुमार, इमरान, संतोष कुमार, आरती देवी, अमरावती कुंवर, शहजाद आलम, रवि कुमार, अलिशेर आलम, अमन, एजाज, तमन्ना आलम, रफी आलम, रूपेश कुमार, चंदन कुमार आदि ने बताया कि हल्की बारिश में भी दिन भर के लिए काट दी जाती है बिजली, जिससे लोगों को काफी झेलनी पड़ती है मुसीबत। बरसात एवं गर्मी के दिनों में बिजली विभाग पूरी तरह मनमानी पर उतर जाती है। हल्की बारिश हुई कि दिनभर के लिए बिजली काट दी जाती है। नगरा प्रखंड के कादीपुर पंचायत में बिजली की सप्लाई छीतरौली पावरग्रिड से दी जाती है। जिस रास्ते कई जगहों पर पेड़ पौधे एवं बांस के नजदीक से होकर ग्यारह हजार वोल्ट तार गुजरती है। जिसके कारण हल्की बारिश व हवा में भी तार टूटकर, पोल गिरकर या पेड़ गिरकर तार क्षतिग्रस्त हो जाता है। जिसे मरम्मत के नाम पर विभाग कई घंटों का समय गंवा देती है। कभी कभी जब ट्रांसफार्मर में खराबी आती है तो लाइनमैन को कई घंटों खुशामद करने के बाद वे अपने संपर्क के किसी निजी मिस्त्री को भेजकर ठीक कराते हैं। गांव वालों से उसके एवज में मजदूरी के नाम पर राशि की वसूली की जाती हैं। जबकि इन लाइनमैन को सरकार द्वारा यह सब करने के लिए वेतन देती है। उपभोक्ताओं के द्वारा कई बार बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों को इस बात की सूचना दी गयी। लेकिन इस समस्याओं का कोई भी शुद्ध लेने वाला नहीं है। बस चुनाव के समय नेताओं के द्वारा बारे बारे वादे किए जाते है जितने के बाद सब अपना अपना रोटी सेकने में लग जाते है। इस संबंध में बिजली विभाग के जेई ओबैदुल्लाह ने बताया कि बरसात के दिनों में पेड़ की टहनी, बांस आदि तार पर गिर जाता है तथा इंसुलेटर गर्म रहने के बाद उस पर पानी पड़ने से क्रेक हो जाता है। इस कारण बिजली ट्रिप हो जाती है। इन सभी समस्याओं को विभाग द्वारा जल्द ही सुचारू कर लिया जाएगा।

जिले में हाथीपांव के चिन्हित मरीजों को मिलेगा एमएमडीपी कीट, राज्य में 1,58,644 मरीज चिन्हित

छपरा। बिहार सरकार फाइलेरिया (हाथीपांव) जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों की देखभाल को लेकर अब और अधिक सख्त और सजग हो गई है। जिले में चिन्हित सभी फाइलेरिया मरीजों को शत-प्रतिशत एमएमडीपी किट (MMDP Kit) उपलब्ध कराई जाएगी। इसको लेकर अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, फाइलेरिया डॉ. श्यामा राय ने सभी जिलों के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। राज्य के सभी 38 जिले फाइलेरिया प्रभावित घोषित हैं, जहां वर्तमान में 1,58,644 हाथीपांव मरीज चिन्हित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि इन सभी मरीजों को साल में एक बार एमएमडीपी किट निःशुल्क मुहैया कराई जाए, जिससे वे अपने प्रभावित अंगों की नियमित देखभाल कर सकें और जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सके। क्या होती है एमएमडीपी किट? एमएमडीपी किट में फाइलेरिया मरीजों के लिए जरूरी सामग्री दी जाती है, जिससे वे अपने सूजनग्रस्त अंगों की सफाई, देखभाल और संक्रमण से बचाव कर सकें। इसमें साबुन, एंटीसेप्टिक, साफ तौलिया, दस्ताने, बैंडेज, फुटवेयर आदि शामिल होते हैं। डॉ. श्यामा राय ने स्पष्ट किया है कि जिन जिलों में फिलहाल किट उपलब्ध नहीं है, वहां के अधिकारियों को पीपल्स लेप्रा फाउंडेशन से तत्काल खरीद सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि सभी लाइन लिस्टेड फाइलेरिया मरीजों को एमएमडीपी किट ससमय दी जाए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के जरिए किट वितरण सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक जिले में इस अभियान की सतत निगरानी की जाए और रिपोर्ट राज्य स्तर पर साझा की जाए। दो वर्षों से हो रहा वितरण वर्ष 2023-24 में राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार के आदेश के बाद राज्य में कार्यरत लेप्रा सोसाइटी की उपशाखा पीपल्स लेप्रा फाउंडेशन को किट आपूर्ति का जिम्मा सौंपा गया। पिछले दो वर्षों से सभी जिलों को यहीं से किट की खरीद कर वितरण किया जा रहा है। राज्य स्तर की टीम क्षेत्र में निरंतर भ्रमण और औचक निरीक्षण करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी मरीजों को किट ससमय प्राप्त हुई है या नहीं। इसकी रिपोर्ट राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी (फाइलेरिया) और कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार को भेजी जाएगी। सभी चिन्हित अन्य मरीजों को भी शीघ्र ही एमएमडीपी किट प्रदान की जाएगीः जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि जिले में कीट का वितरण शुरू कर दिया गया है। सारण जिले के सभी चिन्हित अन्य मरीजों को भी शीघ्र ही एमएमडीपी किट प्रदान की जाएगी। यह प्रयास हाथीपांव के लक्षणों को बढ़ने से रोकने और मरीजों को सामान्य जीवन देने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है। फाइलेरिया से जुड़ी इस पहल के जरिए बिहार स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर गंभीर बीमारियों के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर रहा है। एमएमडीपी किट का यह वितरण अभियान न केवल मरीजों को राहत देगा, बल्कि फाइलेरिया उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में भी एक ठोस कदम है।

मुख्य नालों में कचरा डालने वालों को चिन्हित कर करें कार्रवाई: गरिमा

महापौर ने मुख्य नालों की जारी बरसात पूर्व मैनुअल सफाई कार्य का किया निरीक्षण

● नगर निगम क्षेत्र के मुख्य नालों की सफाई अभियान की रफ्तार को तेज करने का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया।महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में व्यवस्थित जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए, मुख्य नालों की तल से और गुणवत्तापूर्ण सफाई का होना बेहद जरूरी है। ऐसा होने से ही नालों से जल निकासी का प्रवाह सुचारू रहेगा। मुख्य नालों की मैनुअल सफाई की रफ्तार और गुणवत्ता सही नहीं लगने पर महापौर श्रीमती सिकारिया चिंता व्यक्त की। मौके पर मौजूद सफाई निरीक्षक मोहम्मद तबरेज ने बताया कि मुख्य नालों में कचरा डालने से मैनुअल सफाई का कार्य गति नहीं पकड़ पा रहा है। तब महापौर ने कहा कि वार्ड जमादारों के माध्यम से नालों में कूड़ा कचरा डालने वालों को चिन्हित कर के उन पर विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। क्योंकि नगर निगम क्षेत्र के नालों में कचरा जमा होने से रोकना भी बहुत आवश्यक है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि विशेष रूप से बरसात के मौसम में जल निकासी एक महत्वपूर्ण समस्या बन जाती है। नालों में कचरा जमा होने से पानी का प्रवाह बाधित होता है,जिससे सड़कों पर पानी जमा हो जाने से असहज स्थिति का खतरा रहता है। इसलिए, नियमित रूप से नालों की सफाई करना आवश्यक है। ताकि, पानी का प्रवाह सुचारू रूप से बना रहे।

शहर वासियों को जल -जमाव की समस्या से बचाने की कवायद में जुटी नगर निगम

विधायक के साथ महापौर व नगर आयुक्त ने चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण, दिए कई दिशा- निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। बरसात में जल -जमाव की समस्या को लेकर नगर आयुक्त एवं महापौर एक्टिव मोड में नजर आ रहे हैं, महापौर एवं नगर आयुक्त नगर निगम टीम के साथ लगातार खनुआ नाला सहित पानी निकासी पॉइंट का भ्रमण कर रहे हैं। ताकि बारिश होने पर जल-जमाव की स्थिति समान्य रहे,और शहर वासियों को अधिक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। इसी क्रम में छपरा सदर के विधायक डॉ सी. एन. गुप्ता, महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता एवं नगर निगम के नगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय द्वारा शहर के कई नालों का निरीक्षण किया गया। नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से शिल्पी पोखरा मे चल रहे कार्य का औचक निरीक्षण किया गया।इसके बाद जल-जमाव वाले क्षेत्र नेहरू चौक का भी निरीक्षण कर तत्काल म पाइप लगाकर जल की निकासी करने हेतु सफाई एजेंसी को निर्देश दिया गया कइसके अलावा भुतहा ढाला नंबर 42 पर इंद्रपुरी नगर मुहल्ला वासी के जल-जमाव के लिए 42 नंबर ढाला के नीचे से ह्युम पाइप लगाकर जल की निकासी कराने हेतु तत्काल आदेश दिया गया क बता दें नगर निगम बरसात के पूर्व से ही जल -जमाव की समस्या को लेकर गंभीर है, और इस दिशा में लगातार कार्य भी हो रहा है। हालांकि नगर निगम द्वारा तैयारी तो पूरी की जा रही है। ताकि बरसात में जल -जमाव की उत्पन्न समस्याओं से आम जनता को परेशानी ना हो। हालांकि बरसात के इस मौसम में फिलहाल अभी भारी बारिश नहीं हो पाया है, लेकिन भारी बारिश होने पर ही नगर निगम की तैयारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। फिलहाल नगर निगम द्वारा युद्ध स्तर पर कार्य कराया जा रहा है। शहर में चल रहे कार्यों का निरीक्षण में नगर आयुक्त, सुनील कुमार पाण्डेय, महापौर लक्ष्मीनारायण गुप्ता सहित सिटी मैनेजर वेद प्रकाश वर्णवाल, सहायक अभियंता शिखा पाण्डेय,स्वछता पदाधिकारी संजीव मिश्रा, सुमित कुमार, वार्ड 34 के पार्षद प्रतिनिधि संतोष शर्मा आदि शामिल थे।

डीएम ने उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में कालाबाजारी पर अंकुश लगाने पर दिया जोर

छपरा। जिलाधिकारी सारण अमन समीर द्वारा सोमवार को अध्यक्ष जिला परिषद की उपस्थिति में समाहरणालय सभागार में जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई,तथा उर्वरक की कालाबाजारी की पूर्ण रोकथाम एवं उचित मूल्य पर किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु सभी अनुमंडल कृषि पदाधिकारियों को संबंधित विक्रेताओं को चिन्हित करते हुए नियमित रूप से छापेमारी कार्य करने का निदेश दिया गया। साथ ही जिला कृषि पदाधिकारी को जिला हेल्प डेस्क का नंबर 06152- 248042 का अधिक से अधिक प्रचार करने का निर्देश दिया गया। ताकि किसान उर्वरक के संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या अथवा शिकायत हेतु उक्त हेल्प डेस्क नंबर पर फोन कर सकें तथा उसपर त्वरित रूप से कार्रवाई की जा सके।

विशेष गहन पुनरीक्षण को ले जिलाधिकारी ने संभाला मोर्चा अभियान की प्रगति की ले रहे हैं लगातार जानकारी

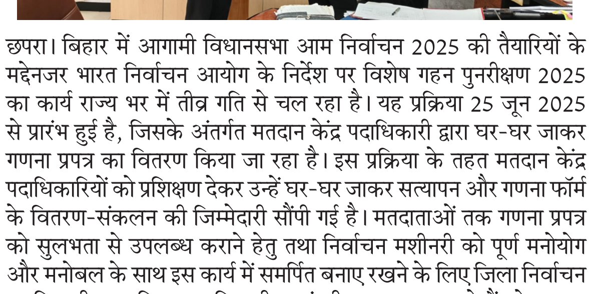

छपरा। बिहार में आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 का कार्य राज्य भर में तीव्र गति से चल रहा है। यह प्रक्रिया 25 जून 2025 से प्रारंभ हुई है, जिसके अंतर्गत मतदान केंद्र पदाधिकारी द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के तहत मतदान केंद्र पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें घर-घर जाकर सत्यापन और गणना फॉर्म के वितरण-संकलन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मतदाताओं तक गणना प्रपत्र को सुलभता से उपलब्ध कराने हेतु तथा निर्वाचन मशीनरी को पूर्ण मनोयोग और मनोबल के साथ इस कार्य में समर्पित बनाए रखने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी स्वयं फील्ड भ्रमण कर रहे हैं। वे मतदान केंद्र पदाधिकारियों के साथ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण कर रहे हैं एवं उनके कार्यों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति की निगरानी भी कर रहे हैं। इस अभियान में राजनीतिक दल सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। बिहार में वर्तमान 7,89,69,844 मतदाताओं में से लगभग 4.96 करोड़ मतदाताओं के नाम पहले से दिनांक 01.01.2003 की अंतिम गहन पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल हैं। ऐसे मतदाताओं को केवल अपनी प्रविष्टियों की पुष्टि करनी है और गणना प्रपत्र भरकर जमा करना है। इसके अतिरिक्त, यदि किसी मतदाता के माता या पिता में से कोई एक व्यक्ति 01.01.2003 तक मतदाता सूची में शामिल रहा है, तो ऐसे व्यक्ति को इस विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के दौरान नामांकन के लिए उनसे संबंधित किसी भी दस्तावेज को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी, चाहे उस व्यक्ति की जन्मतिथि कुछ भी हो। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की नियमित गतिविधियों को देखने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के फेसबुक, ट्विटर एवं इंस्टाग्राम हैंडल को फॉलो किया जा सकता है। इसके साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के सोशल मीडिया हैंडल्स में भी सभी अपडेट जा रहे हैं। कार्य को गति देने हेतु सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे स्थानीय स्तर पर आंगनबाड़ी सेविकाओं, विकास मित्रों, जीविका दीदियों, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र आदि के स्वयंसेवकों की सहायता लें। ये स्वयंसेवक न केवल मतदाताओं को फॉर्म भरने में सहायता करेंगे, बल्कि मतदान केंद्र पदाधिकारियों को वितरण व संग्रहण कार्य में भी सहयोग प्रदान करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

निषाद आरक्षण लागू न करने के विरोध में प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री का किया गया पुतला दहन

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर के बाबू लाल चौक के पास विकासशील इंसान पार्टी जिला समस्तीपुर पार्टी के तमाम कार्यकर्त्ता व पदाधिकारियों के द्वारा निषाद आरक्षण पदाधिकारियों विरोधी बीजेपी सरकार के खिलाफ उजियारपुर बाबूलाल चौक पर धरना प्रदर्शन कर मोदी, अमित शाह के पुतला दहन किया गया। इस मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रह्मदेव चौधरी, जिला अध्यक्ष आदर्श कुमार पिंटू, महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा सहनी, वीआईपी नेता मंतेश पासवान, जिला प्रभारी संजय सहनी, एनवीएस जिला अध्यक्ष अजय सहनी, युवा जिला अध्यक्ष संतोष चौधरी, जिला उपाध्यक्ष विपत सहनी, इंदरजीत सहनी, जिला सचिव सीताराम सहनी, श्याम सहनी, छात्र जिला अध्यक्ष रौशन सहनी, प्रखंड अध्यक्ष यशवंत सहनी, उपेन्द सहनी, देव कुमार सहनी, सनोज सहनी, आचल सहनी, मंजय सहनी, विनोद सहनी, आई टी सेल मीडिया प्रभारी परशुराम सहनी, जीतन सहनी, विश्वनाथ सहनी, दीपक कुमार, पंकज कुमार, पिंकी सहनी, संतोष कुमार सहित पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी की विदाई सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड बी आर सी कल्याणपुर के परिसर में सोमवार की अपराह्न प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार यादव की सेवानिवृत होने पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक वीरेंद्र कुमार सिंह ने किया। वहीं संचालन प्रभारी प्रधानाध्यापक युगेश्वर राय ने की। मुख्य अतिथि के पद पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय महतो दो, प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ,बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राय ने अपने संबोधन में कहा कि श्री यादव ने अपनी 35 वर्षों की सरकारी सेवा में बेदाग निकले, ये एक कुशल, निष्ठावान पदाधिकारी के रूप में पहचाने जाते थे। शिक्षक शिक्षिका प्रखंड के पदाधिकारी के साथ इनका काफी सहयोगत्मक संबंध था। उनके स्वस्थ दीघार्यु की कामना वक्ताओं ने की। मिथिला की परंपरा से मचासीन पदाधिकारी को पाग माला चादर से सम्मानित किया गया। मौके पर जय किशोर राय ,अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापिका अनिता कुमारी, अजीत कुमार देव, गुड्डू कुमार, एच एम राजीव कुमार ,मधुरेंद्र प्रसाद सिंन्हा , ने संबोधन किया। कस्तूरबा छात्रावास की छात्राओं ने विदाई गान गाकर उपस्थित लोगों को मनमुग्ध कर दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कस्तूरबा की छात्राओं को किताब डायरी कलम से सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष ने किया।

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने सभी वीएलओ के साथ किया बैठक

बरियारपुर (मुंगेर) अम्बेडकर भवन के सभागार में सघन मतदाता पुर्ण रीक्षण कार्य के लिए बैठक आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम के अध्यक्षता प्रखंड बिकास पदाधिकारी स्वेता कुमारी ने वर्ष 1987 के पूर्व मतदाताओं को बिशेष दस्तावेजों के साथ बी एल ओ को उपल्बध करनी पडेगी। अन्यथा मतदाता सूची से नाम हटा दिया जायेगा। यह आदेश मुख्यचुनाव आयुक्त के आदेशा अनुसार जारी किया गया है।बिगत वर्ष 1987 के बाद जन्म के लिए जन्म प्रमाण पत्र के साथ साथ जाति प्रमाण पत्र भी उप्लब्ध्द करनी पडेगी अन्यथा मतदाता सूची से नाम हटाया जायेगा। इस अवसर पर उपस्थित प्रखंड कल्याण पदाधिकारी भोगेन्दर कुमार,देवेंद्र कुमार, प्रखंड कृर्षि समंन्यक राणा प्रताप सिंह, भावनी भुषण सिन्हा,के साथ प्रशिक आलोक कुमार के साथ सभी बी एल ओ उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पशुपालकों को किया जागरूक

पुरैनी (मधेपुरा) पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की ओर से सोमवार को पुरैनी प्रखंड क्षेत्र के नरदह गांव में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पशुपालकों को जागरूक किया गया। इस दौरान कलाकारों ने मोबाइल पशु चिकित्सा वैन तथा पशुपालन से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। इस माध्यम से बताया कि गाय, भैंस, भेड़, बकरी, कुत्ते, मुर्गी आदि के रोगग्रस्त होने पर टॉल फ्री नंबर 1962 पर कॉल करने पर मोबाइल पशु चिकित्सा वैन दरवाजे तक पहुंच जाएगी। जिसके उपरांत पशुओं का निःशुल्क व समुचित उपचार किया जायेगा। इस बाबत डॉक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि सरकार की ओर से सब्सिडी की व्यवस्था है।

डीएम की अध्यक्षता में विद्यालय पोषण कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण वाटिका के जिला स्तरीय अभिसरण की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय! समाहरणालय लखीसराय स्थित मंत्रणा कक्ष में डीएम मिथिलेश मिश्र की अध्यक्षता में विद्यालय पोषण कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण वाटिका के जिला स्तरीय अभिसरण की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पोषण विशेषज्ञ यूनिसेफ प्रकाश कुमार द्वारा अंकुरण परियोजना अंतर्गत पोषण वाटिका से संबंधित जानकारी पीपीटी के माध्यम से बताई गई । उन्होंने बताया कि पोषण वाटिका परियोजना का उद्देश्य विद्यालय में पोषण वाटिका के माध्यम से बच्चों, किशोर एवं किशोरियों को सूक्ष्म पोषक तत्व युक्त साग- सब्जियों के माध्यम से स्थानीय भोजन का आदतन प्रयोग करना। विद्यालय में बाल संसद एवं मीनामंच के नेतृत्व में पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के द्वारा जागरूकता करना। पोषण वाटिका से संबंधित जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से विद्यालय में बच्चों अभिभावकों और अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता को बढ़ाना। विद्यालय में मध्याह्न भोजन के बाद बच्चों को प्रत्येक बुधवार को आयरन फोलिक एसिड गोली का सेवन कराना । राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य जांच को सुदृढ़ करना है। पोषण वाटिका से संबंधित उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कुल-8 (मध्य विद्यालय पुरानी बाजार लखीसराय, प्राथमिक विद्यालय बिंद टोला गुण सागर रामगढ़चौक, प्राथमिक विद्यालय कोइरी टोला नोनगढ़ रामगढ़, उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर बड़हिया, मध्य विद्यालय शिवसोना हलसी, मध्य विद्यालय संस्कृत विद्यालय सूर्यगढ़ा, उच्च माध्यमिक विद्यालय महेशपुर सूर्यगढ़ा एवं मध्य विद्यालय सिंहचक चानन के प्रधानाध्यापक/प्रतिनिधि को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, निदेशक, ठएढ नीरज आनंद, सिविल सर्जन बीपी सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी यदुवंश राम,जिला कृषि पदाधिकारी श्री सुधांशु कुमार,जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पी0एम0 पोषण योजना नीलम राज,सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मुहर्रम पर्व को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्द्रपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में मनाने तथा विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में डीएम ने कहा कि पर्व एवं श्रावण सोमवारी मेला को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार है। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है एवं क्विक रिस्पॉन्स टीम सक्रिय है। शांति समिति के सदस्यों से उन्होंने सुझाव आमंत्रित किए, जिसमें डीजे पर रोक, लगातार गश्ती, और यातायात व्यवस्था जैसे अहम बिंदु शामिल रहे। सोशल मीडिया पर अफवाह रोकने हेतु जिला साइबर सेल पूरी तरह सतर्क है। डीएम ने भड़काऊ पोस्ट की सूचना संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की और कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त बल की तैनाती की गई है, और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उपद्रवी तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारी, एसडीपीओ और शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे। सभी ने शांतिपूर्ण पर्व आयोजन हेतु प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

जोनल स्तरीय निरंकारी बाल संत समागम संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर । जोनल स्तरीय निरंकारी बाल संत समागम की अध्यक्षता करते हुए झारखंड के प्रचारक महात्मा श्री प्रभात रंजन जी ने अपने प्रवचनों के माध्यम से सैकड़ो की संख्या में उपस्थित बाल संतो,उनके अभिभावकों सहित प्रभु प्रेमी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि निरंकारी बाल संत समागम का आयोजन बच्चों को सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आध्यात्मिक विचारधारा से जोड़कर मानवीयता की ओर प्रेरित करना है। वर्तमान परिवेश में आधुनिक एवं वैज्ञानिक स्तरीय शिक्षण व्यवस्था जहां एक ओर बच्चों के वैज्ञानिक नजरिया को मजबूत आधार देता है तो वही दूसरी ओर ऐसे बाल संत समागम उनमें संतो,पीर,पैगंबरों के प्रति श्रद्धा,अपने से बड़ो, माता-पिता गुरुजनों के प्रति आज्ञाकारिता, सत्य निष्ठता,अनुशासन,कृतज्ञता, प्रकृति के प्रति प्रेम, स्वच्छता,दूसरों के प्रति भलाई, सहिष्णुता,समदृष्टि एवं एकत्व की भावना को समाहित करने का मजबूत माध्यम जो उन्हे गलत रास्तों पर जाने से रोकता है। आज जहां इंसान सिर्फ मेरा भला हो जाए, इसके लिए वह अपने वैचारिक दृष्टिकोण में नफरत,निंदा, वैर,द्वेष, घृणा, असहिष्णुता से युक्त शत्रुता की भावना से निम्न से निम्न स्तर तक जाने में तनिक भी संकोच नहीं करता है तो वही ऐसे बाल संत समागम बच्चों में संतोष,समर्पण,सम दृष्टि ,सत्यनिष्ठा ,सहनशीलता ,कर्मशिलाता समर्पण,कर्मठ विचारधारा से युक्त विश्व बंधुत्व, एकत्व एवं भलाई की भावना को प्रज्वलित करता है । ताकि जीवन की राह पर बढ़ती हुई नई पीढ़ियां भक्तिमय, प्रेम में शांति से भरे आनंददायक वातावरण में सांस ले सके ताकि उन्हें अभी से ही यह एहसास हो कि वास्तव में मानव का जन्म मानवीयता की भलाई के लिए हुआ है वही अवसर पर मुखी महात्मा राजेश कुमार जी ने भी कहा की बाल संत समागम बच्चों के संपूर्ण विकास में एक मजबूत आधार है जो उन्हें इंसानियत से जोड़ता है उनमें सेवा ,सुमिरन, सत्संग की भावना को सुदृढ़ करता है और सब के प्रति सम्मान, प्रेम व करुणा का भाव उजागर करता है ।

अवसर पर बाल प्रदर्शनी के माध्यम से स्वच्छ जल स्वच्छ मन ,रक्तदान - महादान, पेड़ो की कटाई पर रोक एवं स्वच्छ भारत अभियान सहित मिशन के आदर्श विचारधराओं का संदेश दिया गया । तो वहीं बच्चों ने अपने विचारों, भजनों ,कविताओं एवं छोटे-छोटे नाटकों एवं नृत्यो के माध्यम से उपस्थित जनमानस में मानवता का संदेश दिया। उक्त कार्यक्रम स्थानीय संत निरंकारी सत्संग भवन जूट मिल रोड ,मथुरापुर समस्तीपुर में आयोजित किया गया।समस्त कार्यक्रम सेवादल के शिक्षक के शिक्षक नंदेश्वर जी व संचालक राम प्रकाश जी एवं उनके सेवादल जवानों की देख रेख में संपन्न हुआ। अवसर पर विशाल लंगर का भी आयोजन किया गया ।इस अवसर पर राजकिशोर जी, मोतीलाल जी ,चंदेश्वर जी,यमुना प्रसाद जी, अर्चना जी सहित सैकड़ो की संख्या में प्रभु प्रेमी भक्तजन उपस्थित थे।

आयुक्त ने की क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार की बैठक, दिये निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।आयुक्त दरभंगा प्रमंडल कौशल किशोर ने क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार की अध्यक्षता में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार राजेश कुमार ने तीन मामले आपत्ति से संबंधित,113 आपत्ति रहित आवेदन,04 वापस लेने एवं 01 नवीकरण हेतु मामलों पर आयुक्त महोदय को अवगत कराया। बैठक में आयुक्त ने वाहन स्वामी को दाखिल प्रस्तावित समय सारणी विहित प्रपत्र के अनुसार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया,साथ ही अगले बैठक में रखने हेतु निर्देशित किया गया।इसमें संबंधित वाहन स्वामी को लंबित टैक्स एवं चालान की बकाया राशि को जमा करने का निर्देश दिया। बैठक में स्टेज-कैरेज बस के परमिट हेतु प्राप्त आवेदन एवं प्रस्तावित समय सारणी के प्रकाशन के उपरांत निर्धारित समयावधि में जिन आवेदनों पर आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है,वैसे आपत्ति रहित 113 मामलों पर स्वीकृति दी गई।साथ ही चार मामलों पर आवेदन वापस लेने एवं एक मामलों पर नवीकरण हेतु स्वीकृति दी गई। बैठक में सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार राजेश कुमार,अपर समाहर्ता राजस्व मनोज कुमार आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में जिले में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य शुरू है। सभी बीएलओ द्वारा घर-घर भ्रमण कर मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्र का वितरण कर मतदाता सूची में दर्ज जानकारी का भौतिक सत्यापन किया जि रहा है।इसी क्रम में रविवार को मतदाता सूची के अद्यतन एवं सत्यापन कार्यक्रम के लिए जिलांतर्गत प्रखंड से लेकर नगर निगम मुजफ्फरपुर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चल रहे इस अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत बूथ संख्या 109 के बीएलओ नीरज कुमार एवं मुशहरी बीपीआरओ एकलव्य द्वारा महापौर निर्मला देवी के आवास पर एवं बूथ संख्या 59 की बीएलओ मंजू देवी द्वारा जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन एवं नगर आयुक्त, विक्रम विरकर के सरकारी आवासों पर पहुंचकर मतदाता सूची में दर्ज जानकारी का भौतिक सत्यापन किया। इस अवसर पर बीएलओ द्वारा मतदाता पहचान पत्र, आधार संख्या, पते की पुष्टि तथा प्रपत्र। से 8 के माध्यम से प्राप्त जानकारी का तुलनात्मक अध्ययन कर आवश्यक अद्यतन प्रक्रिया को पूर्ण किया गया। यह सत्यापन प्रक्रिया मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने एवं आगामी चुनावों में किसी भी प्रकार की विसंगति से बचने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अधिकारियों द्वारा बीएलओ को पूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, जिससे सत्यापन प्रक्रिया सुगमता से संपन हो सकी। इसी तरह से सभी प्रखंडों में बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र का अभियान चलाकर वितरण किया गया। बीएलओ द्वारा मतदाताओं को दो प्रतियों में प्रपत्र वितरित किए जा रहे हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ को गणना प्रपत्र को सही-सही भरने में मतदाताओं को अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने भरे हुए गणना प्रपत्र की एक प्रति प्राप्त करने तथा अपलोडिंग करने का निर्देश दिया है। रविवार को चलाए गए इस अभियान में जहां सभी बीएलओ ने डोर टू डोर भ्रमण कर प्रपत्र का वितरण किया वहीं सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने विधानसभावार कैंप कर सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग की ।

लखीसराय पुलिस ने नकली सीक्रेट और तेल बनाने की फैक्ट्री का किया उद्वेदन

तस्कर सहदेव मोदी को भी लिया गया गिरफ्त में

● साढ़े सात लाख रुपए नगद सहित बड़ी संख्या में सिगरेट और तेल का खोली बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !लखीसराय जिले के कवैया थाना की पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है !गुप्त सूचना के आधार पर कवैया थाना अध्यक्ष अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस वलों ने कवैया थाना क्षेत्र अंतर्गत पंजाबी मोहल्ला से आईटीसी कंपनी के नकली सिगरेट और नवरत्न कंपनी का तेल बनाने का उद्वेदन किया है !कवैया थाना की पुलिस ने बड़ी संख्या ने तस्कर सहदेव मोदी सहित बड़ी संख्या में आईटीसी कंपनी के सीक्रेट का खोली और नवरत्न तेल की खोली को बरामद किया है !साथ ही साढ़े सात लाख रुपए नगद रुपए भी बरामद भी की है !वहीं एसपी अजय कुमार ने बताया की मामले को गंभीरता से लिया गया,और भी कई तथ्य सामने आने बाकी है !तस्कर सहदेव मोदी से गहनता से पुलिस पूछताछ कर रही है !प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है !एसपी ने कहा कि इस गोरखधंधे में और भी कई लोग जुड़े हो सकते हैं इसकी भी गंभीरता से जांच की जा रही है ! सूत्रों के मुताबिक आईटीसी कंपनी ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया है !

स्थानीय विधायक अपनी नाकामी का ठीकरा सरकार के सिर न फोड़ें : पूर्व मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।राज्य के पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अजीत कुमार ने साफ शब्दों मैं कहां है कि कांटी के विधायक अपनी विफलता का ठीकरा सरकार के सिर न फोडें। ये बातें उन्होंने कांटी क्षेत्र में जनसंवाद कार्यक्रम कै दौरान कहीं। पूर्व मंत्री ने कांटी विधान सभा क्षेत्र के कई गांवों में जन संवाद कार्यक्रम चलाकर लोगों की समस्या सुनी एवं मौके पर कई मामलों का तत्काल निदान कराया। इस क्रम में श्री कुमार क्षेत्र के सरमसपुर पासवान टोला, फतेहपुर चौक, रौतनिया, गोपालपुर बजार, गवसरा बंगड़ी यादव टोला एवं मानिकपुर काली स्थान में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जहां सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर लोगों ने पूर्व मंत्री के समक्ष सामाजिक व व्यक्तिगत समस्याएं रखी। जन संवाद कार्यक्रम में लोगों ने मुख्य रूप से नल जल योजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिलने, राशन कार्ड में नाम जुड़वाने, नया राशन कार्ड बनवाने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन की सुविधा दिलाने, बिजली के लचर व्यवस्था मे सुधार कराने, अंचल कार्यालय में दाखिल खारिज एवं अन्य मामले में हो रही कठिनाई एवं विद्यालयों में छात्रों की संख्या के अनुरूप क्लासरूम बनवाने का मामला प्रमुखता से उठाया। श्री कुमार लोगों की समस्यायों को सुनने के उपरांत अंचल अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी से मौके पर बात कर कुछ समस्याओं का निदान कराया ।

वहीं उन्होंने कहा कि वे ज़िलाधिकारी एवं विद्युत विभाग के अधिकारी से तत्काल मिल कर नल योजना, बच्चों की पढ़ाई के लिए विद्यालयों में अतिरिक्त क्लासरूम का निर्माण करने एवं बिजली की स्थिति में सुधार करने का आग्रह करेंगे। जन संवाद कार्यक्रम के उपरांत लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री श्री कुमार ने कहा की स्थानीय विधायक घबरा गए हैं वे अपनी विफलता छुपाने के लिए सरकार के सर ठीकरा फोड़ रहे हैं , जो बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में अपेक्षित विकास के लिए बड़े पैमाने पर राशि की व्यवस्था की है। जिस क्षेत्र के विधायक तत्पर थे, वहां अपेक्षित विकास हुआ है। लेकिन जब स्थानीय विधायक 5 वर्षों में विकास कार्य करने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं ,तभी तो मतदाता मलिको ने इस विफलता के खिलाफ बैनर लगाकर अपनी नाराजगी जाहिर किया हैं । नाराजगी जाहिर करने वाले लोगों के प्रति विधायक जी के द्वारा यह टिप्पणी करना कि चुनाव के वक्त ऐसा होता ही रहता है,यह मतदाता मालिकों का घोर अपमान है। श्री कुमार ने लोगों को आस्वस्त करते हुए कहा कि आप चिंता न करें , चुनाव से पूर्व कांटी- मडवन के सभी जर्जर सड़कों का निर्माण कार्य सरकार हर हालत में प्रारंभ करायेगी।जन संवाद कार्यक्रम में अंकेश ओझा, मोहम्मद शमीम, बिंदेश्वर राय, संजय राय, अवधेश राय, जितेंद्र राय ,धर्मेंद्र राय, विनोद पासवान ,सदेव पासवान, प्रमोद पासवान ,सूरज चौधरी ,हरिहर भगत, विलास भगत ,रवि साह, विजय साह, देवानंद महतो, रोहित सर्राफ, संजय साह, राकेश श्रीवास्तव, विपिन ओझा, राम उपनेश ओझा, दिलीप पासवान, मंटू लाल, रामजी महतो, सुनील महतो, बासुदेव महतो,आसिया देवी, गजेंद्र राम, धर्मेंद्र महतो, टिंकू ठाकुर आदि प्रमुख लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाया।

नर्सरी संचालक ने मुखिया पर लगाया गबन का आरोप, थाना में दिया आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के शिवनाथपुर वार्ड 04 निवासी रामनाथ सिंह ने सुरौली पंचायत के मुखिया दिलीप कुमार पर गबन का आरोप लगाते हुए स्थानीय थाना में एक आवेदन दिया है। बताया है कि वर्तमान में शिवनाथपुर स्थित एस एच 88 के बगल में अभिषेक नर्सरी संस्था का प्रोपराइटर हूं। इससे पहले मैं भरपुरा में इसी नाम का संस्था चल रहा था। उसी समय सुरौली पंचायत का मुखिया दिलीप कुमार मेरे संस्था पर आकर मनरेगा योजना के तहत वृक्षारोपण के लिए चार हजार पौधा लिया। जिसका कुल कीमत 60 हजार रुपया होगा। पौधा लेने के बाद रुपया भुगतान करने का आश्वासन दिया। बार-बार तकादा करने के बाद कई किस्तों में मात्र 17 हजार रुपया दिया। बाद बाकी रुपया के लिए आजकल कहकर टाल रहे हैं। उनकी प्रवृत्ति से तंग आकर वकालतन नोटिस भी भेजा। लेकिन बाकी का 43 हजार रुपया का भुगतान नहीं किया। 22 जून को उक्त मुखिया के घर पर जाकर बकाया राशि का तगादा किया तो उग्र होकर भला बुरा कहते हुए एक भी रुपया नहीं देने एवं जहां जाना है जाइए बोला। पीड़ित ने आशंका जताते हुए कहा है कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि मुखिया के द्वारा पैसा गबन कर लिया गया है।

बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्षों में रोड़ेबाजी, 41 गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। बहेड़ा थाना क्षेत्र के पोहद्दी गांव में बीती शाम बच्चों के विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर पथराव हुई। दोनों पक्षों में घंटों पथराव के दौरान पुलिस कर्मी सहित कई लोग जख्मी हो गए। एसडीएम मनीष कुमार झा, एसडीपीओ आशुतोष कुमार व एसएचओ हरिद्वार शर्मा ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले को शांत कराया। दोनों पक्षों से 41 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। बच्चों के विवाद को लेकर दोनों पक्षों में रोड़ेबाजी शुरू हुई। प्रशासन समय रहते पहुंचकर मामले को शांत कराया। बहेड़ा एसएचओ हरिद्वार शर्मा ने बताया कि घटनास्थल को पुलिस छावनी में तब्दिल कर दिया गया। एसडीएम ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच बैठक कर मामले को शांत कराया गया है। दोनों पक्ष आपसी भाईचारा बनाए रखने पर सहमती बन गई। एसडीपीओ ने बताया कि फ्लैग मार्च निकाल कर शांति व्यवस्था बहाल कराया गया है। दोनों पक्ष से पड़े आवेदन पर केस दर्ज किया गया।

खगड़िया विधानसभा क्षेत्र से मिशन सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता किरण देव यादव होंगे उम्मीदवार : गंगाराम अंबेडकर

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। मिशन सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगाराम अंबेडकर ने राष्ट्रीय प्रवक्ता सह बिहार प्रभारी किरण देव यादव को खगड़िया विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित किया है। गंगाराम अंबेडकर ने कहा कि समाजसेवी किरण देव यादव लंबे अरसे विगत 35 वर्षों से प्रखंड जिला राज्य राष्ट्रीय स्तर तक सदैव संघर्षरत सक्रिय एवं समाज के प्रति समर्पित रहे हैं। सामाजिक जन सरोकार से जुड़े सवालों को लेकर आंदोलनरत रहे हैं। समाज में इनकी स्वच्छ ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ क्रांतिकारी छवि रहा है। देश एवं राज्य में अब रूटीन वर्क, परिवारवादी, थोपे गये उम्मीदवार से जनता ऊब चुकी है। अब सच्चे अर्थों में सरजमीं से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता को सदन में पहुंचाने हेतु जनता मूड बन चुकी है। जनता विकल्प की तलाश में है। जनता नए चेहरे एवं युवाओं को मौका देना चाहती है। जनता सुख दुख में भाग लेने वाले कार्यकर्ता के प्रति आकर्षित है। पैराशूट से आए उम्मीदवार को जनता अब बहिष्कार करेगी। धरातल पर कार्य करने वाले सरजमीनी सामाजिक कार्यकर्ता को जनता अब मौका देना चाहती है। जो सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई तेज कर सके। उन्होंने कहा कि मिशन सुरक्षा परिषद के राज्य सम्मेलन में सभी 243 सीट पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया है। यदि कोई गठबंधन सम्मानजनक सीट शेयरिंग मुद्दा आधारित समझौता करेंगे तो हम गठबंधन करने को तत्पर हैं। कई पार्टी गठबंधन से वार्ता चल रही है। फिर वक्त सम्मेलन में 15 उम्मीदवारों को विभिन्न जिला समस्तीपुर से महेश राय, बछवारा से राजाराम यादव, सहरसा से विनोद यादव, बेगूसराय से राजकुमार राय, मुंगेर से जय जय राम यादव, सहित युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रहास यादव, शत्रुघ्न पासवान, दिलीप राज कुशवाहा, लाल बहादुर शाह, विनोद पासवान, मोहम्मद जफर अंसारी एवं ललिता देवी सरला सिंह सहित 15 जिला में उम्मीदवार घोषित किया गया। सभी सीटों पर उम्मीदवार की सूची जल्द ही जारी किया जाएगा। मिशन का राष्ट्रीय टीम सभी क्षेत्रों के उम्मीदवार के पक्ष में मजबूती से खड़ा उतरेगा। मिशन सुरक्षा परिषद का चुनावी एजेंडा घोषणा पत्र जल्द ही प्रकाशित किया जाएगा। मिशन सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि आम जनों का स्नेह प्यार आशीर्वाद सहयोग मिलेगा तो बड़े स्तर पर सेवा करने को मैं सदैव तत्पर रहूंगा। इधर, किरण देव यादव का नाम उम्मीदवार के रूप घोषणा करने पर देश बचाओ अभियान के उपाध्यक्ष अधिवक्ता डॉक्टर कमल किशोर यादव, अधिवक्ता कैलाश यादव, प्रवक्ता गुड्डू ठाकुर, फरकिया मिशन के सचिन लालमणि सदा, सरपंच संघ के राजेंद्र यादव श्रवण कुमार बंटी देवी अनुराधा देवी, वार्ड सदस्य संघ फूल कुमार, शिक्षक नेता अनिल कुमार आदि ने समाजसेवी किरण देव यादव को उम्मीदवार घोषित करने के निर्णय को हार्दिक स्वागत किया है तथा बधाई एवं साधुवाद दिया। कहा कि सच्चे अर्थों में इनकी उम्मीदवारी क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सबों ने एक स्वर में कहा कि कई संगठनों का सफल संचालन संघर्ष करने पर सर्वत्र हर अस्तर के सहयोग से इनको लाभ मिलेगा।

अधिवक्ता संघ जयनगर चुनाव: विजयकांत चौधरी बने अध्यक्ष, राजेश कुमार महतो महासचिव निर्वाचित

अधिवक्ताओं में हर्ष का माहौल देखा गया और सभी ने नव निर्वाचित टीम को बधाई दी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर 30 जून 2025 अधिवक्ता संघ जयनगर के वार्षिक चुनाव में विजयकांत चौधरी अध्यक्ष और राजेश कुमार महतो महासचिव पद पर निर्वाचित घोषित किए गए। 30 जून को संपन्न हुए इस चुनाव में कुल 26 अधिवक्ताओं ने मतदान किया।

अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में विजयकांत चौधरी को 15 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी उमेश पूर्वे को 11 मत मिले साथ ही महासचिव पद के लिए राजेश कुमार महतो को 14 मत प्राप्त हुए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कुमार राणा प्रताप सिंह को 12 मत प्राप्त हुए।

सभी मतपत्र वैध घोषित किए गए। इस के पूर्व कोषाध्यक्ष पद पर मुकेश कुमार एवं कार्यकारी सदस्य के पद पर प्रीत लाल पासवान निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी डॉ वीरेंद्र झा की देखरेख में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ और परिणामों की आधिकारिक घोषणा की गई।

चुनाव उपरांत सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को विधिवत रूप से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद अधिवक्ताओं में हर्ष का माहौल देखा गया और सभी ने नव निर्वाचित टीम को बधाई दी।

एक्टर्स के लिए खतरा बन सकता है एआई

अभिनेता करण टैकर की अपकमिंग वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 रिलीज को तैयार है। टैकर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की संभावनाओं और खतरों पर बात की। उनका मानना है कि एआई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में मददगार है, लेकिन यह एक्टर्स के लिए खतरा भी बन सकता है। साथ ही, साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों ने भी उनकी चिंता बढ़ा दी है। करण टैकर ने बताया कि उनकी सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 मुख्य रूप से साइबर क्राइम पर आधारित है, जिसमें एआई का भी छोटा-सा हिस्सा है। उन्होंने बताया, एआई अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फिल्मों में वीएफएक्स के जरिए धमाकों जैसे सीन बनाए जाते हैं, जो एआई की मदद से संभव होते हैं। करण ने यह भी बताया कि उनके दो विज्ञापन एआई की मदद से बनाए गए थे। हालांकि, करण ने एआई के खतरों पर चिंता जताई। उन्होंने एक अनुभव साझा करते हुए बताया, निर्देशक नीरज पांडे ने मुझे एक तीन मिनट की शॉर्ट फिल्म दिखाई, जो पूरी तरह एआई पर आधारित थी। इसमें सभी किरदार नकली थे और कंप्यूटर प्रॉम्प्ट्स से बनाए गए थे। यह इतना वास्तविक लग रहा था कि मुझे यकीन नहीं हुआ।

करण को डर है कि एआई की वजह से भविष्य में अभिनेताओं की जरूरत कम हो सकती है, क्योंकि अब ऐसी तकनीक से फिल्में बनाना आसान हो गया है। उन्होंने सलाह दी कि इस बदलते दौर में सतर्क रहना जरूरी है। करण ने हाल ही में एक साइबर फ्रॉड का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, मुझे एक फर्जी कॉल आया, जिसमें कहा गया कि मेरा निवेश मैच्योर हो चुका है और मुझे टैक्स डिटेल्स भेजने होंगे। उनके पास मेरे फंड की पूरी जानकारी थी, लेकिन यह एक धोखा था। करण का मानना है कि ऐसी स्थिति से बचने के लिए सावधानी और जागरूकता जरूरी है। 'स्पेशल ऑप्स 2' एक्शन और जासूसी थ्रिलर सीरीज है, जिसका पहला सीजन साल 2020 में रिलीज हुआ था। इसे नीरज पांडे ने डायरेक्ट किया है। सीरीज में करण टैकर के साथ केके मेनन भी अहम भूमिका में हैं। करण ने अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म तन्वी द ग्रेट में भी काम किया है। फिल्म 18 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चुनौतियों से भरे किरदार करना चाहती हूं

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निकिता रॉय की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। कई फिल्मों में दमदार अदायगी से वाहवाही लूटने वाली सोना ने बातचीत में एक दबी हुई ख्वाहिश का भी इजहार किया! जब उनसे पूछा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह और क्या करना चाहेंगी, तो इस पर दबंग अभिनेत्री ने कहा, वह इन दिनों ऐसे किरदार की तलाश में हैं जो उन्हें अलग तरह से चुनौती दें और उन्हें अलग-अलग तरीके से स्क्रीन पर पेश करें।

उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती जो मैंने पहले किया हो या ऐसा जो मैं अपनी नींद में कर सकती हूं, बल्कि मैं ऐसा किरदार चाहती हूं जो वास्तव में मुझे नई चुनौती दे और मुझे मेरे कंफर्ट से बाहर ले जाए। इसलिए मैं पिछले नौ सालों से अलग-अलग किरदार चुन रही हूं। वहीं, मुझे नई चीजें करना पसंद भी है और इसमें काफी मजा भी आता है। सोनाक्षी ने कहा, मैं एक पीरियड ड्रामा या बायोपिक करना पसंद करूंगी। मैंने हीरामंडी जैसी पीरियड ड्रामा सीरीज की है, लेकिन मैंने बायोपिक नहीं की है। इसलिए मैं इसे करना पसंद करूंगी। इस बीच सोनाक्षी ने सन ऑफ सरदार सीक्वल का हिस्सा न होने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन बातों को समझना आ गया है। यह बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात नहीं है।

बता दें, अभिनेत्री साल 2012 में रिलीज फिल्म सन ऑफ सरदार में थी। साथ ही फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। इसमें एक्ट्रेस जूही चावला भी अहम किरदार में नजर आई थीं। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म साल 2010 की तेलुगू फिल्म मर्यादा रमन्ना की रीमेक थी। अब इसके सीक्वल में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आएगी। वर्कफ्रंट की बात करें, तो सोनाक्षी की फिल्म निकिता रॉय 18 जुलाई को सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है। जिसमें उनके साथ परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर नजर आएंगे। साथ ही फिल्म में उनके भाई कुश सिन्हा बतौर निर्देशक शुरुआत करने जा रहे हैं।

अदिति शेट्टी ने राणा नायडू सीजन 2 में इंटिमेट सीन के बारे में बात की

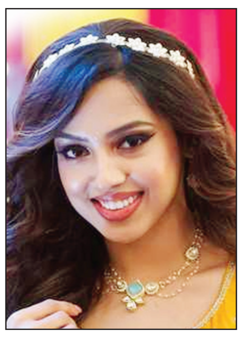

एक्ट्रेस अदिति शेट्टी ने राणा नायडू सीजन 2 में अपने बोल्ड और इंटिमेट सीन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि ये सीन कहानी और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझाने के लिए जरूरी थे। अदिति शेट्टी ने कहा कि नए सीजन में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और जो भी सीन हैं, उन्हें बहुत सोच-समझकर फिल्माया गया है। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करते हैं। अदिति ने बताया कि राणा नायडू सीजन 2 में उनका किरदार तसनीम उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है। उन्होंने कहा, तसनीम मेरी असली जिंदगी से बहुत अलग है। मैं मस्ती करने वाली और भावनाओं को खुलकर दिखाने वाली लड़की हूं, लेकिन तसनीम ज्यादा शांत और गंभीर है।

रश्मिका की मायसा पर विजय देवरकोंडा का रिएक्शन

रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपनी नई फिल्म मायसा का फर्स्ट लुक शेयर किया है, जिसके बाद हर कोई उनकी खूब तारीफ कर रहा है। इसी बीच एक्ट्रेस के रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा ने भी उनकी सराहना की। दरअसल, विजय ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रश्मिका की आने वाली फिल्म मायसा का पोस्टर शेयर किया और लिखा, 'यह फिल्म जबरदस्त होने वाली है।' वहीं, रश्मिका ने भी एक्टर की स्टोरी रीशेयर की और कैप्शन में लिखा, 'विज्जू! मैं वादा करती हूं कि इस फिल्म से आपको मुझ पर गर्व होगा।' रश्मिका मंदाना मायसा का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मैं हमेशा आपको कुछ नया, कुछ अलग और कुछ रोमांचक देने की कोशिश करती हूं। और ये वैसा ही एक प्रोजेक्ट है। एक ऐसा किरदार जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया। एक ऐसी दुनिया जहां मैं पहले कभी नहीं गई और मेरा ऐसा रूप जिसे मैंने खुद भी अब तक नहीं देखा था। ये गुस्से से भरा है बहुत दमदार है। और बिलकुल असली है। मैं थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन बहुत खुश भी हूं। मैं सच में इंतजार नहीं कर सकती कि आप सब देखें हम क्या बना रहे हैं। और ये तो बस शुरुआत है।

अक्सर साथ नजर आते हैं रश्मिका-विजय

रश्मिका और विजय को अक्सर साथ देखा जाता है। दोनों को कई बार डेट पर जाते देखा गया है। जिसके चलते दोनों के रिलेशनशिप में होने की अफवाह है। हालांकि, दोनों ने अब तक अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियली एक्सेप्ट नहीं किया है।

मैंने एक्टिंग नहीं छोड़ी है...

लोकप्रिय टीवी अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने काम से ब्रेक लेने के पीछे का कारण बताया। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने काम से ब्रेक इसलिए लिया ताकि वह अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकें और अपनी मानसिक शांति पर ध्यान दे सकें। इश्क में मरजावां के अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने कहा कि उन्हें पता है कि फैंस उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। वह भी जल्दी काम पर लौटने के लिए काफी उत्साहित हैं। अर्जुन ने कहा, मुझे पता है मेरे फैंस मेरी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और सच कहूं तो मैं भी इंतजार नहीं कर पा रहा। यह ब्रेक मेरे परिवार और मानसिक शांति के लिए जरूरी था, लेकिन मैं बहुत जल्द सेट पर लौटने वाला हूं, ताकि दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। अर्जुन बिजलानी ने सोशल मीडिया पर एक फैन के कमेंट पर बताया कि उन्होंने एक्टिंग नहीं छोड़ी है, अभी वह छुट्टी पर हैं, जिसमें वह परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और आराम कर रहे हैं। अर्जुन ने जवाब देते हुए लिखा, नहीं, मैंने एक्टिंग नहीं छोड़ी है। यह पहली बार है, जब मैं अपने परिवार के साथ इतना लंबा और बेहतरीन समय बिता रहा हूं, जो पिछले कई सालों में नहीं कर पाया। मैं हमेशा 2-3 शो एक साथ करता था, जिसके चलते परिवार के लिए समय निकालना मुश्किल हो रहा था। यह एक अहम फैसला है, जो मैंने अपने बेटे से वादे के रूप में किया था कि मैं समर हॉलीडे में उसके साथ समय बिताऊंगा।

शालिनी पांडे ने अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग पूरी की

अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार, महाराज और डब्बा कार्टेल जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली शालिनी पांडे ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग मनाली की वादियों में पूरी की। शूटिंग खत्म होने के बाद, शालिनी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक और आत्मीय पोस्ट शेयर की — जिसमें उन्होंने इस पूरे अनुभव को एक प्रेम-पत्र और कृतज्ञता से भरी डायरी की तरह बयां किया। उन्होंने तस्वीरों की एक खूबसूरत सीरीज शेयर करते हुए लिखा- मनाली के लिए एक छोटा सा लव लेटरज मैंने यहाँ एक महीने बिताया, शूटिंग करते हुए, पहाड़ों की गोद में रहते हुए, और एक नई लय में खुद को ढालते हुए। मुझे अपने डॉग्स् छ्व और क्ष्ह्रकी बहुत याद आई। हर दिन। कभी-कभी ये चुप्पी भारी लगती थी... लेकिन धीरे-धीरे, मनाली ने मुझे थाम लिया। अजनबियों की चुप्पी में छिपी दया में, हिमाचली कुत्तों के प्यार में जो बस पास आकर बैठ जाते थे, सुबह की शांति और देवदार की खुशबू में... शालिनी ने आगे बताया कि 'अविर' नाम का एक छोटा कैफे, गौतम द्वारा बनाई गई नुटेला टोस्ट और अदरक-नींबू की चाय, सैम के स्टूडियो में मिट्टी से जुड़ाव, और मनाली स्ट्रेज़ जैसे एनिमल रेस्क्यू सेंटर — इन सबने उनके दिनों को खास बना दिया। मैं एक एक्टर के तौर पर मनाली काम के लिए गई थी, लेकिन वापस लौट रही हूं एक भरे हुए दिल और अनगिनत यादों के साथ। इस पोस्ट में उन्होंने उन सभी लोगों और जगहों को भी टैग किया जिन्होंने उनकी इस यात्रा को खास बनाया। मनाली में बिताए इन भावनात्मक पलों के बाद, शालिनी अब 'राहु केतु' और जहान कपूर के साथ आने वाली फिल्म 'बैंडवाले' सहित कई प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी।

कमल हासन बने ऑस्कर समिति के सदस्य, पवन कल्याण ने दी बधाई

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन, जिन्हें हाल ही में फिल्म ठग लाइफ में देखा गया था। उन्हें अकादमी पुरस्कार 2025 समिति के सदस्य कु रूप में चुना गया है। कमल की इस उपलब्धि को लेकर पवन कल्याण ने एक्टर के लिए सोशल मीडिया पर बधाई संदेश लिखा है और साथ ही उनकी तारीफों की है। कलम हासन को ऑस्कर समिति के सदस्य के रूप में चुना गया है। यह सम्मान उनके विश्व सिनेमा में शानदार योगदान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। प्रशंसक और मशहूर हस्तियां उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए बधाई दे रहे हैं। टॉलीवुड अभिनेता और राजनेता पवन कल्याण ने कमल की इस उपलब्धि पर खुशी जताई है।

पवन कल्याण का पोस्ट

पवन कल्याण ने एक्स हैंडल पर कमल हासन को बधाई देते हुए लिखा, यह भारतीय फिल्म उद्योग के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है कि पद्म भूषण थिरु कमल हासन एवीएल को प्रतिष्ठित के सदस्य के रूप में चुना गया है- द अकादमी पुरस्कार 2025 समिति। छह दशकों के शानदार अभिनय करियर के साथ, कमल हासन एक अभिनेता से कहीं बढ़कर हैं। आगे पवन कल्याण ने लिखा, एक अभिनेता, कहानीकार और निर्देशक के रूप में उनकी सिनेमाई प्रतिभा, साथ ही उनकी बहुमुखी प्रतिभा और दशकों के अनुभव ने भारतीय और वैश्विक सिनेमा पर एक स्थायी प्रभाव डाला है। एक लेखक, गायक, निर्देशक, निर्माता और अभिनेता के रूप में फिल्म निर्माण के हर पहलू पर उनकी असाधारण पकड़ वास्तव में प्रेरणादायक है। वह इस कला के सच्चे उस्ताद हैं। मैं उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं और विश्व सिनेमा के लिए उनके कई और वर्षों तक प्रभावशाली सेवा की कामना करता हूं।

पवन कल्याण का वर्कफ्रंट

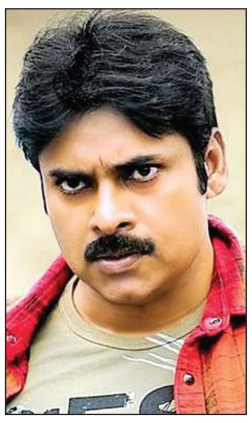

पवन कल्याण फिल्म हरि हर वीरा मल्लू और ओजी में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हरि हर वीरा मल्लू 24 जुलाई, 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इसके अलावा, उनकी अगली फिल्म दे कॉल हिम ओजी है, जो इस साल 25 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा पवन उस्ताद भगत सिंह में भी नजर आएंगे, जिसकी हाल ही में घोषणा हुई है।

शेफाली जरीवाला की मौत से सदमे में हैं प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री और डांसर शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में अचानक निधन हो गया, जिससे मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई। कई सेलेब्स के बाद अब प्रियंका चोपड़ा ने भी शेफाली के निधन को लेकर एक पोस्ट शेयर कर दुख जताया है। कांटा लगा गाने, बिग बॉस 13 और नच बलिए में अपनी शानदार मौजूदगी के लिए मशहूर शेफाली की असामयिक मृत्यु ने प्रशंसकों और दोस्तों को सदमे में डाल दिया। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, जिन्होंने शेफाली के साथ फिल्म मुझसे शादी करोगी में काम किया था, उन्होंने भी सोशल मीडिया पर दुख जताया है।

प्रियंका का दुख भरा पोस्ट

प्रियंका चोपड़ा ने आज इंस्टाग्राम की स्टोरी पर दिवंगत शेफाली जरीवाला की एक तस्वीर शेयर की और लिखा, बहुत दुखी हूं। वह बहुत छोटी थी। पराग और परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। यह संदेश शेफाली के पति, अभिनेता पराग त्यागी और उनके परिवार के लिए था।

व्यापार

सेंसेक्स 83606.46 पर बंद

निफ्टी 25517.05 पर बंद

सोना 94,450

चांदी 95,000

ओरल केयर के अभाव में देश को हर साल 7.2 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। ओरल हेल्थ पर ध्यान नहीं देने के कारण90 फीसदी भारतीयों को दांतों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यह न सिर्फ कैंसर जैसी बीमारियों की वजह बन

रहा है, बल्कि देश को हर साल 7.2 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो रहा है। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) की एमडी एवं सीईओ प्रभा नरसिम्हन ने अमर उजाला से बातचीत में कहा, ओरल हेल्थ में भारत का स्कोर पांच में से 2.6 है।इसकी प्रमुख वजह ओरल केयर का अभाव है।आलम यह है कि 80 फीसदी शहरी भारतीय रात में ब्रश नहीं करते हैं।ग्रामीणइलाकों में रहने वाले 55 फीसदी लोग प्रतिदिन एक बार भी ब्रश नहीं करते हैं।यह बड़ी समस्या है, जिसके समाधान के लिए कोलगेट पामोलिव आठ दशक से अधिक समय से भारत में ओरल केयर पर काम कर रही है।कंपनी ओरल हेल्थ को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता के तहत भारत में ओरल हेल्थ मूवमेंट चला रही है।

45 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग- प्रभा बताती हैं कि ओरल हेल्थ मूवमेंट पहल के तहत देश के 700 जिलों और 18,000 से अधिक पिन कोड पर अब तक 45 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गईहै।इनमें से सिर्फ 10 फीसदी लोगों को ही पांच में से पांच और 24 फीसदी को सबसे कम एक स्कोर मिला है।स्क्रीनिंग के आंकड़े बताते हैं कि 41 फीसदी लोगों में कैविटी होने का खतरा काफी अधिक है, जबकि 44 फीसदी लोग मसूड़े की समस्या से जूझ रहे हैं।

बाढ़ में लाखों के नुकसान से बचाएगा वाहन बीमा, ईवी बैटरी भी कवर में

नई दिल्ली, एजेंसी। बारिश शुरू होने के साथ बाढ़ और जलभराव आम बात है। ऐसे में अपनी गाड़ी को बाढ़ और जलभराव से बचाना जरूरी हो जाता है, जिसका एक ही तरीका है...व्यापक मोटर बीमा पॉलिसी का चुनाव। यह न सिर्फ आपकी गाड़ी को बाढ़, आग और चोरी से सुरक्षित रखती है, बल्कि इंजन, इलेक्ट्रिकल सिस्टम और इंटीरियर को कवरेज देकर लाखों के नुकसान से बचाती है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का चलन बढ़ने के साथ इस पॉलिसी में आपको बैटरी की भी सुरक्षा मिलती है, जिसकी कीमत ई-कार मूल्य की 40 फीसदी तक होती है। अगर आप अतिरिक्त सुरक्षा चाहते हैं, तो मोटर बीमा पॉलिसी में व्यापक ऐड-ऑन कवर शामिल कर सकते हैं। यह ऐड-ऑन कवर कार के इंजन को होने वाले नुकसान से बचाता है।कार के पानी में डूबने पर पिस्टन और कनेक्टिंग रॉड क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे इंजन बंद हो जाता है। इसे ठीक कराने या बदलने पर मोटी रकम खर्च होती है।

जीरो डेप्रिसिएशन कवर- कारें मूल्यह्रास यानी डेप्रिसिएशन योग्य एसेट हैं।इसलिए, बीमाकर्ता क्लेम निपटान से पहले लागू डेप्रिसिएशन रकम काट लेते हैं। यही कारण है कि जीरो डेप्रिसिएशन कवर महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह व्यापक मोटर बीमा पॉलिसी का हिस्सा नहीं है। यह ऐड-ऑन कार के पुर्जों पर डेप्रिसिएशन से राहत देता है और मालिक को अधिक क्लेम राशि पाने में सक्षम बनाता है। प्लास्टिक और रबर जैसे कुछ कलपुर्जों पर पहले साल में ही डेप्रिसिएशन 50 फीसदी तक होता है। इसका मतलब है कि अगर आपके पास यह कवर नहीं है, तो बीमा कंपनी वास्तविक नुकसान का सिर्फ 50 फीसदी ही क्लेम देगी।

निवेश-बचतः तनावमुक्त जीवन के लिए कर्ज प्रबंधन के स्मार्ट तरीके

सिबिल स्कोर और इमरजेंसी फंड बनाए रखें

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल हर परिवार होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड और एजुकेशन लोन जैसे कर्ज लेता है। अर्थव्यवस्था के लिए ये कर्ज नए पैसे को सिस्टम में लाने का एक जरिया हैं। लेकिन, मध्यम वर्ग परिवारों के लिए इन कर्ज पर लगने वाला ब्याज उनकी आर्थिक स्थिति के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। आरबीआई फरवरी से अब तक रेपो दर में कुल एक फीसदी की कटौती कर चुका है।यह मौजूदा कर्जदारों के लिए बड़ी राहत है, बशर्ते बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाएं। आइए समझते हैं कि ब्याज दरों में कमी के इस दौर में हम अपने कर्ज का प्रबंधन स्मार्ट तरीके से कैसे कर सकते हैं।

वेरिएबल इंटरेस्ट तो सस्ता होगा कर्ज- अगर आपका लोन वेरिएबल इंटरेस्ट रेट पर है, यानी ब्याज दर रेपो रेट के हिसाब से ऊपर-नीचे हो सकती है (जैसे होम लोन, एजुकेशन लोन), तो आपका कर्ज सस्ता हो सकता है। लेकिन, ज्यादातर मामलों में पर्सनल और कार लोन की ब्याज दरें कर्ज लेते समय फिक्स्ड होती हैं।यानी रेपो दर के बढ़ने-घटने का ब्याज दर पर कोईअसर नहीं होता है।

कर्ज प्रबंधन के गोल्डन नियम- कर्ज तभी लें, जब वाकई जरूरत हो- घर या कार खरीदने के लिए कर्ज लेना ठीक है, लेकिन विदेश में छुट्टियां मनाने या आईफोन खरीदने के लिए पर्सनल लोन लेना सही नहीं है। ऐसी चीजों के लिए पहले से प्लान करें और हर महीने थोड़ी-थोड़ी बचत कर बाद में खर्च करें।

सिबिल स्कोर बनाए रखें - अच्छा क्रेडिट स्कोर आसानी से कर्ज दिला सकता है और थोड़ी छूट भी मिल सकती है। इसलिए, अपने क्रेडिट स्कोर पर नजर रखें और भुगतान में चूक से बचें।

कुल ईएमआई को मासिक आय के 40 फीसदी से कम रखें - इससे आप भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों के लिए निवेश कर पाएंगे और घरेलू खर्चों को बिना परेशानी के मैनेज कर सकेंगे।

पुराने कर्ज चुकाने के लिए नया लोन न लें - जब तक नया लोन वाकई बड़ा फर्क न ला रहा हो, बार-बार लेंडर बदलने से बचें। इसके बजाय, एक लेंडर के साथ रहें और जितनी जल्दी हो सके, कर्ज चुकाएं।

इमरजेंसी फंड बनाए रखें - हमेशा कम-से-कम 3 से 6 महीने का इमरजेंसी फंड रखें, जिसमें ईएमआई सहित मासिक खर्च शामिल हों। इस राशि का इस्तेमाल सिर्फ नौकरी छूटने या मेडिकल खर्च जैसी वास्तविक आपातकालीन स्थिति में करें।

पुराने कर्ज पर ऐसी होनी चाहिए रणनीति

अगर कर्ज वेरिएबल इंटरेस्ट रेट पर है, तो आपके पास दो विकल्प होते हैं।आपको ईएमआई की राशि कम करने या लोन की अवधि घटाने के बीच किसी एक को चुनना होता है। यह फैसला उलझन भरा होता है। लेकिन, अगर आप ईएमआई राशि कम करने की जगह लोन अवधि घटाने का विकल्प चुनते हैं, तो यह समझदारी भरा फैसला होता है, क्योंकि आप पहले से ही वह राशि हर महीने अपनी आय से चुका रहे थे। ईएमआई कम कराने से खास बचत नहीं होती।

बैलेंस ट्रांसफर में इन बातों का रखें ध्यान

कई बैंक बैलेंस ट्रांसफर का विकल्प देते हैं। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।जैसे बैंक की सेवा अच्छी है या नहीं, बैंक शाखा घर के नजदीक हो, ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध है या नहीं। सबसे अहम प्रोसेसिंग फीस, मोरगेज चार्जेस आदि कितने हैं। बैलेंस ट्रांसफर का फैसला लेते समय देखें कि सारे शुल्क जोड़ने के बाद यह फायदेमंद है या नहीं। इसे राधिका चोपड़ा के उदाहरण से समझते हैं। राधिका का होम लोन चल रहा है, जिसकी बकाया राशि 12.38 लाख रुपये है। इस पर वह 9 फीसदी ब्याज दर के साथ 19,800 रुपये की ईएमआई भर रही हैं।कर्ज अवधि 7 साल है। अब अगर वह दूसरे बैंक में बैलेंस ट्रांसफर करती हैं, जहां 8 फीसदी ब्याज दर है।इससे उन्हें 80,000 रुपये की ब्याज बचत हो सकती है। लेकिन, लोन ट्रांसफर के बजाय अगर वह मौजूदा ईएमआई को हर माह 1,500-2,000 रुपये बढ़ा दें, उन्हें 50-60 हजार की ब्याज बचत हो सकती है। इस प्रकार, अगर ब्याज दर में एक फीसदी से ज्यादा बचत हो रही हो और आपकी बकाया अवधि 7-10 साल से अधिक हो, तभी बैलेंस ट्रांसफर पर विचार करना चाहिए।

बार्ट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 में 40.72 करोड़ का राजस्व दर्ज किया

मुंबई, एजेंसी। बार्ट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड (बीएसईः 532694, एनएसईः एएसएमएस) एक प्रमुख फिन-टेक समाधान प्रदाता है, जो उन्नत तकनीकी सेवाएं प्रदान कर व्यवसायों को डिजिटल रूप से सशक्त बना रहा है और तेज़ी से विकास की दिशा में अग्रसर है। 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही) में कंपनी ने 916.73 लाख का कुल राजस्व अर्जित किया, जो पिछली तिमाही (वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही) के 876.93 लाख की तुलना में अधिक है। वहीं, कर पूर्व लाभ वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में 32.50 लाख के नुकसान से सुधरकर वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 140.24 लाख के लाभ में बदल गया। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के लिए कंपनी की कुल व्यापक आय 114.45 लाख रही। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने कुल राजस्व 4072.86 लाख (वित्त वर्ष 25) दर्ज किया। वित्त वर्ष 24 में 23.45 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 25 में कर पूर्व लाभ 239.75 लाख हो गया। वित्त वर्ष 25 में कंपनी की कुल व्यापक आय 174.52 लाख रही, जो वित्त वर्ष 24 की 109.66 लाख की तुलना में साल दर साल वृद्धि दर्शाती है। पहले, भारत के कीमती धातु बाज़ार में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, बार्ट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड ने ऑगमोंट गोल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ पांच वर्षीय साझेदारी की है, जिसका उद्देश्य देशभर में सोने और चांदी की उपलब्धता और वितरण को बेहतर बनाना है। इस साझेदारी के तहत, बार्ट्रोनिक्स अपने वित्तीय समावेशन नेटवर्क और मजबूत वितरण चैनल के माध्यम से ऑगमोंट के बुलियन और आभूषण उत्पादों को ग्राहकों तक पहुँचाएगा। इसके साथ ही, बार्ट्रोनिक्स पोर्टल का उपयोग करके उपभोक्ताओं को ऑगमॉन्ट के प्रीमियम उत्पादों तक सीधी और डिजिटल पहुँच भी मिलेगी।

यह पांच वर्षीय साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए परस्पर लाभकारी अवसर प्रदान करने की संभावना रखती है। बार्ट्रोनिक्स अपने विस्तृत वितरण नेटवर्क के माध्यम से यह सुनिश्चित करेगा कि ऑगमोंट के उत्पाद अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुँच सकें। हालांकि इस सहयोग की वित्तीय शर्तें उजागर नहीं की गई हैं, फिर भी दोनों कंपनियाँ इसके विकास की संभावनाओं को लेकर आशान्वित हैं।

बार्ट्रोनिक्स, जो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है, एक अग्रणी फिनटेक समाधान प्रदाता है। यह कंपनियों को तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाते हुए ऐसे प्रक्रिया-आधारित और परिणाम केंद्रित समाधान प्रदान करता है, जो उनकी उत्पादकता बढ़ाने और बेहतर रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट सुनिश्चित करने में मदद करते हैं।

सहाना सिस्टम लिमिटेड क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स में लाएगा क्रांति

अहमदाबाद , एजेंसी। सहाना सिस्टम लिमिटेड (एनएसइ : सहाना), जो आईटी सेवाओं में एक प्रमुख कंपनी है, ने आज बताया कि उसे थाईलैंड सरकार के वित्तमंत्रालय से उसके वित्तीय ढांचे को मजबूत करने के प्रस्ताव को लेकर औपचारिक मंजूरी मिली है। थाईलैंड सरकार ने सहाना के इस प्रस्ताव की सराहना की है, जिसमें डिजिटल भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाने और सभी लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुँचाने की बात की गई है। यह प्रस्ताव थाईलैंड सरकार की उस नीतिके अनुरूप है जिसमें देश के डिजिटल ढांचे को मजबूत करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों को वित्तीय सेवाओं से जोड़ना शामिल है। वित्तमंत्रालय ने प्रस्तावित चर्चा के लिए सकारात्मक संकेत देते हुए एक उच्चस्तरीय बैठक के आयोजन की संभावना जताई है, जिससेकि संबंधित विषय विशेषज्ञों के माध्यम से प्रस्ताव का समुचित मूल्यांकन किया जा सके। इस बैठक के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था की योजना बनाई जा रही है और शीघ्र ही इसपर कार्यवाही की जाएगी। आज का वैश्विक भुगतान उद्योग,जिसकी वार्षिक लेनदेन मात्रा 240 ट्रिलियन से अधिक है, नवाचार की राह देख रहा है। पारंपरिक प्रणालियाँ जैसे एसडब्लूएफटी समय, लागतऔर पारदर्शिता जैसे पहलुओं में पिछड़ती जा रही हैं। सहाना का समाधान बैंक ऑफ थाईलैंड और भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से एक सुरक्षित, रियल-टाइम क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजैक्शन प्रणालीप्रस्तुत करता है। सहाना सिस्टम लिमिटेड 2013 में स्थापित किया गया था और यह अहमदाबाद, गुजरात में मुख्यालयित है। यह कंपनीआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिजनेस इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, औरआईटी आउटसोर्सिंग सहित कई अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में सेवाएँ प्रदान करती है।

2026 में भारत का चीनी उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर 35 मिलियन टन होने की संभावना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय चीनी उद्योग के लिए अच्छी खबर है! 2026 के चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में भारत का कुल चीनी उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर लगभग 35 मिलियन टन तक पहुँचने की संभावना है। यह अनुमान औसत से ऊपर मानसून के कारण गन्ने की बुवाई और उपज में हुई बढ़ोतरी पर आधारित है खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में।

घरेलू आपूर्ति में सुधार और निर्यात की संभावना- रिपोर्ट के अनुसार चीनी उत्पादन में यह वृद्धि घरेलू आपूर्ति की तंग स्थिति को कम करने में महत्वपूर्ण मदद करेगी। इसके साथ ही यदि सरकार की ओर से उचित नीतिगत समर्थन मिलता है तो चीनी के निर्यात में भी सुधार संभव है। यह देश के चीनी किसानों और मिलों दोनों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

चीनी मिलों के मार्जिन में सुधार, क्रेडिट प्रोफाइल होगा मजबूत- रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2026 में चीनी मिलों के संचालन मार्जिन में 9-9.5 प्रतिशत की रिकवरी का अनुमान है। इससे चीनी उत्पादक कंपनियों के क्रेडिट प्रोफाइल में सुधार होगा, जो पिछले वित्तीय वर्ष में दबाव का सामना कर रही थीं। पिछले दो सत्रों में जहाँ गन्ने का 'फेयर एंड रेम्युनरेटिव प्राइस' 11 प्रतिशत बढ़ा वहीं एथनॉल की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया था जिससे मिलों पर कुछ दबाव था। अब उम्मीद है कि यह स्थिति सुधरेगी।

एथनॉल उत्पादन में भी होगी वृद्धि

2026 के चीनी सत्र में एथनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन भी बढ़ने की संभावना है। यह 4 मिलियन टन तक पहुँच सकता है जो 2025 में 3.5 मिलियन टन था। इस वृद्धि को उच्च चीनी उत्पादन के साथ-साथ सरकार के महत्वाकांक्षी 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण लक्ष्य से भी समर्थन मिलेगा। सरकार एथनॉल उत्पादन को तेज़ी से नकद प्रवाह उत्पन्न करने के लिए बढ़ावा दे रही है जो किसानों और चीनी मिलों दोनों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत बन रहा है। यह पर्यावरण के लिहाज़ से भी एक सकारात्मक कदम है क्योंकि एथनॉल एक स्वच्छ ईंधन है। कुल मिलाकर आने वाला चीनी सत्र भारतीय चीनी उद्योग के लिए एक सकारात्मक तस्वीर पेश कर रहा है जिससे उत्पादन में वृद्धि, मिलों की वित्तीय स्थिति में सुधार और एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मुकेश अंबानी करेंगे बड़ी डील! रिलायंस को कोई नहीं दे पाएगा टक्कर

गौतम अडानी ने खींच लिए थे हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस की एनर्जी कंपनी रोसनेफ्ट भारत में नायरा एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ उसकी बात बन सकती है। पहले कई भारतीय कंपनियों से बात की गई लेकिन बात नहीं बनी। सरकारी कंपनियों ने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई। अब रिलायंस और रोसनेफ्ट के बीच शुरुआती बातचीत शुरू हो गई है। हालांकि अभी यह शुरुआती दौर में है। रोसनेफ्ट अपनी हिस्सेदारी के लिए 20 अरब डॉलर मांग रही थी। इतनी ज्यादा कीमत की वजह से पहले कई कंपनियों ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी।

सूत्रों के अनुसार, रोसनेफ्ट ने अब अपनी डिमांड को थोड़ा कम करके 17 अरब डॉलर कर दिया है। लेकिन यह कीमत भी रिलायंस के लिए बहुत ज्यादा है। हालांकि रिलायंस ने इसे बाजार की अफवाह बताया है। लेकिन अगर यह बातचीत सफल होती है, तो रिलायंस भारत की सबसे बड़ी रिफाइनरी कंपनी बन जाएगी।

अडानी ग्रुप की ना

सूत्रों का कहना है कि पिछले हफ्ते रिलायंस के फ्यूल रिटेल ब्रांड जियो-बीपी और अडानी-टोटल गैस के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां एक-दूसरे के आउटलेट से अपने-अपने ईंधन बेचेंगी। यह समझौता नायरा के अधिग्रहण की योजना का हिस्सा हो सकता है। अडानी ग्रुप को भी रोसनेफ्ट ने यह ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। इसकी वजह रोसनेफ्ट की ऊंची कीमत के साथ-साथ टोटल के साथ अडानी ग्रुप का समझौता भी है। इस समझौते के तहत अडानी ग्रुप अब जीवाश्म ईंधन में और निवेश नहीं कर सकता है। रिलायंस अगर नायरा का अधिग्रहण करती है, तो जियो-बीपी डील से उसे ईंधन बेचने के लिए आउटलेट मिल जाएंगे। वहीं, अडानी-टोटल गैस के सीएनजी कारोबार को नायरा के नेटवर्क तक पहुंच मिल जाएगी।

सहायक कंपनियों को बाजार में लिस्ट करें सरकारी बैंक वित्त मंत्रालय ने दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने सरकारी बैंकों से कहा है कि वे अपने परिचालन को और बढ़ाने के बाद सहायक कंपनियों में अपने निवेश को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कराकर उसका मौद्रीकरण करें, ताकि उन्हें अच्छा रिटर्न मिल सके। मध्यम से लंबी अवधि में सरकारी बैंकों की करीब 15 सहायक कंपनियां या संयुक्त उद्यम प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) या विनिवेश के लिए तैयार हैं। सूत्रों ने कहा, बैंकों को जहां भी जरूरी हो, अपनी सहायक कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के परिचालन को बढ़ाने के लिए धन का निवेश करना चाहिए। उदाहरण के लिए, एसबीआई अपने परिचालन को बढ़ाने के बाद एसबीआई जनरल इंश्योरेंस व एसबीआई पेमेंट सर्विसेज को सूचीबद्ध करने पर विचार कर सकता है।

सिर्फ आधी कंपनियों को ही मिला दूरसंचार विनिर्माण प्रोत्साहन, 31 मार्च तक 1162 करोड़ रुपये का वितरण

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार विनिर्माण से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पात्र 42 कंपनियों में सिर्फ 21 को ही 31 मार्च, 2025 तक प्रोत्साहन मिला है। वहीं, दो कंपनियों कोरल टेलीकॉम लि. और अल्फियन इंडिया प्राइवेट लि. के आवेदन को पात्रता सीमा मानदंड को पूरा नहीं करने के कारण खारिज कर दिया। लाभार्थियों में से एक ने कहा, कुछ दूरसंचार गियर निर्माता सिर्फ आयातित उत्पादों को अपना लेबल लगाकर बेच रहे थे, जिससे पीएलआई योजना के तहत उत्पादन और मार्जिन प्रभावित हो रहे थे। ब्रॉडबैंड गियर निर्माता के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, योजना की मंशा को प्रभावित करने वाली ऐसी अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी जरूरी है। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में दूरसंचार विभाग ने कहा, 31 मार्च तक योजना के तहत कुल 1,162.03 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन जारी किया गया है।

आयुष ने यूएस ओपन सुपर 300 के साथ बीडब्ल्यूएफ टूर पर जीता पहला खिताब, तन्वी उप-विजेता रही

आयोवा (अमेरिका) (एजेंसी)। उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। आयुष की इस जीत ने मौजूदा सत्र में विश्व टूर पर भारत के खिताबी सूखे को खत्म किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष नेतीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एक शानदार सप्ताह का समापन किया जिसमें सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक यादगार जीत भी शामिल है। यांग के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी कनाडा के इस खिलाड़ी को दो बार हराया था। महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं। उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर को बड़ी जिम्मेदारी

● पीसीबी ने टेस्ट टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच बनाया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अजहर महमूद को पुरुष टेस्ट टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच नियुक्त किया है। पीसीबी की ओर से अजहर की नियुक्ति को लेकर जारी बयान में कहा है कि अजहर महमूद ने शानदार अनुभव के साथ राष्ट्रीय टीम के सहायक मुख्य कोच की भूमिका को संभाला है। वह लंबे समय से टीम के रणनीतिक कोर का अहम हिस्सा रहे हैं। क्रिकेट के बारे में उनका गहरा ज्ञान, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और इंग्लिश काउंटी सकिर्ट में सफलता हासिल करना उन्हें इस पद के लिए असाधारण रूप से उपयुक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि अजहर अपने मौजूदा अनुबंध के समापन, अगले टेस्ट मैचों, अक्टूबर में दक्षिण अफीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर और दिसंबर-जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने मैचों तक अपने पद पर बने रहेंगे।

अजहर को 2024 की शुरुआत में पाकिस्तान के न्यूजीलैंड के सफेद गेंद दौरे से पहले अंतरिम आधार पर नियुक्त किए जाने के बाद से राष्ट्रीय टीम के सहायक कोच थे। 50 वर्षीय पूर्व ऑलराउंडर ने 20 साल की उम्र में क्रिकेट में पदार्पण किया था।

एशिया कप भारत में, पाकिस्तान को नहीं मिलेगी देश में एंट्री!

हॉकी इंडिया के अधिकारी का बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता के बीच हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर 29 अगस्त से 9 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम की महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट में दो महीने से भी कम समय बचा है और हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम के देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने अगस्त में एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम सरकार के संपर्क में हैं और हम उसके निर्देशों का पालन करेंगे। मौजूदा स्थिति के अनुसार मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान टीम को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

पुरुषों का एशिया कप 2025-2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगा, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे। टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप में एक प्रतिष्ठित स्थान अर्जित करेगा। इसके अलावा भारत एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की भी मेजबानी करेगा, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को बाहर करने की मांग के कारण भारत में जूनियर इवेंट में पाकिस्तान की भागीदारी भी संदेह में है। उन्हें विस्तारित 24-टीम टूर्नामेंट में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के साथ रखा गया था। पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ने आखिरी बार 2023 में भारत का दौरा किया था, जब भारत ने चेन्नई, तमिलनाडु में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 4-3 से हराकर रिकॉर्ड चौथा खिताब जीता था।

छह साल के तेगबीर सिंह ने बनाया विश्व रिकार्ड

यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की

रूपनगर (एजेंसी)। पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोह बन गया है।

उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है और यहां का सामान्य तापमान -10 डिग्री सेल्सियस तक रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। रूस के पर्वतारोहण, रॉक क्लाइम्बिंग और स्पोर्ट्स टूरिज्म फेडरेशन ऑफ काबर्डिनो बाल्केरियन रिपब्लिक ने माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले तेगबीर को पर्वतारोहण प्रमाणपत्र जारी किया।

प्रमाणपत्र में लिखा है कि यह प्रमाणित किया जाता है कि भारत के 6 साल 9 महीने और 4 दिन की उम्र में तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं। इसी के साथ तेगबीर ने पिछले साल सात वर्ष और तीन महीने की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले वाघा कुशाग्र (महाराष्ट, भारत के मूल निवासी) के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

अगस्त 2024 में वह माउंट किलिमंजारो (अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी) पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बन गए थे और उनका नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। वह अप्रैल 2024 में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (नेपाल) भी पहुंचे थे। चोटी फतह करने वाले तेगबीर सिंह ने कहा, 'मुझे पता था कि मुझे कहां पहुंचना है और आखिरकार मैं पहुंच गया और वहां अपने पिता के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। तेगबीर ने कहा मैं पहली बार बर्फ पर चल रहा था, मेरे जूते भारी थे, लेकिन मैंने इसका अभ्यास किया था।%

स्मिथ को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में वापसी का भरोसा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए चोट से उबरने के लिए समय पर वापसी को लेकर आशावादी हैं। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट के कारण कैरेबियाई टीम के खिलाफ चल रही तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट से चूकने वाले स्मिथ ने हाल ही में प्रभावित क्षेत्र से अपने टांके हटवाए हैं और ऑस्ट्रेलियाई टीम में नंबर 4 पर अपनी जगह फिर से हासिल करने के लिए तैयार हैं।

अनुभवी खिलाड़ी रविवार को कैरेबियाई टीम में अपने साथियों के साथ जुड़ गए और मंगलवार को पूर्ण अभ्यास में भाग लेने की उम्मीद है ताकि वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में 159 रनों से जीत दर्ज करने वाली टीम में वापसी की जा सके। स्मिथ को उनकी चोटिल उंगली के लिए एक पतली पट्टी लगाई जाएगी और, हालांकि वह स्लिप में अपनी सामान्य स्थिति में फील्डिंग नहीं कर पाएंगे, लेकिन 36 वर्षीय खिलाड़ी को बल्लेबाजी करते समय कोई समस्या नहीं होने की उम्मीद है और उन्हें दूसरे टेस्ट में खेलने की उम्मीद है।

स्मिथ ने कहा, मेरे लिए, यह सामान्य प्रशिक्षण की तरह ही महसूस होगा। मुझे वास्तव में कोई दर्द या कुछ भी महसूस नहीं होता है। (यह) बस पट्टी और थोड़ी सीमित हरकत की आदत डालना है। यह बहुत बुरा नहीं है, अब मुझे वहां बहुत अधिक हरकत मिलती है, इसलिए यह अच्छा लगता है। गेंद को मारना पूरी तरह से ठीक लगा। विकेट के सामने कुछ गेंदों को फील्ड करना शायद मेरे लिए सबसे अजीब बात होगी, मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी टेस्ट मैच में ऐसा किया है। संभवतः मिड-ऑन या मिड-ऑफ या फाइन लेग पर फील्डिंग करना, दूसरे या पहले स्लिप पर खड़े होने से थोड़ा अलग है।

स्मिथ के ऑस्ट्रेलिया की टीम में वापसी का मतलब है कि रिजर्व बल्लेबाज जोश इंगलिस को बाहर बैठना पड़ सकता है, क्योंकि उन्होंने बारबाडोस में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान सिर्फ 5 और 12 रन बनाए थे। इंगलिस केंसिंग्टन ओवल में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने संघर्ष करने वाले एकमात्र शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नहीं थे, बल्कि किशोर सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास और नंबर 3 कैमरून ग्रीन दोनों पारियों में सस्ते में आउट हुए और ऑस्ट्रेलियाई टीम मुश्किल बल्लेबाजी पिच से निपटने में विफल रही।

स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम पर जल्दी वापसी करने का भरोसा जताया है और उनका मानना ??है कि कोंस्टास और ग्रीन के लिए अच्छे स्कोर जल्द ही सामने आएंगे। स्मिथ ने कहा, ये लोग अच्छे खिलाड़ी हैं, इसके बारे में बहुत चर्चा हुई है लेकिन...हमें बस उन्हें एक मौका देने की जरूरत है। हमेशा ऐसा नहीं होता। हमें उन्हें एक मौका देना होगा और उन्हें इन परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने की आदत डालनी होगी। इन खिलाड़ियों में वाकई बहुत अच्छी प्रतिभा है और मुझे लगता है कि उनका भविष्य उज्ज्वल है।

विंबलडन रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सबसे अच्छा मौका : नोवाक जोकोविच

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच से भले ही अब किसी टूर्नामेंट के शुरू होने पर अक्सर उनके संन्यास को लेकर सवाल किया जाता है लेकिन इस स्टार टेनिस खिलाड़ी की निगाह सोमवार से शुरू होने वाले विंबलडन पर टिकी हैं जिसे वह अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मानते हैं।

जोकोविच अभी 38 साल के हैं और विंबलडन से पहले उनसे यही सवाल पूछा गया कि क्या वह आखिरी बार इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इस 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का जवाब भी रटा रटाया था। जोकोविच ने कहा, 'क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है। इसको लेकर अभी मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, इसको लेकर निश्चित नहीं हूं। उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा कई और साल तक खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं। यही मेरा लक्ष्य है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आप पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा।

जोकोविच ने यह स्वीकार किया कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकेंगे। यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच ने कहा, 'मैं इस बात पर सहमत हो सकता हूं कि विंबलडन में फिर से चैंपियन बनने का यह मेरे लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है। यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा लेकिन अभी मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। जोकोविच मंगलवार को पहले दौर में एलेक्जेंडर मुलर का सामना करेंगे।

दूसरे टेस्ट में विराट कोहली को पछाड़ सकते हैं ऋषभ पंत, एक शतक की है जरूरत

लंदन (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक और शतक लगाकर बड़ी उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेंगे। अगर पंत दूसरे टेस्ट में शतक लगाते हैं तो वह कोहली को पछाड़कर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में किसी भारतीय द्वारा मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

वर्तमान में पंत और कोहली दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में पांच शतक लगाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों के मामले में राहुल द्रविड़ (21 मैच) और महान सचिन तेंदुलकर (32 मैच) शीर्ष पर हैं जिन्होंने 7-7 शतक लगाए हैं। उनके बाद अजहरुद्दीन (15 मैचों में 6 शतक) का नम्बर आता है जोकि तीसरे स्थान पर हैं। चौथे नम्बर पर पंत (13 मैचों में 5 शतक) और पांचवें नम्बर पर कोहली (28 मैचों में 5 शतक) आते हैं।

अमेरिका के मैथ्यू मार्कस ने वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप 2025

व्यक्तिगत खिताब जीता; इंग्लैंड और सिंगापुर के खिलाड़ी शीर्ष तीन में शुमार

लंदन(एजेंसी)। वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप 2025 की शुरुआत 28 जून को इसके प्रमुख इवेंट 'व्यक्तिगत चैम्पियनशिप' के साथ रोमांचक अंदाज़ में हुई। यह एक घंटे की तीव्र ऑनलाइन प्रतियोगिता थी, जिसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रॉसवर्ड सॉल्वर्स ने अपनी बुद्धिमत्ता और शब्दों की पकड़ का परिचय दिया। कड़े मुकाबले के बाद, मैथ्यू मार्कस (अमेरिका) ने बाज़ी मारी और विश्व विजेता का खिताब अपने नाम किया। भारत स्थित गैर लाभकारी संगठन एक्सट्रा-सी द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता आधिकारिक मंच पर होस्ट की गई, और दोपहर 1.00 बजे से 2.00 बजे जीएमटी तक चली। इसमें दुनियाभर से पंजीकृत प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो न सिर्फ प्रतिष्ठा बल्कि .1,750 (लगभग 1.46 लाख) की पुरस्कार राशि के लिए भी प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। यह मुकाबला भाषायी कौशल और मानसिक फुर्ती का शानदार संगम रहा। एरिक एगार्ड, मार्क गुडलीफ, और कॉलीन थॉमस जैसे दिग्गजों की उपस्थिति और नए प्रतिभागियों के प्रभावशाली प्रदर्शन ने इस आयोजन को अनुभव और नई ऊर्जा का संगम बना दिया।

प्रतियोगिता का प्रारूप - इस व्यक्तिगत चैम्पियनशिप में दो कठिन क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड ग्रिड शामिल थे। पहला ग्रिड भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे जारी किया गया, जिसे हल करने के लिए 30 मिनट का समय था। इसके बाद दूसरा ग्रिड शाम 7 बजे लाइव हुआ, जिसके लिए भी 30 मिनट दिए गए। प्रतिभागियों की रैंकिंग पहले सटीकता और फिर गति के आधार पर तय की गई।

ग्रिड-1 के विजेता

- रैंक-1- कॉलिन थॉमस, इंग्लैंड
- रैंक-2- एरिक एगार्ड, अमेरिका
- रैंक-3 मार्क गुडलीफ, इंग्लैंड

ग्रिड-2 विजेता

- **रैंक-1-** साइमन एंथनी, इंग्लैंड
- **रैंक-2-** मैथ्यू मार्कस, अमेरिका
- **रैंक-3-** डीन शॉर्ट, इंग्लैंड

ईसीबी ने भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला का नाम बदलकर गलत किया : पूर्व कप्तान फारुख इंजीनियर

बर्मिंघम (एजेंसी)। दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी के करीबी मित्र फारुख इंजीनियर ने कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला की ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया तथा इस पूर्व कप्तान के नाम पर पदक देने का फैसला उनके जैसे प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के लिए पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत की थी, लेकिन पांच मैचों की वर्तमान श्रृंखला शुरू होने से पहले इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया।

इस फैसले की सुनील गावस्कर जैसे क्रिकेटरों ने आलोचना की थी। इंजीनियर भी इस फैसले से निराश हैं लेकिन इसके साथ उन्हें यह भी लगता है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियां निर्विवाद हैं। तेंदुलकर ने ईसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद घरेलू बोर्ड ने श्रृंखला जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया। मैनचेस्टर में रहने वाले इंजीनियर ने कहा, 'टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थे। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया।

उन्होंने कहा, 'एक ओर जहां मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया। मैं चाहता हूं कि टाइगर का नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखने का फैसला किया गया जो खेल के दिग्गज हैं। इंजीनियर ने कहा, 'इसके (पटौदी पदक की शुरुआत) बारे में बाद में सोचा गया। उन्हें इसकी घोषणा शुरू में ही कर देनी चाहिए थी, इससे अधिक विश्वसनीयता होती, लेकिन कम से कम उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है कि पटौदी नाम इससे हमेशा जुड़ा रहेगा।

पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की और दोनों ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला। दूसरी तरफ तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन ने तेज गेंदबाज के रूप में पारंपरिक प्रारूप में सर्वाधिक विकेट लिए हैं। इंजीनियर ने कहा, 'तेंदुलकर और एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस कहानी के दो पहलू हैं। उन्होंने पदक का नाम पटौदी के नाम पर रखा है जो बहुत सोच-समझकर किया गया फैसला है।

उन्होंने कहा, 'यह फैसला पटौदी के मुझे जैसे कई समर्थकों को खुश करने के लिए किया गया लेकिन आप उन्हें ट्रॉफी का नाम सचिन और एंडरसन के नाम पर रखने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते। मुझे उम्मीद है कि वे शर्मिला टैगोर (मंसूर की पत्नी) और उनके बेटे सैफ अली खान को पदक प्रदान करने के लिए आमंत्रित करेंगे।

भारत हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में हारने के बाद पांच मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पीछे है। तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह कार्यभार प्रबंधन के कारण पांच में से केवल तीन मैच ही खेल पाएंगे, लेकिन 87 वर्षीय इंजीनियर चाहते हैं कि वह ज़्यादा से ज़्यादा मैच खेलें। उन्होंने कहा, 'वह आपका तुरुप का इक्का है।

संक्षिप्त समाचार

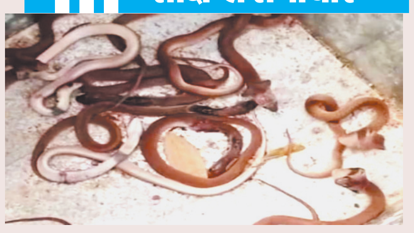

घर बना 'नागलोक', टाइल्स के नीचे नाग-नागिन के साथ 35 सांप निकले; दो कमरों तक फैला था कुनबा

रायपुर, एजेंसी। सांप को देखकर किसी के भी होश उड़ जाए। ऐसे में जब किसी के घर में एक-दो नहीं, बल्कि कई दर्जन सांप निकल आए तो सोचिए क्या होगा। सांपों के कुनबे में एक नाग-नागिन का जोड़ा भी हो तो उस घर में रहने वालों की क्या हालत होगी ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से सटे आरंग क्षेत्र के ग्राम देवरी में सामने आया है। एक घर से नाग-नागिन सहित उनके 35 बचे भी मिले हैं। सापों को देखने के लिए घर के बाहर भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

नागलोक जैसी घटना आरंग से लगे देवरी गांव में इंद्र कुमार साहू के घर पर हुआ है। यहां नाग-नागिन और लगभग 35 छोटे-छोटे सांप मिले हैं। इस घर में इंद्र कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। कुछ दिन पहले घर के अंदर से उन्हें दो छोटे-छोटे नाग सांप मिले, जिसे उन्होंने घर से बाहर निकालकर छोड़ दिया। ऐसी आशंका हुई कि बारिश के कारण सांप बाहर निकले होंगे। दूसरे दिन फिर सांप निकला। इसे परिवार के लोग घबरा गए और चीखते-चिल्लाते हुए घर से बाहर निकल आए।

इंद्र कुमार ने इसकी जानकारी गांववालों को दी। गांव के ही सांप पकड़ने वाले एक व्यक्ति को बुलाया गया। टाइल्स को ठोक-ठोक कर देखने पर एक जगह खाली जगह होने की आवाज आई। इसके बाद घर के दो कमरे में लगी टाइल्स को निकालने पर नाग-नागिन और लगभग 35 छोटे-छोटे सपोले निकले। इसकी जानकारी डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई।

देवरी गांव के एक घर में बड़ी संख्या में नाग मिलने की सूचना तेजी से आसपास के गांवों में फैल गई। इसके बाद काफी भीड़ जुट गई। आरंग पुलिस भी मौके पर पहुंची। सांप पकड़ने वालों की मदद से सांपों को रेस्क्यू कर उसे दूसरी जगह पर छोड़ दिया गया। वहीं इस घटना के बाद से गांव में दहशत भी देखा गया। किसी और घर में तो सांपों ने घर नहीं बना लिया होगा। सोशल मीडिया में इस घटना की दिनभर चर्चा होती रही।

नायब सैनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी, किस बात पर भड़के हैं कर्मचारी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में नायब सैनी

सरकार के खिलाफ कर्मचारियों में नाराजगी है। यह कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर सैनी सरकार के फैसले से भड़के हुए हैं। अब इन कर्मचारियों ने नौ जुलाई से हड़ताल की तैयारी कर रखी है। सैनी सरकार के फैसले पर ऑल-इंडिया स्टेट गवर्नमेंट इंप्लॉइज फेडरेशन के अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राय सरकार ने कर्मचारियों से बातचीत किए बिना एकतरफा रूप से यूपीएस लागू करने का निर्णय लिया है। इसके चलते कर्मचारियों में काफी असंतोष है। लांबा ने कहाकि इस निर्णय का विरोध विभिन्न लोकतांत्रिक साधनों से किया जाएगा। इसी सिलसिले में 9 जुलाई को हड़ताल का आह्वान किया गया है। सुभाष लांबा ने दावा किया कि सरकार ने कर्मचारियों को नए पेंशन योजना (एनपीएस) और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के बीच चुनने का विकल्प देने का निर्णय लिया था। इसको जनवरी 2006 से लागू किया जाना था। लेकिन अब सरकार ने अपने वादे से पीछे हटते हुए प्रतीत हो रही थी। उन्होंने कहाकि अगर वास्तव में सरकार को कर्मचारियों के हक की चिंता है तो उन्हें ओपीएस, एनपीएस और यूपीएस के बीच चुनने का विकल्प देना चाहिए। लांबा ने कहाकि केंद्रीय व्यापार संघों और केंद्रीय तथा राय सरकार के कर्मचारियों के संघों ने 9 जुलाई को हड़ताल का ऐलान किया है। हमारी मुख्य मांग पुरानी पेंशन फिर से लागू करना है। सुभाष लांबा के मुताबिक यूपीएस लागू करने के एकतरफा फैसले के खिलाफ पेंशन बहाली संघर्ष समिति समेत राय के सभी कर्मचारी संगठन शामिल हैं।

मराठी मानुष के सामने हार गई महाराष्ट्र सरकार, हिंदी पर फैसला वापस होने पर उद्धव ठाकरे का तंज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार के हिंदी अनिवार्य करने के फैसले को वापस लेने के बाद शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने फडणवीस सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य के स्कूलों में पहली से पांचवी तक की कक्षाओं में तीन भाषा नीति के तहत हिंदी अनिवार्य करने के फैसले को वापस ले लिया है। मतलब सरकार ने मराठी मानुष के सामने हार मान ली है। दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे के साथ में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने वाले उनके चचेरे भाई और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी इस सफलता का श्रेय मराठी मानुष को ही दिया।

मीडिया से बात करते हुए उद्धव ने देवेंद्र फडणवीस की सरकार के ऊपर मराठी मानुष की एकता को तोड़ने और मराठी और गैर-मराठियों लोगों के बीच में विभाजन पैदा

करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷सरकार मराठी मानुष की ताकत से हार गई। सरकार को यह अहसास नहीं था कि मराठी मानुष इस तरह एकजुट हो जाएगा।''

दूसरी तरफ राज ठाकरे ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा कि हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए राज्य सरकार पर किसने दबाव डाला, यह रहस्य बना हुआ है। मनसे अप्रैल 2025 से इस मुद्दे को उठा रही थी, जिसके बाद अन्य राजनीतिक दलों और संगठनों ने इसका हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''अगर (5 जुलाई को) मोर्चा होता, तो इससे संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन की यादें ताजा हो जातीं। सरकार को इसका डर होना चाहिए। यह डर होना चाहिए।''

शिवसेना (उबाठा) में ठाकरे के सहयोगी संजय राउत ने घोषणा की थी कि पांच जुलाई को मराठी आरक्षण आंदोलन के विरोध में आयोजित रैली रद्द कर दी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा फैसला वापस लिये जाने के बाद कहा कि अब यह आयोजन मराठी एकता की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक विजय जुलूस होगा। ठाकरे ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को झूठ की फैक्टरी भी करार दिया।

वीजा नहीं मिला तो तार के नीचे से आ गया पाकिस्तानी कपल, रेगिस्तान में भूख-प्यास ने ले ली जान

जैसलमेर, एजेंसी। जैसलमेर के सुनसान रेगिस्तान में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पाकिस्तानी कपल 17 साल के रविकुमार और 15 साल की शांति बाई ने बेहतर जिंदगी की तलाश में भारत की सीमा पार की, लेकिन उनकी यह ख्वाहिश प्यास और गर्मी की भेंट चढ़ गई। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि शनिवार को बिभियान रेगिस्तान में उनके शव बरामद हुए, जिनके पास खाली पानी का कैन पड़ा था। माना जा रहा है कि डिहाइड्रेशन और तपती गर्मी ने उनकी जान ले ली। रवि और शांति की शादी चार महीने पहले पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मीरपुर मथेलो, घोटकी जिले में हुई थी। यह शादी उनके परिवारों ने तय की थी। भारत में सुरक्षित और बेहतर जिंदगी का सपना देखते हुए दोनों ने वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्तों के कारण उनकी अर्जी खारिज हो गई। फिर भी, हार न मानते हुए उन्होंने अवैध रूप से सीमा पार करने का जोखिम भरा फैसला लिया। पुलिस के मुताबिक, रवि के पिता ने उन्हें सीमा पार करने के खतरों से आगाह किया था। एक हफ्ते पहले इस बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई थी, लेकिन रवि अपने इरादे से नहीं डिगे।

नवजात बच्ची को लावारिस हालत में टोकरी में छोड़ा, नोट डालकर लिख दिया सॉरी

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई के पनवेल इलाके में तीन दिन की नवजात बच्ची को लावारिस हालत में टोकरी में छोड़ दिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। बच्ची के साथ एक नोट भी मिला है, जिसमें उसके माता-पिता ने आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते उसे पालने में असमर्थ होने की बात लिखी है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को पनवेल क्षेत्र के टक्का कॉलोनी में सड़क किनारे नीले रंग की टोकरी में नवजात बच्ची को देख एक स्थानीय निवासी ने पुलिस को सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी हिरासत में ले लिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि टोकरी में एक नोट भी मिला है, जो अंग्रेजी में लिखा गया है। इसमें बच्ची के माता-पिता ने लिखा है कि वे बेहद गरीब हैं और बच्ची को पालने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने नोट में सॉरी लिखते हुए खेद भी जताया है। पुलिस ने बच्ची को तुरंत डॉक्टर के पास पहुंचाया, जहां जांच में उसकी हालत स्थिर पाई गई। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के माता-पिता की तलाश की जा रही है।

नवजात को छोड़ने का मामला दर्ज: पनवेल टाउन पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के तहत नवजात को छोड़ने का मामला दर्ज किया

है। दूसरी ओर, केरल के त्रिशूर जिले में एक युवक रविवार तड़के नशे की हालत में थाने पहुंचा और दावा किया कि उसके बैग में 2 नवजात शिशुओं के कंकाल हैं। पुलिस के अनुसार, युवक ने पुडुक्कड़ थाने में अधिकारियों को बताया कि ये नवजात शिशु एक महिला के साथ उसके संबंधों से पैदा हुए थे। पुलिस के मुताबिक युवक ने दावा किया कि दोनों बच्चों की मौत अलग-अलग समय और स्थान पर हुई थी।

31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा: अमित शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माओवादियों के साथ किसी भी तरह की बातचीत से साफ इनकार किया है। रविवार को उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित संगठन के कार्यकर्ताओं को हथियार छोड़ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा, हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो। अगर आप आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो हमने तय किया है कि 31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर में करीब 10 हजार लोगों ने हथियार छोड़ दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गए। शाह ने कहा कि इन लोगों ने तालुक स्तर से लेकर राज्य विधानसभाओं तक के पदों के लिए हुए चुनावों में भी हिस्सा लिया। इसी तरह पिछले डेढ़ साल में 2,000 से ज्यादा माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

तेलंगाना के निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद अमित शाह ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठा रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ऑपरेशन के प्रभाव को समझने के लिए पाकिस्तान की कमजोर छवि देखनी चाहिए। शाह ने कहा, 'कांग्रेस इन लोगों (माओवादियों) से बातचीत करने को कहती है। हमारी सरकार की हथियार रखने वालों से बात नहीं करने की नीति है। हथियार छोड़ दें, आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में शामिल हों।

मध्य प्रदेश में नक्सल समस्या खात्मे की ओर: डीजीपी

दूसरी ओर, मध् यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने रविवार को दावा किया कि सूबे में केवल एक जिले में सीमित नक्सल समस्या भी अब खात्मे की ओर है। राज्य पुलिस ने पिछले छह महीने के भीतर मुठभेड़ों में 10 नक्सलियों का सफाया करके बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार ने देश भर में नक्सलवाद को मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य तय किया है। मकवाना ने इंदौर जोन के पुलिस अधिकारियों की बैठक के दौरान बताया, 'नक्सल समस्या कई वर्षों से देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। हालांकि, मध्यप्रदेश में मोटे तौर पर नक्सल समस्या से केवल बालाघाट जिला प्रभावित है।' उन्होंने बताया कि प्रदेश पुलिस ने पिछले छह महीने के दौरान मुठभेड़ों में 10 नक्सलियों का खात्मा किया है और यह एक रिकॉर्ड है।

यूपी में सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से कांस्टेबल और उसके बेटे की दर्दनाक मौत

पीलीभीत, एजेंसी। यूपी के पीलीभीत में सड़क हादसा हो गया। पीलीभीत-शाहजहांपुर हाईवे पर बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एसएसबी कांस्टेबल और उसके पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली बीसलपुर पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवाए। हादसा करने के बाद ट्रक को लेकर चालक मौके से फरार हो गया। कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम परसिया निवासी 36 वर्षीय वीरपाल एसएसबी में कांस्टेबल है। उनकी ड्यूटी पीलीभीत में चल रही है। सोमवार सुबह वीरपाल अपने 15 वर्षीय पुत्र सुमित के साथ बाइक से शेरगंज रेलवे स्टेशन पर जा रहे थे। वहां से ट्रेन पकड़ कर उन्हें पीलीभीत ड्यूटी पर आना था। जैसे ही यह लोग कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के हाईवे पर टोल टैक्स के समीप पहुंचे तभी सामने से आ रहे ट्रक ने उनको टक्कर मार दी।

पापा मुझे चॉकलेट खानी है पैसे देदो... ये सुनकर गुस्साए पिता ने कर दी 4 साल की अपनी बेटी की हत्या

लातूर, एजेंसी। महाराष्ट्र के लातूर जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आयी है।शराब के आदी एक व्यक्ति ने अपनी चार वर्षीय बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी, क्योंकि उसने चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे मांगे थे। शराब के आदी एक व्यक्ति ने चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे मांगने पर अपनी चार वर्षीय बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान बालाजी राठौड़ के रूप में हुई है और उसे घटना के बाद हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

ओमान की खाड़ी में ऑयल टैंकर में आग

भारतीय मूल के 14 क्रू मेंबर्स सवार थे, भारतीय नौसेना रेस्क्यू के लिए पहुंची

मस्कट, एजेंसी। ओमान की खाड़ी में एक ऑयल टैंकर एमटी वायआई चेंग 6 में सोमवार को आग लग गई। इस पर भारतीय मूल के 14 क्रू मेंबर्स सवार थे। इन्होंने भारतीय नौसेना से मदद मांगी, जिसके बाद नौसेना का स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तबर रेस्क्यू के लिए पहुंचा। 13 भारतीय नौसैनिक और ऑयल टैंकर के 5 क्रू मेंबर्स अभी आग बुझाने में जुटे हैं। लपटों पर काबू पा लिया गया है। भारतीय नौसेना ने एक्स पर घटना की जानकारी देते हुए रेस्क्यू की तस्वीरें पोस्ट की। नौसेना ने बताया कि यह शिप भारत के कांडला से ओमान के शिनस जा रहा था। इसके इंजन रूम में भीषण आग लग गई और बिजली सप्लाई भी ठप हो गई थी। आईएनएस तबर से पहुंची फायर फाइटिंग टीम और उपकरणों को शिप की नाव और हेलिकॉप्टर से ट्रांसफर किया गया।

बांग्लादेश में हिंदू महिला से गैंग रेप, BNP नेता भी शामिल ! वीडियो वायरल होते ही मचा हड़कंप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले में तीन दिन पहले अल्पसंख्यक समुदाय की एक महिला से कथित तौर पर हुए बलात्कार की घटना का वीडियो वायरल होने के बाद रविवार को पूरे देश में आक्रोश उत्पन्न हो गया। पुलिस ने बताया कि घटना के मुख्य संदिग्ध को कई अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। कुमिल्ला जिले के पुलिस प्रमुख नजीर अहमद खान ने कहा कि मुख्य आरोपी को ढाका के सईदाबाद इलाके में तड़के छापेमारी करके गिरफ्तार कर लिया गया तथा चार अन्य को सोशल मीडिया पर महिला की तस्वीर व पहचान उजागर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने घटना की निंदा करते हुए परिसर में मार्च निकाला, जबकि अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए समर्पित जगन्नाथ हॉल छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थी ने न्याय की मांग करते हुए जुलूस निकाला। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। इस बीच, उच्च न्यायालय ने एक निर्देश जारी कर अधिकारियों से शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को तुरंत हटाने को कहा। दो न्यायाधीशों की पीठ ने संबंधित अधिकारियों से पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उसे आवश्यक उपचार प्रदान करने को भी कहा। मीडिया में आई कुछ खबरों में कहा गया है कि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

इनमें से एक खबर के अनुसार, पड़ोस के लोगों ने शुरुआत में सामूहिक पिटाई के बाद आरोपी को छोड़ दिया और उसे पुलिस को सौंपने के बजाय अस्पताल ले गए। संदिग्ध व्यक्ति अस्पताल से कथित तौर पर भाग गया था। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, महिला कुमिल्ला के मुरादनगर उप-जिले में स्थित अपने मायके जा रही थी, जहां आरोपी रात में जबरन उसके घर में घुसे थे। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे एवं अपनी मां के सलाहकार के रूप में काम कर चुके साजिब अहमद वाजिद ने इस घटना पर अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए 'एक्स का सहारा लिया।

प्रेमी के किए दो टुकड़े... रियलिटी शो स्टार ने अपने ही ब्वॉयफ्रेंड का किया कत्ल, पुलिस अब भी तलाश रही सिर

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की मशहूर रियलिटी टीवी स्टार तमिका सुएन-रोज़ चेसर पर अपने बॉयफ्रेंड जूलियन स्टोरी की बेरहमी से हत्या का आरोप लगा है।

34 साल की तमिका पर आरोप है कि उसने 39 साल के जूलियन की जान ली और उनका सिर कटा शव दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के पोर्ट लिंकन में उनके घर में मिला। टेलीग्राफ की खबर के मुताबिक, 19 जून को एक छोटी सी आग लगने की जानकारी पर पुलिस पहुंची तो वहां का मंजर दिल दहलाने वाला था।

पुलिस ने तमिका को गिरफ्तार कर लिया और हत्या का मुकदमा दर्ज किया। जांच में पता चला कि जूलियन का सिर अभी तक नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि हत्या 17 जून की आधी रात को हुई होगी।

पुलिस ने बताया, जूलियन का शव टुकड़ों में बंटा हुआ था और उनका सिर गायब था। हमने तलाशी की, मगर सिर अब तक नहीं मिला।

यह मंजर पुलिस और आपातकालीन कर्मियों के लिए भी चौंकाने वाला था। एक गवाह ने बताया कि उसने अपार्टमेंट से धुआं निकलते देखा और तमिका से बात की, मगर उसने कुछ नहीं होने की बात कही। फिर वो अपने तीन कुत्तों को लेकर टहलने निकल गई और दरवाजा बंद कर लिया।

जूलियन के परिवार ने बयान दिया, हम एक ऐसी त्रासदी से गुजर रहे हैं, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।उन्होंने पुलिस और आपातकालीन कर्मियों का शुक्रिया अदा किया और कहा, हमारे दोस्तों और इस समुदाय की दुआओं और साथ ने हमें हिम्मत दी है। पुलिस का कहना है कि तमिका को अपार्टमेंट के पीछे बेसुध हालत में पाया गया। वो मानसिक स्वास्थ्य हिरासत में है और दिसंबर में अदालत में पेश होगी।

डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट डैरेन फील्के ने कहा, जूलियन का सिर ढूंढना हमारे लिए ज़रूरी है, ताकि उनके परिवार को सुकून मिले और वो उन्हें आखिरी विदाई दे सकें।

कौन हैं तमिका और क्यों हैं मशहूर?: तमिका 2010 में रियलिटी शो ब्यूटी एंड द गीक में रनर-अप रही थीं। इसके बाद उन्होंने प्लेबॉय, राल्फ और एफएचएम जैसे पुरुषों के मैगजीन्स के लिए मॉडलिंग भी की। पुलिस जांच में जुटी है और लोगों से अपील की है कि कोई भी सुराग मिले, तो फौरन खबर दें। तमिका अभी हिरासत में है और इस मामले ने पूरे ऑस्ट्रेलिया को हिलाकर रख दिया है।

यूरोपीय देशों में हीटवेव, स्पेन में तापमान 46 डिग्री पहुंचा; जून में गर्मी ने 60 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा

बार्सिलोना, एजेंसी। यूरोप के कई देश भीषण हीटवेव की चपेट में हैं। स्पेन में सबसे ज्यादा गर्मी है, जहां के ज्यादातर इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। स्पेन की राज्य मौसम विज्ञान एजेंसी एईएमईटी के मुताबिक, एल ग्रैनाडो शहर में शनिवार को 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एईएमईटी के मुताबिक, स्पेन में जून के दौरान गर्मी ने 60 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले स्पेन के सेविले में आखिरी बार जून, 1965 में 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। स्पेन, फ्रांस, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया, हर्जेगोविना, हंगरी, सर्बिया, स्लोवेनिया और स्विटजरलैंड में हीटवेव जारी रहने की आशंका है। पुर्तगाल, इटली और क्रोएशिया में हीटवेव का रेड अलर्ट है। बार्सिलोना में, शनिवार को

एक महिला सफाईकर्मी की गर्मी से मौत हो गई। इटली में बुजुर्गों, कैंसर रोगियों और बेघर लोगों में हीटस्ट्रोक के मामले बढ़ गए हैं। रोम ने 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए शहर के स्विमिंग पूल में फ्री सर्विस का ऐलान किया है।

पश्चिमी बाल्कन के देशों में भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो गया है। सर्बिया ने 19वीं सदी में तापमान रिकॉर्ड करना शुरू करने के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया। स्लोवेनिया में, शनिवार को जून का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। उत्तरी मैसेडोनिया में 27 जून को तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129